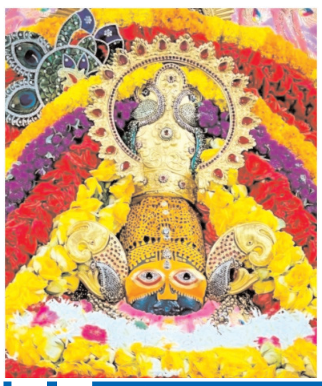

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:330। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 21 जुलाई 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

जेपी नड्डा से मिला सीपीजी प्रतिनिधिमंडल

ज्ञापन सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। सीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी. नड्डा से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें अपना एक ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने ट्वीट किया कि प्रदर्शनकारियों ने सरकार से बातचीत का प्रस्ताव दिया।

सुबह 11:50 बजे से चर्चा जारी थी। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। प्रदर्शनकारियों ने शाम 4 बजे लिखित ज्ञापन सौंपा। जेपी नड्डा ने उनसे धरना खत्म कर सामान्य स्थिति बहाल करने में सहयोग का अनुरोध किया। सौरव दास ने लिखा कि उन्होंने अपनी मांगें केंद्रीय मंत्री के सामने रखीं। इनमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग भी शामिल है। उन्होंने बताया कि जेपी नड्डा ने आश्वासन दिया है कि वह इस मुद्दे पर उचित स्तर पर चर्चा करेंगे।

सरकार के साथ बातचीत तक दीपके ने विरोध मार्च रोका

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल के सरकार के साथ बातचीत के लिए जाने के बाद अपने मार्च को अस्थायी रूप से रोक दिया है। संस्थापक अभिजीत दीपके ने घोषणा की कि बातचीत जारी रहने तक मार्च स्थगित रहेगा।

पुलिस का दावा- प्रदर्शनकारियों ने पत्थर फेंके

पार्लियामेंट स्ट्रीट के पास प्रदर्शनकारियों के साथ हुई झड़प के दौरान दिल्ली पुलिस का एक सब-इंस्पेक्टर घायल हो गया है। घायल सब-इंस्पेक्टर ने बताया कि वे बैरिकेड्स के पास तैनात थे, तभी प्रदर्शनकारियों की ओर से पथराव किया गया, जिसमें वे चोटिल हो गए।

सरकार युवाओं को सुनने के बजाय उन पर लाठीचार्ज करवा रही: केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जंतर-मंतर पर देश का सारा युवा लाखों की संख्या में जमा हो गया है। सरकार उनकी बात सुनने की बजाय उनपे लाठी

चार्ज करवा रही है। ये ठीक नहीं है। मैं सरकार से अपील करता हूं कि ये हमारे ही देश के बच्चे हैं जो न्याय मांगने सड़कों पर उतरे हैं। अहंकार छोड़िये और इनकी बात सुनिए। आम आदमी पार्टी सांसद संजय सिंह ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शनकारियों के साथ ऐसा व्यवहार किया जा रहा है, मानो वे किसी दुश्मन देश के नागरिक हों। उनके खिलाफ लाठीचार्ज किया जा रहा है और आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं।'

मानसून सत्र के पहले दिन विपक्ष के हंगामें के चलते कार्यवाही रही प्रभावित

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का पहला दिन सोमवार को विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया। राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, नीट एवं अन्य परीक्षाओं में पेपर लीक, जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों के मुद्दे समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के लगातार विरोध के कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बार-बार बाधित हुई। अंततः दोनों सदनों की कार्यवाही मंगलवार सुबह तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इसी बीच लोकसभा में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने संबंधी 'सुप्रीम कोर्ट (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, 2026' पेश किया गया। वहीं राज्यसभा में 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रगान के समान सम्मान देने से संबंधित विधेयक राज्यसभा में पेश नहीं हो सका।संसद परिसर के बाहर भी विभिन्न संगठनों के प्रदर्शन के चलते सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही और संसद भवन की ओर आने-जाने वाले मार्गों पर आवाजाही प्रभावित हुई। लोकसभा की कार्यवाही प्रारंभ होते ही अध्यक्ष ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी सहित छह पूर्व सदस्यों के निधन पर शोक व्यक्त किया श्रद्धांजलि के बाद सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर तीन बार थोड़े अंतराल के लिए स्थगित होने के बाद तीन बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। इसी दौरान केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी संशोधन विधेयक सदन में प्रस्तुत किया।

त्रिपुरा के डीजीपी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग धनखड़ की सोमवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव अगरतला स्थित राज्य पुलिस मुख्यालय में उनके कार्यालय कक्ष से बरामद किया गया। पुलिस प्रारंभिक तौर पर मामले को आत्महत्या की आशंका से जोड़कर जांच कर रही है, हालांकि मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस

से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान डीजीपी अनुराग धनखड़ को उनके कार्यालय कक्ष में फंदे से लटका हुआ पाया। इसकी सूचना

अनुराग धनखड़ ने 2025 में उन्हें त्रिपुरा का पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था

तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद पुलिस मुख्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही प्रशासनिक मजिस्ट्रेट, फोरेंसिक टीम और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अगरतला स्थित गोविंद बल्लभ पंत (जीबीपी) अस्पताल भेजा गया पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

राज्यसभा में दिवंगत सदस्यों और कतर के पूर्व अमीर को श्रद्धांजलि दी गयी

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को सदन के दिवंगत सदस्यों और कतर के पूर्व अमीर को श्रद्धांजलि दी गयी। सभापति सीपी राधाकृष्णन ने पूर्व सदस्य बलबीर पुंज, स्वपन साधन बोस (टूटू बोस), रंगासायी रामकृष्ण और एच. हनुमंथप्पा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। राज्यसभा सभापति ने कहा कि बलबीर पुंज एक प्रख्यात पत्रकार, लेखक और चिंतक थे, जबकि स्वपन साधन बोस ने भारतीय फुटबॉल और खेल प्रशासन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रंगासायी रामकृष्ण को एक समर्पित लोकसेवक और कुशल प्रशासक के रूप में याद किया गया, वहीं एच. हनुमंथप्पा ने ग्रामीण विकास, सिंचाई, किसानों के कल्याण और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। सभापति ने कहा कि इन सभी के निधन से देश ने उत्कृष्ट सांसदों और जनसेवकों को खो दिया है। सभापति ने कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी के निधन पर भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शेख हमद ने आधुनिक कतर की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और भारत-कतर संबंधों को मजबूत बनाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। श्रद्धांजलि के बाद सभापति के अनुरोध पर सभी सदस्यों ने अपने स्थान पर खड़े होकर दिवंगत आत्माओं की स्मृति में मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यसभा के नवनिर्वाचित 9 सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को राज्यसभा के 9 निर्वाचित सदस्यों को सदन की सदस्यता की शपथ दिलाई गयी। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों में गुजरात से भाजपा के मुकेशभाई जे. राठवा, कर्नाटक से कांग्रेस के पवन खेड़ा, मध्य प्रदेश से भाजपा के महेश केवट, मेघालय से नेशनल पीपुल्स पार्टी के जेम्स पांगसांग कोंगकल संगमा, मिजोरम से खियांगते ललतलुआगकिमा, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया और पश्चिम बंगाल से भाजपा के प्रकाश चिक बराइक, सुष्मिता देव एवं सुखेंदु शेखर राय शामिल हैं।

अभिषेक बनर्जी को इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति नहीं, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

कोलकाता । कलकत्ता हाईकोर्ट की सिंगल-जज बेंच ने सोमवार को तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति मांगी थी। हाल ही में हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले नफरत फैलाने वाले भाषण देने के आरोप में बनर्जी के खिलाफ चल रहे एक मामले की सुनवाई के दौरान सांसद के वकील ने अपने क्लाइंट को आंखों के इलाज के लिए विदेश जाने की अनुमति देने की अपील की। हालांकि, मामले की सुनवाई कर रहे जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने विदेश यात्रा की अपील को खारिज कर दिया। इसके बजाय जस्टिस भट्टाचार्य ने अभिषेक बनर्जी को सलाह दी कि वे पहले कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के विशेषज्ञों से सलाह लें। जस्टिस भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि अदालत इस मामले में आगे का फैसला एसएसकेएम मेडिकल कॉलेज की रिपोर्ट देखने के बाद ही लेगी। जब अभिषेक बनर्जी के वकील ने अपने क्लाइंट के आंखों के इलाज के लिए विदेश यात्रा की अनुमति की अपील की, तो जस्टिस भट्टाचार्य ने सबसे पहले यह पूछा कि क्या डायमंड हार्बर के सांसद ने किसी नेत्र रोग विशेषज्ञ से सलाह ली है। इसके जवाब में अभिषेक के वकील ने अदालत को बताया कि उनके क्लाइंट का पिछले दस सालों से अमेरिका में आंखों का इलाज चल रहा है। राज्य सरकार के वकील और राज्य के अतिरिक्त एडवोकेट जनरल राजदीप मजूमदार ने अभिषेक बनर्जी को विदेश यात्रा की अनुमति देने का जोरदार विरोध किया।

● बाराबंकी से सीएम योगी का विपक्ष पर बड़ा हमला, बोले-

सनातन सुरक्षित रहेगा तो देश सुरक्षित रहेगा

'सनातन की सुदृढ़ नींव पर ही भारत का उज्वल भविष्य टिका है। सनातन सुरक्षित रहेगा तो देश सुरक्षित रहेगा।'

एजेंसी

बाराबंकी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी में 542 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 82 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस, पर कई समसामयिक मुद्दों को लेकर तीखा हमला बोला। उन्होंने सनातन, सांस्कृतिक विरासत, कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्थलों के विकास, रक्षा उत्पादन और पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों को लेकर विपक्ष को घेरा। साथ ही लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोधेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन कर उन्हें आत्मिक आनंद की अनुभूति हुई। बाराबंकी की पहचान भगवान

लोधेश्वर महादेव, पारिजात वृक्ष और हॉकी के महान खिलाड़ी केडी सिंह बाबू जैसी ऐतिहासिक धरोहरों से है, लेकिन आजादी के बाद लंबे समय तक इन विरासतों की उपेक्षा की गई। सीएम योगी ने कहा कि आजादी की रोशनी लोधेश्वर महादेव मंदिर तक नहीं पहुंच सकी, जबकि उस दौर में कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल के लिए धन की कोई कमी नहीं थी। उन्होंने घोषणा की कि भगवान लोधेश्वर महादेव मंदिर के भव्य कॉरिडोर के निर्माण के लिए सरकार ने धनराशि स्वीकृत कर दी है। उन्होंने कहा कि इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने पूर्व ओलंपियन और हॉकी के दिग्गज केडी सिंह बाबू का जिक्र करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान उनकी हवेली बिकने की नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने हवेली को बिकने से बचाया, उसका भुगतान कराया और अब उनकी स्मृतियों को संरक्षित करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने पारिजात वृक्ष के संरक्षण को भी सरकार की प्राथमिकता बताया। सीएम योगी ने कहा कि भारत की विरासत और सनातन संस्कृति ही देश की असली पहचान है।

मप्र विधानसभा में समान नागरिक संहिता विधेयक पेश

सदन में एक साथ 14 विधेयक रखे जाने पर कांग्रेस विधायकों को आपत्ति, उज्जैन जमीन खरीदी मामले पर हंगामा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को ही राज्य सरकार ने सदन में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक 2026 पेश कर दिया है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि इस पर कल चर्चा कराई जाएगी। इसके बाद आगे की कार्यवाही होगी। इससे पहले सदन में उज्जैन जमीन खरीदी मामले पर चर्चा को लेकर विपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों का शोर-शराबा जारी रहा। इसके चलते विधानसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित की गई। दोबारा कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर राज्य सरकार ने एक के बाद एक कई विधेयक पेश किए। मंत्रियों ने विभागीय पत्रों को पटल पर रखने की कार्यवाही पूरी की। इनमें मध्य प्रदेश समान नागरिक संहिता 2026, मध्य प्रदेश निरसन विधेयक 2026, मध्य प्रदेश अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026, मध्य प्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक 2026, मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) संशोधन विधेयक 2026, मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026, मध्य प्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक 2026, मध्य प्रदेश

मंगलवार को होगी चर्चा

कोड ऑन एम्पावरिंग वर्क स्पेसेज 2026, मध्य प्रदेश श्रम शक्ति संहिता 2026, मध्य प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक, 2026, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता संशोधन विधेयक 2026 शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राम मंदिर वित्तीय अनियमितता मामले में यूपी सरकार से मांगा जवाब

● एसआईटी के पुनर्गठन के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार को महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। अदालत ने राज्य सरकार से कहा है कि वह इस मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (SIT) के पुनर्गठन के संबंध में आवश्यक निर्देश प्राप्त करे। मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि इस संवेदनशील मामले की जांच ऐसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में होनी चाहिए, जिसे वित्तीय अनियमितताओं और जटिल मामलों की जांच का पर्याप्त अनुभव हो। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निष्पक्ष और प्रभावी जांच सुनिश्चित करने के लिए अनुभवी अधिकारी की नियुक्ति आवश्यक है, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा सके और सच्चाई सामने आ सके। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार से इस संबंध में आवश्यक कदम उठाने और स्ढ्ढञ्ज के पुनर्गठन पर उचित निर्णय लेने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई में राज्य सरकार से इस संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी जा सकती है।

युवाओं का साहस, परिश्रम विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के युवाओं के साहस, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए सोमवार को एक संस्कृत सुभाषित साझा किया। उन्होंने कहा कि आज देश के युवा अपने साहस, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और अथक परिश्रम के बल पर ऐतिहासिक सफलताएं हासिल कर रहे हैं, जो विकसित भारत की सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभर रही हैं।
ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि
प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमनविचति चाप्रमत्त:।
दु:खं च काले सहते महात्मा धुरंधरस्तस्य जिता: सपत्नी:॥
अर्थात- जो महान व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी कभी विचलित नहीं होता, पूरी सावधानी और सजगता के साथ अपने कार्य में निरंतर जुटा रहता है तथा कठिन समय का धैर्यपूर्वक सामना करता है, उसके शत्रु पहले से ही पराजित माने जाते हैं।
प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत के युवा अपने साहस, आत्मविश्वास और कठिन परिश्रम के दम पर नई-नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।

देश के 70फीसदी हिस्से में बादल छाए

- 25 जुलाई तक बारिश का अलर्ट
- यूपी में 40 मंदिर डूबे
- असम में बाढ़ से 5 की मौत

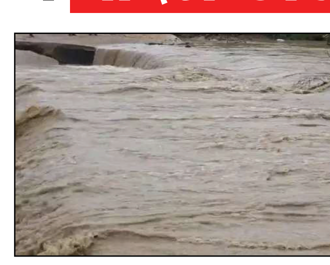

एजेंसी

नई दिल्ली। इसरो की सैटेलाइट तस्वीरों के मुताबिक देश के करीब 70फीसद हिस्से में मानसूनी बादल छाए हुए हैं। अगले 25 जुलाई तक उत्तर, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत समेत देश के 60फीसद से ज्यादा हिस्सों में अच्छी बारिश की संभावना है। इस मानसून सीजन में देशभर में बारिश सामान्य से 24फीसद कम हुई है।

असम में लगातार बारिश के कारण सोमवार को बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई। राहत और बचाव कार्यों के लिए सेना तैनात की गई है। वहीं, कई इलाकों में रेल सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (ष्ठ्रस्ष्ठरू) के मुताबिक, बाढ़ से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है और 57,100 से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

इधर, यूपी में नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वाराणसी और प्रयागराज में घाटों की सीढ़ियां डूब गई हैं। काशी में दशाश्वमेध से लेकर पंचगंगा घाट तक रत्नेश्वर महादेव मंदिर समेत 40 छोटे मंदिरों में पानी घुस गया है। वहीं राजस्थान में मानसून पर ब्रेक लगने के बाद गर्मी बढ़ने लगी है। बीकानेर संभाग के तीन जिलों में रविवार को तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया। राज्यभर में कहीं भी तेज बारिश नहीं हुई।

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी, 24 घंटे में तीन की मौत

देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच पिछले 24 घंटों में प्राकृतिक आपदाओं और सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों में मलबा, बोल्डर गिरने और जलभराव से जनजीवन प्रभावित हुआ है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-134) पालीगाड़ के पास मलबा आने के कारण अब भी बंद है।

लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होंगे एनएसए अजीत डोभाल

एजेंसी

पुणे । राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष उन विशिष्ट हस्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने भारत के विकास और वैश्विक स्तर पर देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। इस वर्ष ट्रस्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में डोभाल की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना है। लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. रोहित तिलक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1983 में हुई थी। तब से लेकर अब तक यह सम्मान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित हस्तियों को प्रदान किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग, अर्थशास्त्र, विज्ञान सहित कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। ट्रस्ट का उद्देश्य ऐसे व्यक्तित्वों के अनुभव और उपलब्धियों को समाज तथा नई पीढ़ी के सामने लाना है, ताकि उनसे प्रेरणा ली जा सके। डॉ. रोहित तिलक ने बताया कि इस वर्ष जब ट्रस्ट के सभी सदस्य पुरस्कार के लिए नाम पर विचार-विमर्श कर रहे थे, तब सर्वसम्मति से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का नाम सामने आया। उन्होंने कहा कि डोभाल ने अपने पूरे करियर में देश की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य किया है। बहुत कम उम्र में उन्होंने खुफिया तंत्र में अपनी सेवाएं शुरू कीं और कई चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपनी जान की परवाह किए बिना देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका

उमरनी रेलवे फाटक से बनबनी साई मंदिर तक नई रेलवे लाइन का प्रस्ताव शहर और किसानों के हितों के खिलाफ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। नागदा के समीप उमरनी रेलवे फाटक से बनबनी साई मंदिर तक नवीन रेलवे पटरी बिछाने का प्रस्ताव क्षेत्र के किसानों, रहवासियों, व्यापारियों एवं शहर के समग्र विकास के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस प्रस्तावित कार्य से न केवल अनेक लोगों की भूमि और आजीविका प्रभावित होगी, बल्कि शहर के निर्धारित मास्टर प्लान तथा भविष्य के विकास की संभावनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कांग्रेस नेता बसंत मालपानी ने कहा कि नागदा का विकास वर्षों की योजनाओं और मास्टर प्लान को ध्यान में रखकर किया गया है। यदि बिना स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और प्रभावित पक्षों से व्यापक चर्चा किए ऐसा निर्णय लिया जाता है, तो इससे शहर के विकास की गति बाधित होगी और आम जनता को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। श्री मालपानी ने क्षेत्र के भाजपा सांसद एवं अन्य निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से सवाल किया कि जब दिल्ली या रतलाम में इस परियोजना को लेकर निर्णय लिया जा रहा था, तब क्या उनकी राय ली गई थी? यदि ली गई थी तो उन्होंने नागदा के हितों की रक्षा के लिए क्या सुझाव दिए? और यदि उनकी राय नहीं ली गई, तो वे जनता के हितों की रक्षा करने में क्यों विफल रहे? उन्होंने कहा कि शहर के विकास को अवरुद्ध करने वाले ऐसे निर्णयों पर भाजपा नेताओं की चुप्पी अब स्वीकार नहीं की जाएगी। जनप्रतिनिधियों का दायित्व केवल उद्घाटन और शिलान्यास तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता के अधिकारों और शहर के भविष्य की रक्षा करना भी उनकी जिम्मेदारी है। श्री मालपानी ने मांग की कि प्रस्तावित रेलवे लाइन के संबंध में विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाए, प्रभावित किसानों, रहवासियों एवं व्यापारियों से चर्चा की जाए तथा शहर के मास्टर प्लान और जनहित को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार किया जाए। यदि जनता के हितों की अनदेखी की गई, तो कांग्रेस आम नागरिकों के साथ मिलकर लोकतांत्रिक तरीके से व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। नागदा से संवाददाता जीवनलाल जैन की रिपोर्ट। 9179662633

सतलपुर के किनारे असामाजिक तत्वों ने नंदी पर कुल्हाड़ी से बेरहमी से हमला किया; गौसेवकों ने तुरंत उसे बचाकर उसकी जान बचाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माणावदर। 15 km दूर सतलपुर के किनारे एक बहुत ही अमानवीय और भयानक घटना सामने आई है। यहां, एक अडिग नंदी महाराज पर कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने कुल्हाड़ी से जानलेवा और बेरहमी से हमला किया। यह हमला इतना भयानक था कि कुल्हाड़ी नंदी के शरीर में पूरी तरह घुस गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके के गौ प्रेमियों और स्थानीय लोगों में गुस्सा फैल गया है माणावदर तालुका के गौरक्षक अध्यक्ष लाखाभाई रावलिया को सतलपुर के किनारे से फोन पर इस घटना की जानकारी मिली कि एक नंदी

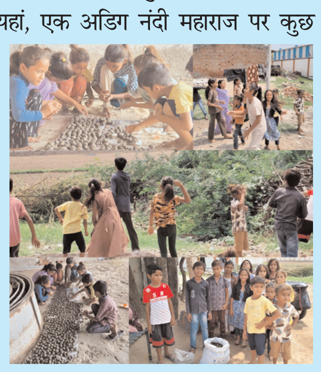

लहूलुहान हालत में खड़ा है और उसकी पीठ में कुल्हाड़ी घुसी हुई है। सूचना मिलते ही, मानावदर गायत्री मंदिर गौशाला ग्रुप की टीम बिना देर किए तुरंत मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद नंदी महाराज को सुरक्षित बचा लिया। जानकारी देते हुए मानावदर गायत्री मंदिर गौसेवा ट्रस्ट के वाइस प्रेसिडेंट देवाभाई राडा ने बताया कि नंदी को तुरंत मौके से बचाकर मिटडी रोड पर गायत्री मंदिर गौसेवा ट्रस्ट हॉस्पिटल लाया गया। जहां जानवरों के डॉक्टरों की देखरेख में नंदी के शरीर से कुल्हाड़ी निकाली गई और उसका गहन इलाज शुरू किया गया। नंदी का अभी गौशाला में इलाज चल रहा है। एक बेगुनाह और पवित्र जानवर पर इस तरह बेरहमी से हमला करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ गौसेवकों में काफी गुस्सा है। गौ सेवा ट्रस्ट और स्थानीय गौ भक्तों ने मांग की है कि पुलिस सिस्टम इस मामले की गंभीरता से जांच करे और एक बेजुबान जानवर पर इतना बेरहमी से हमला करने वाले अपराधियों को जल्द से जल्द पकड़कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

बनासकांठा में शराब तस्करों की काली करतूतें उजागर कनोदर के उमरदाशी ब्रिज से विदेशी शराब से भरा पिकअप ट्रक पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर/बनासकांठा। पालनपुर तालुका पुलिस ने राजस्थान बॉर्डर से गुजरात में शराब की तस्करी करने वाले शराब तस्करों के मंसूबों को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने पालनपुर-अहमदाबाद हाईवे पर कनोदर गांव के पास उमरदाशी ब्रिज पर फिल्मी अंदाज में नाकाबंदी की और विदेशी शराब ले जा रहे एक पिकअप ट्रक को पकड़ा। पुलिस को पक्की सूचना मिली थी कि राजस्थान से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब से भरा एक पिकअप ट्रक मेहसाणा की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उमरदाशी ब्रिज पर पहरा लगाया था। जैसे ही संदिग्ध दालू आया, उसे रोककर तलाशी ली गई। पहली नज़र में दालू खाली लग रहा था, लेकिन किसी शातिर दिमाग ने दालू में ही एक खास सीक्रेट कम्पार्टमेंट (गुप्त भंडार) बना रखा था पुलिस ने जब इस सीक्रेट कम्पार्टमेंट को खोला तो खुद अधिकारी भी हैरान रह गए। इस कम्पार्टमेंट में अलग-अलग ब्रांड की कुल 1459 बोतल विदेशी शराब मिली, जिसकी अनुमानित कीमत 3,58,000 रुपये है। पुलिस ने कुल 8.68 लाख रुपये की शराब और पिकअप दालू जब्त किया है। दालू के ड्राइवर देवाराम जुजाजी पणजी चौधरी (निवासी मेरमांडवाड़ा, सिरोही, राजस्थान) को मौके से हिरासत में लिया गया है। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि शराब की यह मात्रा राजस्थान के सुमेर सिंह (निवासी वरदा, ता. सिरोही, राजस्थान) नाम के व्यक्ति ने भरी थी। पालनपुर तालुका पुलिस ने गिरफ्तार ड्राइवर देवराम और शराब भरने वाले सप्लायर सुमेर सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

महानगर मेट्रो का धाकड़ और सीधा सवाल

1. गांधी के गुजरात में राजस्थान बॉर्डर से शराब की बार-बार तस्करी कब तक जारी रहेगी?

2. मेहसाणा में इतनी शराब किसे पहुंचानी थी? क्या यह किंगपिन के हाथों तक पहुंचेगी या नहीं?

3. डाला में स्पेशल बॉक्स बनाकर शराब की तस्करी के इस नए पैटर्न के पीछे कौन बड़ा नेटवर्क है? पुलिस की इसी सतर्कता और तुरंत कार्रवाई की वजह से लाखों रुपये की विदेशी शराब गुजरात में घुसने से पहले ही जब्त कर ली गई है। पक्को गुजरात इस खबर पर तब तक नज़र रखेगा जब तक इस मामले के सभी मुख्य गुनहगार सलाखों के पीछे नहीं चले जाते!

करजन APMC चुनाव रद्दः 'महानगर मेट्रो' के खुलासे से हिला सत्ता का सिंहासन!

पद-मोह, भ्रष्टाचार और तानाशाही के खिलाफ किसान शक्ति की ऐतिहासिक जीत; हार के खौफ में बीजेपी ने रद्द कराया चुनाव!

करजन APMC चुनाव रद्द, सियासी घमासान के बीच BJP पर उठे बड़े सवाल

करजन APMC चुनाव रद्द होने से गरमाई सियासत, किसानों और विपक्ष ने घेरा BJP

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन। जिस बात का डर सत्ता के गलियारों में बैठे नेताओं को था, आखिरकार वही हुआ! करजन कृषि उपज मंडी समिति (APMC) में जारी कुर्सी के मोह, घोटालों और राजनीतिक साजिशों पर जब 'महानगर मेट्रो' ने अपने हंटर से प्रहार किया, तो पूरे वडोदरा जिला बीजेपी में हड़कंप मच गया। हमारे लगातार और तीखे खुलासों का ऐसा खौफनाक असर हुआ कि आलाकमान के पैरों तले जमीन खिसक गई और आनन-फानन में करजन PMC का चुनाव रद्द करने की घोषणा करनी पड़ी। यह सिर्फ एक चुनाव का स्थगित होना नहीं है, बल्कि किसानों का हक मारने वाली भ्रष्ट मानसिकता के खिलाफ 'महानगर मेट्रो' और जागरूक किसानों की प्रचंड जीत है!

'एक व्यक्ति, एक पद' के सिद्धांतों की उड़ीं धज्जियां

बीजेपी आलाकमान मंचों से 'एक व्यक्ति, एक पद' और पार्टी अनुशासन के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन वडोदरा जिला बीजेपी में इन नियमों को रद्दी के टोकरे में फेंक दिया गया है।

वडोदरा जिला बीजेपी संगठन महामंत्री की मलाईदार कुर्सी पर काबिज जयदीप चौहान पहले से ही करजन PMC के चेयरमैन पद पर कब्जा जमाए बैठे हैं। इसके बावजूद, पद का ऐसा अंधा मोह छाया कि उन्होंने दोबारा चेयरमैन पद के लिए अपनी दावेदारी ठोक दी!

पार्टी के नियम-कायदे कहां गए?

अनुशासन के बड़े-बड़े दावों का क्या हुआ?

क्या पार्टी के ही कुछ रसूखदार नेताओं के लिए नियम कोई मायने नहीं रखते? सत्ता के भूखे नेताओं की इस मनमानी को देखकर बीजेपी के निष्ठावान कार्यकर्ता भी अंदर ही अंदर आक्रोशित हैं।

मॉडर्न कंपनी में करोड़ों का घोटालाः

चलती कंपनी पर जड़ दिया ताला!

जयदीप चौहान का अतीत किसी से छिपा नहीं है। अतीत में 'मॉडर्न कंपनी' में हुए करोड़ों रुपये के वित्तीय भ्रष्टाचार और घोटाले के काले दाग उनके दामन पर लगे हुए हैं। एक समय में मुनाफे में चल रही और सैकड़ों परिवारों को रोजी-रोटी देने वाली मॉडर्न कंपनी इस भ्रष्टाचार की बलि चढ़ गई, पूरी कंपनी बंद हो गई और आखिरकार उसे कौड़ियों के भाव बेचने की नौबत आ गई थी।

अब करजन का किसान सीधा सवाल पूछ रहा हैः

'जो इंसान करोड़ों का भ्रष्टाचार करके एक भली-भांति चलती कंपनी को डुबो सकता है, उसके हाथों में किसानों के खून-पसीने से चलने वाली APMC की तिजोरी की चाबियां सौंपना क्या सियार को मुर्गीघर की रखवाली सौंपने जैसा नहीं है? '

किसानों की हुंकारः 'क्या बीजेपी के पास कोई सच्चा 'किसान पुत्र' नहीं है?

करजन के आक्रोशित किसानों ने इस बार बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व को सीधे कटघरे में खड़ा किया है

1. क्या कार्यकर्ताओं का अकाल पड़ गया है? लाखों कार्यकर्ताओं का दावा करने वाली पार्टी के पास क्या एक भी स्वच्छ, ईमानदार और बेदाग छवि वाला उम्मीदवार नहीं बचा?

2. किसान पुत्र का अनादर क्यों? किसी सच्चे किसान पुत्र को APMC की कमान क्यों नहीं सौंपी जाती? क्या किसानों के नाम पर राजनीति करने वालों को किसानों के बेटों पर भरोसा नहीं है?

3. बार-बार दागी चेहरे ही क्यों? बार-बार विवादित, भ्रष्ट और जमीन से कटे हुए चेहरों को ही टिकट या मैंडेट देने की जुगत क्यों की जाती है?

किसानों की अंतिम चेतावनी

किसानों ने साफ अल्टीमेटम दे दिया है कि अगर किसी योग्य और बेदाग किसान पुत्र को मौका नहीं दिया गया, तो करजन की धरती से ऐसा उग्र आंदोलन शुरू होगा जिसकी गूंज गांधीनगर और दिल्ली तक सुनाई देगी। इतना ही नहीं, आने वाले विधानसभा चुनावों में बीजेपी नेताओं को गांवों में घुसने नहीं दिया जाएगा और किसान खुलेआम बहिष्कार करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पंचाल और जिला अध्यक्ष की भूमिका पर उठे सवाल

अब पूरे प्रदेश की नजरें बीजेपी नेतृत्व पर टिकी हैं। क्या पार्टी नेतृत्व अपने 'एक व्यक्ति, एक पद' के नियम को सख्ती से लागू कराएगा? क्या करोड़ों के भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे नेताओं पर कड़ी कार्रवाई होगी या फिर पार्टी के झंडे के पीछे ऐसे चेहरों को छुपाया जाएगा? दूसरी ओर, वडोदरा जिला बीजेपी अध्यक्ष (भ्रमभट्ट) की संगठनात्मक नाकामी चौराहे पर उजागर हो चुकी है। जिले में अनुशासन नाम की कोई चीज नहीं बची है और गुटबाजी चरम पर है।

हार के खौफ में चुनाव रद्द करने का 'मास्टरप्लान'?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर करजन PMC का चुनाव होता, तो किसानों का गुस्सा और बीजेपी की अंदरूनी बगावत जयदीप चौहान को धूल चटा देती। हार दीवार पर साफ लिखी दिख रही थी और पार्टी की फजीहत सड़क पर आ जाती। बस इसी शर्मनाक पराजय से बचने और अपनी साख बचाने के लिए रातों-रात चुनाव रद्द करने का नाटक रचा गया है!

सच झुकेगा नहीं - 'महानगर मेट्रो' का आभार संदेश

किसानों के हक, शोषण के खिलाफ आवाज और सच्चाई की इस लड़ाई में 'महानगर मेट्रो' हमेशा ढाल बनकर खड़ा रहा है और आगे भी रहेगा। हमारी खबरों पर भरोसा जताने और सच्चाई का साथ देने के लिए 'महानगर मेट्रो' अपने सभी पाठकों और करजन के जागरूक किसान भाइयों का दिल से आभार व्यक्त करता है। याद रखिए... सत्ता के आगे सच की आवाज इसी तरह बुलंद होती रहेगी!

(पढ़ते रहिए - 'महानगर मेट्रो': बेबाक, निष्पक्ष और हमेशा सच के साथ!)

रामोल के रेप और POCSO क्राइम में पिछले 2 साल से फरार चल रहा कुख्यात आरोपी कुबड़थल से पकड़ा गया

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच का बड़ा धमाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद शहर में मासूम बच्चियों पर जुल्म करने वाले और कानून की पकड़ से दूर भाग रहे बदमाशों के खिलाफ कड़ा प्रहार किया है। क्राइम ब्रांच ने रामोल पुलिस स्टेशन में दर्ज किडनैपिंग, रेप और POCSO एक्ट जैसे गंभीर क्राइम में पिछले दो साल से पुलिस को चकमा दे रहे आरोपी को अहमदाबाद के दसक्रोई तालुका के कुबड़थल से गिरफ्तार किया है।

क्या थी पूरी भयानक घटना?

घटना की जानकारी के मुताबिक, 10/11/2024 से 10/11/2024 के दौरान। 14/11/2024 के दौरान, रामोल गांव के चुनारवास में रहने वाली शिकायतकर्ता की बहन लत्ताबेन चुनारा को उसकी साढ़े चार-पांच साल की मासूम बेटी राधिका के घर से एक अनजान व्यक्ति ने अगवा कर लिया। मासूम बच्ची को उसकी लीगल गार्डियनशिप से दूर ले जाकर रेप किया गया।

इस चौंकाने वाली घटना के बारे में, रामोल पुलिस स्टेशन में त.क्रह्श. 11191024241063/2024 के तहत इंडियन पीनल कोड 2023 के सेक्शन 137(2), 64(2)(m), 54, 87 और POCSO एक्ट के सेक्शन 3(A), 4, 5(रु), 6 और 17 के तहत केस दर्ज किया गया।

किडनैपिंग में मदद करने वाले साथी का पर्दाफाश!

पुलिस जांच में पता चला कि इस जुर्म के मुख्य आरोपी कौशिकभाई कलाभाई वाघरी (देवी का उपासक) की शिकार मासूम बच्ची को किडनैप करने में मोहनभाई ज्ञानेश्वरभाई दंतानी का नाम मददगार के तौर पर सामने आया था। जुर्म की गंभीरता को देखते हुए, आरोपी मोहन दंतानी अंडरग्राउंड हो गया था और पुलिस से बचने के लिए पिछले दो सालों से लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।

क्राइम ब्रांच ने आरोपी को कुबड़थल के सीक्रेट पते से पकड़ा क्राइम ब्रांच के बड़े अधिकारियों के कहने पर, फरार आरोपी को पकड़ने के लिए अलग-अलग टीमें काम कर रही थीं। इस दौरान, अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम को खास जानकारी मिली कि POCSO का यह भगोड़ा आरोपी मोहन दंतानी, दसक्रोई तालुका के कुबड़थल गांव में भद्रेसा के पास लालभाई पटेल के घर में छिपा हुआ है। जानकारी के आधार पर, क्राइम ब्रांच ने छापा मारकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और आगे की कानूनी जांच के लिए रामोल पुलिस स्टेशन को सौंप दिया। मोहनभाई ज्ञानेश्वरभाई दंतानी (उम्र 34) गांव कुबड़थल, लालभाई पटेल का घर, भद्रेसा के पास, ता. दसक्रोई, जी. अहमदाबाद चुनारवास, पानी की टंकी के पास, अमृत विद्यालय के पास, ओधव, अहमदाबाद शहर गांव बहियाल, ता. देहेगाम, गांधीनगर मासूम बेटियों पर जुल्म करने वाले या इस दिल दहला देने वाले गुनाह में उनकी मदद करने वाले अपराधी कहीं भी छिप जाएं, वे कानून के हाथों से बच नहीं सकते। रामोल के रेप और POCSO क्राइम में पिछले 2 साल से फरार चल रहा बदनाम आरोपी कुबड़थल में पकड़ा गया!

अहमदाबादः अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद शहर में मासूम लड़कियों पर जुल्म करने वाले और कानून के शिकंजे से दूर भाग रहे बदमाशों के खिलाफ़ कड़ा हमला किया है। घटना की जानकारी के मुताबिक, 10/11/2024 से 14/11/2024 के दौरान, शिकायत करने वाली की बहन लत्ताबेन चुनारा, जो रामोल गांव के चुनारवास में रहती थी, को एक अनजान आदमी ने उसकी साढ़े चार-पांच साल की मासूम बेटी राधिका के घर से किडनैप कर लिया। मासूम बच्ची को उसकी लीगल गार्डियनशिप से दूर ले जाकर उसके साथ रेप किया गया। पुलिस जांच में पता चला कि इस जुर्म के मुख्य आरोपी कौशिकभाई कलाभाई वाघरी (देवी का उपासक) की शिकार मासूम लड़की को किडनैप करने में मोहनभाई ज्ञानेश्वरभाई दंतानी का नाम मददगार के तौर पर सामने आया था। जुर्म की गंभीरता को देखते हुए, आरोपी मोहन दंतानी अंडरग्राउंड हो गया था और पुलिस से बचने के लिए पिछले दो सालों से लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था।

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई! कागड़ापीठ का एक बहुत ही शातिर अपराधी, जो मारपीट और चोरी के जुर्म में पासा से भाग रहा था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद शहर में जुर्म करने वाले और कानून को अपनी जेब में रखकर घूमने वाले असामाजिक तत्वों पर कड़ी नज़र रखी है। क्राइम ब्रांच ने कागड़ापीठ थाना इलाके में मारपीट और चोरी जैसे गंभीर जुर्म करके पुलिस की नाक में दम करने वाले पासा के वॉन्टेड आरोपी को पकड़कर सलाखों के पीछे डालने की तैयारी कर ली है।

यह शातिर आरोपी कौन है और क्या काला धंधा करता था?

गिरफ्तार आरोपी की पहचान नागजी अशोकभाई ठाकोर (उम्र 23, रहने वाला मकान नंबर 74, अफजलखन्नो टेकरो, सारंगपुर, अहमदाबाद) के तौर पर हुई है। यह आरोपी कागड़ापीठ और आस-पास के इलाकों में चोरी करने के साथ-साथ मारपीट और लोगों से मारपीट जैसे गंभीर जुर्म करने के लिए बदनाम था।

पुलिस कमिश्नर ने गिरफ्तारी का आदेश दिया था!

आरोपी के लगातार बढ़ते आपराधिक इतिहास को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त ने गिरफ्तारी वारंट के तहत हिरासत में लेने का सख्त आदेश जारी किया था। कार्यालय के गिरफ्तारी वारंट क्रमांक :

PCB/DTN/PASA/410/2026 दिनांक 26/05/2026 के जरिए आरोपी को राजकोट सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया गया था। लेकिन शातिर नागजी ठाकोर गिरफ्तारी वारंट की तामील से बचने के लिए लगातार पुलिस से भाग रहा था और भूमिगत हो गया था। क्राइम ब्रांच ने ऑपरेशन चलाकर उसे जेल में डाल दिया! आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था और पुलिस के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहा था, लेकिन अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने विशेष सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर इस वांछित आरोपी को पकड़ लिया है। क्राइम ब्रांच ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कागड़ापीठ पुलिस स्टेशन को सौंपने का मामला उठाया है। क्राइम ब्रांच का यह एक्शन उन लोगों के लिए रेड लाइट जैसा है जो अहमदाबाद शहर में शांति भंग करने की कोशिश करते हैं या जो क्राइम करके कानून से भाग रहे हैं। महानगर मेट्रो शहर की पुलिस और क्राइम ब्रांच के इस तुरंत और सख्त एक्शन की तारीफ़ करता है!

हरित पहल : वीरमगाम में घुमंतू और विमुक्त जाति के बच्चों ने 500 से अधिक सीडबॉल फेंके

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रेरित गुजरात कल्याण परिषद ट्रस्ट द्वारा वीरमगाम में संचालित शैक्षणिक केंद्र के बच्चों ने तैयार किए सीडबॉल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

विरमगाम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रेरित गुजरात कल्याण परिषद ट्रस्ट, सुरेन्द्रनगर द्वारा वीरमगाम में संचालित घुमंतू एवं विमुक्त जाति के बच्चों के शैक्षणिक केंद्र के विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए 'हरित पहल' के तहत एक प्रेरणादायी अभियान चलाया। नीलकंठभाई वासुकिया और दिलीपभाई मेहता के मार्गदर्शन में शैक्षणिक केंद्र के बच्चों ने 500 से अधिक सीडबॉल तैयार किए। रविवार को इन्हीं बच्चों ने उन सीडबॉलों को ऐसी जगहों और सड़कों के किनारे फेंका, जहाँ पेड़-पौधे उगने की संभावना अधिक है। इस अवसर पर बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षों के महत्व के बारे में जागरूक किया गया तथा सीडबॉल बनाने की पूरी प्रक्रिया भी समझाई गई। कुछ दिन पहले बच्चों ने नीम के फल (निम्बोली) एकत्रित किए थे, जिनका उपयोग बाद में सीडबॉल बनाने में किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्षा का पानी मिलने पर मिट्टी धीरे-धीरे गल जाएगी और बीजों से नए पौधे अंकुरित होंगे। इस अभियान के माध्यम से छोटे बच्चों में प्रकृति और पौधों के प्रति प्रेम एवं संरक्षण की भावना विकसित की गई। कुछ ही मिनटों में बच्चों ने 500 से अधिक सीडबॉल फेंककर हरित पर्यावरण के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। अभियान पूरा होने के बाद उनके चेहरों पर दिखाई देने वाली खुशी और उत्साह सभी के लिए प्रेरणादायक बन गया।

बड़ा झटकाः BJP से दोबारा चुनाव लड़ने की गलती नहीं करूंगी

राजनीति का गंदा खेल सामने आया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की पहली महिला IPS ऑफिसर और पुडुचेरी की पूर्व गवर्नर किरण बेदी के एक सनसनीखेज बयान ने राजनीतिक गरमाहट पैदा कर दी है। BJP के टिकट पर चुनाव लड़ चुकीं इस अनुभवी ऑफिसर ने सबके सामने माना है कि, 'मैं अपनी ज़िंदगी में दोबारा कभी BJP से चुनाव लड़ने की गलती नहीं करूंगी! ' इस गलती की वजह क्या थी? 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में BJP ने किरण बेदी को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार बनाया था। एक सख्त ऑफिसर के तौर पर जानी जाने वाली किरण बेदी से BJP को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन पार्टी के अंदर की अंदरूनी खींचतान और राजनीतिक समीकरणों की वजह से उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब सालों बाद उनका गुस्सा इस बात पर निकला है कि सत्ता और राजनीति के इस खेल में ईमानदार लोगों के लिए कोई जगह नहीं बची है। महानगर मेट्रो से मुश्किल सवाल

1. पूर्व IPS किरण बेदी जैसी एडमिनिस्ट्रेटिव तौर पर अनुभवी और मज़बूत पर्सनैलिटी को BJP से चुनाव लड़ने का अफ़सोस क्यों हुआ?

2. क्या रूलिंग पार्टी में सखूत और उसूलों वाले नेताओं को साइडलाइन किया जा रहा है? जब चुनाव आते हैं, तो नेताओं के बड़े-बड़े दावे सामने आते हैं, लेकिन जब देश के सबसे चर्चित पूर्व IPS ऑफिसर खुद पार्टी की ऐसी सच्चाई सामने लाते हैं, तो जनता को भी यह समझने की ज़रूरत है कि कागज़ पर दिखने वाले चेहरों और सत्ता के पर्दे के पीछे के काले कारनामों में कितना बड़ा फ़र्क होता है!

इदर में पानी का संकट गहराया! धारोई से सप्लाई कम होने से सिर्फ़ 25 मिनट ही पानी मिल रहा है

वार्ड 3 में गंदे पानी की बात सुनकर खुद पानी पीने को मजबूर हुए अध्यक्ष और मुख्य अधिकारी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इदर/साबरकांठा। जुलाई का महीना खत्म होने के बावजूद, अच्छी बारिश न होने से इदर शहर में अब पानी के संकट की घंटी बज गई है। एक तरफ़, ग्राउंडवाटर लेवल बहुत नीचे चले जाने से लोगों को सिर्फ़ 25 मिनट ही पानी मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ़ गंदे पानी की शिकायतें सामने आने से नगर पालिका में भगदड़ मच गई है।

रोज़ाना 70 लाख लीटर की ज़रूरत के मुकाबले सिर्फ़ 20 से 30 लाख लीटर पानी!

इदर शहर की ज्योग्राफिकल लोकेशन और आबादी के हिसाब से, रोज़ाना लगभग 7 MLD (70 लाख लीटर) पानी की सख्त ज़रूरत है। लेकिन, अभी मेन सोर्स, धरोई डैम से सिर्फ़ 2 से 3 MLD (20 से 30 लाख लीटर) पानी ही सप्लाई हो रहा है। शहर के ज़्यादातर कुएं सूख रहे हैं। अगर आने वाले दिनों में मेघराजा में बारिश नहीं हुई, तो इडर के लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए प्यासा मरना पड़ेगा!

गंदे पानी की शिकायत मिलने पर पहुंची नगर निगम की टीम: इंस्पेक्शन का ड्रामा या असलियत?

इस मुश्किल हालात के बीच, हाल ही में इडर के वार्ड नंबर 3 से गंदे और गंदे पानी आने की गंभीर शिकायतें सामने आईं। लोगों के गुस्से के बाद, नगर निगम के चीफ ऑफिसर जैमिन चौधरी, प्रेसिडेंट अनसुयाबेन पटेल और पानी कमेटी के चेयरमैन अनिलभाई पांचाल का एक काफिला सोमवार को मौके पर पहुंचा। लोगों के घरों तक पहुंची टीम ने लोकल लोगों द्वारा भरे जा रहे पानी की जांच की। इतना ही नहीं, प्रेसिडेंट और चीफ ऑफिसर ने लोकल लोगों की मौजूदगी में खुद पानी पीकर उसकी क्वालिटी भी टेस्ट की! अधिकारियों के मुताबिक, जांच में पानी साफ पाया गया। एक तरफ पानी की कमी, दूसरी तरफ खुलेआम बर्बादी जांच के दौरान नगर पालिका को पता चला कि कई घरों में पानी के कनेक्शन में नल या टोंटी नहीं है, जिससे हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा है। इसके अलावा, सिस्टम की पोल तब खुली जब शहर के इलाके से नगर पालिका की ओर जाने वाली सड़क पर सीवर लाइन में लगातार पानी बहता हुआ देखा गया।

महानगर मेट्रो से कड़े सवाल:

1. नगर पालिका ने धरोई से पर्याप्त पानी लाने के लिए कोई एडवांस प्लानिंग क्यों नहीं की?

2. शहर में सीवर लाइनों में बह रहे पानी की बर्बादी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कब कार्रवाई होगी?

3. सिर्फ 25 मिनट पानी देकर नगर पालिका इडर के नागरिकों की प्यास कैसे बुझाएगी?

नगर पालिका के अध्यक्ष और मुख्य अधिकारी ने नागरिकों से नलों पर चिमनियां लगाने और पानी का कम इस्तेमाल करने की अपील की है। लेकिन सवाल यह है कि अगर जल्द ही बारिश नहीं हुई, तो क्या प्रशासन के पास इदर शहर को इस भयानक जल संकट से बचाने के लिए कोई 'प्लान-B' है? पाक्को गुजरात लोगों के फायदे के लिए इस मुद्दे पर लगातार नज़र रखेगा!

शिक्षा ही मज़बूत भविष्य का आधार है! खेड़ा के गुटाल गाँव में रीवाबा जडेजा की प्रेरणा देने वाली पहल: स्कूल छोड़ चुके बच्चों को उनके घर पहुँचकर वापस स्कूल भेजा गया

महानगर मेट्रो ब्यूर

नाडियाद/खेड़ा। 'शिक्षा सिर्फ़ पढ़ना-लिखना नहीं है, बल्कि ज़िंदगी में सफलता और मज़बूत भविष्य का एक मज़बूत आधार है।' इस बात को सच साबित करने वाली एक बहुत ही तारीफ़ के काबिल और प्रेरणा देने वाली घटना खेड़ा ज़िले के नाडियाद तालुका के गुटाल गाँव से सामने आई है। गुताल गाँव के एक सरकारी सेकेंडरी स्कूल में पढ़ने वाले दो बच्चों ने अचानक स्कूल जाना बंद कर दिया था और स्कूल छोड़ दिया था। जैसे ही रीवाबा जडेजा को यह पता चला, उन्होंने बिना किसी देरी के सीधे इन बच्चों के घर पहुँचने का फ़ैसला किया। आमतौर पर नेता या अधिकारी दफ़्तरों से आदेश देते हैं, लेकिन रीवाबा ने खुद संवेदनशीलता का एक अनोखा उदाहरण पेश किया है। गाँव के उस छोटे से घर में पहुँचकर रीवाबा ने बिना किसी तामझाम के परिवार और बच्चों से बहुत आत्मीय और प्यार भरी बातचीत की। उन्होंने पेरेंट्स के साथ बैठकर उनकी परेशानियां समझीं और आसान भाषा में समझाया कि बच्चों के भविष्य के लिए पढ़ाई कितनी ज़रूरी है। उन्होंने पेरेंट्स को हिम्मत दी और बताया कि बचपन में पढ़ाई से दूर रहना पूरे भविष्य को अंधेरे में धकेलने जैसा है। रिवाबा जडेजा की गहरी बातचीत,

प्यार और सही गाइडेंस का इतना गहरा असर हुआ कि स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स तुरंत समझ गए। बच्चों के चेहरों पर एक बार फिर पढ़ाई का जोश साफ दिख रहा था। पेरेंट्स ने अपने बच्चों को वापस स्कूल भेजने और उनकी रेगुलर पढ़ाई पक्की करने का पक्का इरादा दिखाया। आज के ज़माने में जहां बहुत से बच्चे आर्थिक या सामाजिक वजहों से पढ़ाई से दूर रह जाते हैं, वहां जाकर ड्रॉपआउट बच्चों को ढूंढकर उन्हें वापस स्कूल के गेट तक लाने का यह काम सच में तारीफ़ के काबिल है। अगर समाज का हर ज़िम्मेदार नागरिक और पब्लिक रिप्रेजेंटेटिव पढ़ाई के प्रति ऐसी ही सेंसिटिविटी और लगन दिखाए, तो देश का एक भी बच्चा किताब से वंचित नहीं रहेगा। पाको गुजरात इस प्रेरणा देने वाली पहल की तारीफ़ करता है!

15 साल का झूठा प्यार और आखिर में जहन्नुम का मंजर: गांधीधाम की सोनम लव जिहाद की शैतानी सोच का शिकार हो गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीधाम/सिद्धपुर। लव जिहाद के नाम पर हिंदू लड़कियों की जान से खेलने वाली जिहादी सोच का एक और भयानक और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यह घटना देखकर या सुनकर किसी भी सेंसिटिव इंसान का दिल दहल जाएगा। अपने परिवार का विरोध करके प्यार पर भरोसा करने वाली सोनम को सिर्फ दिल दहला देने वाले जुल्म और दुखद मौत मिली! पोस्टमार्टम की फोटो और वीडियो देखकर लगता है कि इस पापी ने ऐसा खौफनाक काम किया है कि पत्थर भी रो पड़ें। मूल रूप से नेपाल की रहने वाली सोनम सालों पहले अपने परिवार के साथ बेहतर भविष्य और रोजगार की तलाश में कच्छ के गांधीधाम आई थी। 2011 में गांधीधाम में रहने वाले सुल्तान सुमरा नाम के एक आदमी ने उसे अपने झूठे प्यार के जाल में फंसा लिया। सोनम के घरवालों ने उसे समझाने की कोशिश की, इस रिश्ते का कड़ा विरोध

किया, लेकिन सोनम, जो ज़हरीले प्यार के जाल में अंधी हो चुकी थी, ने अपने घरवालों की मर्ज़ी के खिलाफ जाकर सुल्तान से शादी कर ली।

15 साल की नारकीय यातना और 3 बच्चे!

लव जिहाद का झूठा प्यार उसके चेहरे से उतरते ज़्यादा समय नहीं लगा। शादी के बाद सोनम की ज़िंदगी में अत्याचार का सिलसिला शुरू हो गया। इस 15 साल के समय में सोनम ने 3 बच्चों को जन्म दिया, लेकिन सुल्तान की सोच नहीं बदली। सोनम को अपने ही माता-पिता से बात करने या मिलने की सख्त मनाही थी। धमकियों, शारीरिक और मानसिक यातनाओं से तंग आकर सोनम के परिवार को आखिरकार गांधीधाम छोड़कर सिद्धपुर जाना पड़ा। 17 जुलाई को इस 15 साल पुराने झूठे प्यार का ऐसा अंत हुआ जिसे जानकर आपकी रूह कांप जाएगी। शैतान सुल्तान ने सोनम को पीटने की सारी हदें पार कर दीं। उसे इतना पीटने, पल-पल घसीटने के बजाय, अगर उसने एक ही झटके में उसके टुकड़े-टुकड़े कर दिए होते, तो शायद सोनम को कम तकलीफ होती! सोनम के शरीर का कोई भी हिस्सा ऐसा नहीं बचा था जहाँ बेरहमी से पिटाई के काले-नीले निशान न हों। इतनी बेरहमी और बेरहमी से पीटने के बाद, इस पापी ने सोनम की जान ले ली। हिंदू लड़कियों को प्यार के जाल में फंसाना, उन्हें तकलीफ देना और काम हो जाने के बाद, उन्हें नर्क की यातनाएँ देकर मौत के घाट उतार देना। सोनम का यह मामला उन सभी बेटियों के लिए खतरे की घंटी है.

लोगों के सवालों पर विपक्ष को बोलने से रोकने का खेल: प्रशासन और हुक्मरान क्या छिपा रहे हैं?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। राजकोट म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की जनरल मीटिंग एक बार फिर रूलिंग पार्टी के घमंड और मनमानी का अड्डा बन गई है। जब यह सवाल पूछने का समय था कि नागरिकों के टैक्स के करोड़ों रुपये कहां खर्च हो रहे हैं और शहर की गंभीर समस्याओं का क्या हुआ, तो डेमोक्रेसी के सीन सामने आए हैं। पक्को गुजरात सीधा सवाल पूछता है: क्या राजकोट ऋष्ट में डेमोक्रेसी खत्म हो गई है? आज की जनरल मीटिंग में जिस तरह से जनता की आवाज बनने वाले विपक्षी कॉर्पोरेटर्स को बोलने से रोका गया, और हंगामा करके मिनटों में एजेंडा पास कर दिया गया, उसे देखकर एक आम नागरिक भी शर्मिंदा हो जाएगा। स्मार्ट सिटी होने का दावा करने वाली ऋष्ट की जनरल मीटिंग सिर्फ एक 'रबर स्टैंप' बनकर रह गई है। जहां चर्चा होनी चाहिए, जहां शहर की सड़कों, पानी, सीवेज, भ्रष्टाचार और मानसून से पहले बिल्डिंग बनाने

के कामों पर तीखे सवाल पूछे जाने चाहिए, वहां हुक्मरानों ने मीटिंग को सिर्फ फॉर्मैलिटी बना दिया है। हुकूमत वाले सवालों से क्यों भाग रहे हैं? जब विपक्ष ने लोगों के सवाल टेबल पर रखने की कोशिश की, तो उनकी बात सुनने के बजाय मीटिंग खत्म कर दी गई या उनकी आवाज दबा दी गई। राजकोट की जनता सब देख रही है। आम सभा में लोकतंत्र के नाम पर चल रहा यह ड्रामा और विपक्ष की आवाज़ दबाने की नीति इस बात का सबूत है कि सिस्टम के पास लोगों के सवालों का कोई जवाब नहीं है।

अहमदाबाद महाब्लास्ट स्कैंडल: पाप और सबूत पर बुलडोजर चल गया है! क्या SIT का बनना सिर्फ़ मज़ाक है?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद में गैर-कानूनी पटाखा फैक्ट्री में हुए भयानक और दिल दहला देने वाले धमाके के बाद, पूरा सरकारी सिस्टम अब अपनी बड़ी नाकामी छिपाने की कोशिश कर रहा है। बेगुनाह लोगों की जान जाने और पूरे इलाके के धुएं के गुबार में घिर जाने के बाद, सिस्टम तुरंत जागा और SIT तो बना दी, लेकिन अब पूरी जांच प्रक्रिया ही गंभीर शक के घेरे में है। सबसे चौंकाने वाली और शक की बात यह है कि इतने बड़े हादसे की जांच के लिए बनाई गई SIT ने फायर ब्रिगेड, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और इलेक्ट्रिक डिपार्टमेंट को पूरी तरह से बाहर कर दिया है, जो सीधे तौर पर जांच के लिए ज़िम्मेदार हैं! AMC के एस्टेट या वार्ड इंस्पेक्टर उस इलाके में कहाँ सो रहे थे जहाँ यह गैर-कानूनी फैक्ट्री फल-फूल रही थी? फायर डिपार्टमेंट ने बिना NOC और फायर सेफ्टी इक्विपमेंट के चल रही इस मौत की फैक्ट्री की कभी जांच क्यों नहीं की? बिजली डिपार्टमेंट ने किसके आशीर्वाद से रिहायशी या बिना इजाज़त वाले इलाके में इतना बड़ा पावर लोड लगाने की मंजूरी दी? उनी डिपार्टमेंट को जांच से बाहर रखकर, जिनकी मिलीभगत और लापरवाही के बिना यह गैर-कानूनी फैक्ट्री एक दिन भी नहीं चल सकती थी, किन बड़े-बड़े अधिकारियों और राजनीतिक आकाओं को बचाने की कोशिश की जा रही है? धमाका अभी शांत नहीं हुआ है, इसलिए अधिकारियों ने जल्दबाजी में गैर-कानूनी फैक्ट्री के बचे हुए हिस्सों पर बुलडोजर चला दिया है। आम हालात में, किसी गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन पर बुलडोजर चलाना सख्त कार्रवाई मानी जाती है, लेकिन इस मामले में लोगों के मन में कई सवाल उठे हैं। धमाका कैसे हुआ, कितना केमिकल था, और क्या गड़बड़ियां की गईं, इसके सारे फिजिकल सबूत इसी बिल्डिंग के अंदर थे। बुलडोजर चलाने और पूरी बिल्डिंग को जमींदोज करने के साथ ही अब फोरेंसिक और साइंटिफिक सबूत भी खत्म हो गए हैं। क्या यह बुलडोज़र अपराधियों को डराने के लिए चलाया गया था या भ्रष्ट अधिकारियों के काले कारनामों को हमेशा के लिए छिपाने के लिए? जिनके परिवारों ने इस धमाके में अपने रिश्तेदारों को खोया है या उन्हें ज़िंदगी भर के लिए अपंगता झेलनी पड़ी है.

पापी का आखिरी अंत! आणंद पुलिस ने साढ़े चार साल की मासूम बच्ची के कातिल का खेल खत्म कर दिया है

पुलिस पर हमला करने के बाद भागने की कोशिश कर रहा आरोपी एनकाउंटर में मारा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आणंद। साढ़े चार साल की मासूम बच्ची को किडनैप करने, उसके साथ रेप करने और उसे रेलवे ट्रेन के नीचे फेंकने वाले क्रिमिनल सुरेश परमार को उसके कर्मों का आखिरी हिसाब मिल गया है। आणंद LCB और पुलिस की तुरंत कार्रवाई और बहादुरी की वजह से यह क्रिमिनल हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही खत्म हो गया। 18 जुलाई को वासद रेलवे स्टेशन पर अपने माता-पिता की गोद में शांति से सो रही साढ़े चार साल की मासूम बच्ची को सुरेश परमार नाम का क्रिमिनल रात के अंधेरे में उठाकर ले गया था। इस पापी ने कथित तौर पर बच्ची के साथ रेप किया और उसे चलती ट्रेन के नीचे फेंककर बहुत ही बेरहमी से मार डाला। घटना की गंभीरता को देखते हुए बोरसद ग्रामीण पुलिस और रेलवे पुलिस ने CCTV फुटेज खंगाली, जिसमें पुलिस ने इस अपराधी को देखते ही कुछ ही घंटों में मुख्य आरोपी सुरेश परमार को पकड़ लिया। घटना तब और नाटकीय हो गई जब पुलिस टीम आरोपी सुरेश परमार को लेकर आनंद LCB ऑफिस की तरफ जा रही थी। रास्ते में शरारती आरोपी ने गाड़ी में उल्टी करने का नाटक किया और गाड़ी रोक दी। जैसे ही गाड़ी रुकी, आरोपी ने पहले से छिपाकर रखे तेज चप्पू से पुलिस टीम पर अचानक जानलेवा हमला कर दिया! इस अचानक हुए हमले में दो बहादुर पुलिसकर्मी महिपाल सिंह और राजवीर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।

PSI राणा की बहादुरी भरी फायरिंग आरोपी नीचे गिर गया!

पुलिस पर हमला करने के बाद आरोपी ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए PSI राणा ने आरोपी को बार-बार सरेंडर करने और रुकने की चेतावनी दी। लेकिन इस आरोपी को, जिसे अथॉरिटी और कानून का कोई डर नहीं था, हमला करता रहा। आखिरकार, अपनी और अपने साथी कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए PSI राणा ने अपनी सर्विस रिवॉल्वर से सीधे आरोपी पर गोली चला दी। पुलिस के जवाबी हमले में आरोपी सुरेश को दो गोलियां लगीं और वह खून से लथपथ होकर ज़मीन पर गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल आरोपी को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिसने साढ़े चार साल की बच्ची की चीखें नहीं सुनीं, उसका भी अंत कानून की गोलियों के बीच हुआ! कुछ ही घंटों में इंसाफ दिलाकर आनंद पुलिस ने यह साबित कर दिया है .

संक्षिप्त न्यूज

संत के बयान से सियासत गरम, सरकार की गौ-नीति पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जैन संत आचार्य पुलक सागर जी महाराज के एक बयान के बाद गौ-नीति और बीफ व्यापार को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। उन्होंने सरकार पर गौमाता के नाम पर राजनीति करने और बाद में उससे जुड़े मुद्दों पर विरोधाभासी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। साथ ही बूढ़ी गाय और बुजुर्ग नेताओं को लेकर भी तीखा सवाल उठाया। उनके बयान के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई है।

75 करोड़ की संपत्ति पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कुख्यात बूटलेगर पर GUJCTOC का शिकंजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। जिला पुलिस ने कुख्यात बूटलेगर राकेश उर्फ लाला जायसवाल और उसके पांच साथियों के खिलाफ GUJCTOC कानून के तहत बड़ी कार्रवाई की है। जांच में आरोपी के बैंक लॉकर से एक किलो से अधिक सोना मिलने का दावा किया गया है। पुलिस ने अवैध कमाई से अर्जित करीब 75 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच करने का प्रस्ताव गृह विभाग को भेजा है। मामले में आगे की जांच जारी है।

CCTV और चैट से खुला हत्या का राज, पत्नी-बेटी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। विजापुर में एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस जांच के दौरान CCTV फुटेज और मोबाइल चैट अहम सबूत बने। जांच में सामने आया कि बाहरी हमले की कहानी गढ़ी गई थी, जबकि हत्या की साजिश कथित तौर पर घर के भीतर ही रची गई। पुलिस ने पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मृतक की पत्नी और बेटी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

चांदीपुरा वायरस की आशंका से दहशत, 5 वर्षीय मासूम की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गिर सोमनाथ। ऊना तालुका के सोंदरडी गांव में पांच वर्षीय बच्चे की मौत के बाद चांदीपुरा वायरस की आशंका से स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। बच्चे में बुखार, उल्टी और ऐंठन जैसे लक्षण बताए गए थे। स्वास्थ्य विभाग ने सैंपल जांच के लिए लैब भेज दिए हैं और गांव में सर्वे व निगरानी अभियान शुरू कर दिया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण की आधिकारिक पुष्टि होगी।

NEET और सोनम वांगचुक के समर्थन में प्रदर्शन, अहमदाबाद में कांग्रेस कार्यकर्ता हिरासत में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सोनम वांगचुक के समर्थन और NEET परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में अहमदाबाद में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कई कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। वहीं, कुछ युवा अपनी मांगों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर भी पहुंचे, जहां शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और छात्रों के हित में कार्रवाई की मांग उठाई गई।

फर्जी किसान प्रकरण में 7.3 एकड़ जमीन जब्त, राजस्व विभाग की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। वरिष्ठ भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री रमनलाल वोरा के परिवार से जुड़ी 7.3 एकड़ कृषि भूमि को राजस्व विभाग ने कथित अनियमितताओं के चलते सरकारी घोषित करते हुए जब्त कर लिया है। प्रशासनिक जांच में आरोप है कि जमीन की खरीद के दौरान किसान होने से जुड़े दस्तावेजों में नियमों का पालन नहीं किया गया। मामले की जांच के बाद संबंधित भूमि पर कार्रवाई की गई। इस घटनाक्रम के बाद राज्य की राजनीति में भी चर्चा तेज हो गई है। राजस्व अधिकारियों का कहना है कि पूरे प्रकरण की कानूनी प्रक्रिया के तहत जांच की गई और उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लिया गया। यदि मामले में अन्य अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित पक्षों के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं, इस कार्रवाई के बाद विपक्ष ने सरकार से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है।

डभोई के महुडी भागोल इलाके में गड्डें की भरमार: हल्की बारिश में ही सड़कें बह गईं

हानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। नगर पालिका इलाके में महुडी भागोल के बाहर राणा होटल से नवी नगरी जाने वाली मेन रोड पर हल्की बारिश में ही जगह-जगह बड़े-बड़े गड्डें हो जाने से गाड़ी चलाने वालों और स्थानीय लोगों को काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस समस्या के बारे में डभोई नगर पालिका को बार-बार

जुबानी तौर पर बताया गया है, लेकिन नतीजा ज़ीरो रहा है। हैरानी की बात यह है कि यह इलाका डभोई नगर पालिका के वार्ड नंबर 4 में आता है और यहां नगर पालिका के डिप्टी प्रेसिडेंट होने के बावजूद अपने ही इलाके की सड़कों की इतनी बड़ी अनदेखी की जा रही है। लोगों का प्रतिनिधि होने के बावजूद कोई डेवलपमेंट या रिपेयर का काम न होने से लोगों में बहुत गुस्सा है। रिक्शा वाले भी इस इलाके में आने से डरते हैं। सड़क पर बड़े-बड़े गड्डें होने की वजह से गाड़ी चलाने वाले कमरतोड़ गड्डें से परेशान हैं। गड्डें की वजह से बाइक और रिक्शा जैसी छोटी गाड़ियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि रिक्शा वाले भी किराया लेकर नवी नगरी और महुडी भागोल इलाके में आने से हिचकिचा रहे हैं और डर रहे हैं। स्थानीय लोगों में गुस्सा है कि बार-बार कहने के बाद भी सिर्फ मारपीट या कागजों पर काम करने की पॉलिसी अपनाई जा रही है।

CRS पोर्टल पर साबरकांठा ज़िले में जन्म और मृत्यु के 714 एप्लीकेशन पेंडिंग हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। CRS पोर्टल की मुश्किलों की वजह से साबरकांठा ज़िला हेल्थ ब्रांच में जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड का काम रुका हुआ है। रोज़ाना 70 से 80 नए एप्लीकेशन के मुकाबले सिर्फ़ 25 एप्लीकेशन ही प्रोसेस हो पा रही हैं, जिससे 700 जन्म और 14 मृत्यु एप्लीकेशन पेंडिंग होने से लोग बहुत परेशान हैं। इन मुश्किल

नियमों की वजह से, साबरकांठा ज़िला हेल्थ ब्रांच में अभी 700 से ज़्यादा एप्लीकेशन का बैकलॉग है, जिससे एप्लीकेंट्स को कन्फ्यूजन हो रहा है। सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम पोर्टल लागू होने के बाद 2015 से पहले के रिकॉर्ड में किसी भी संशोधन या नई मंजूरी के लिए जिला रजिस्ट्रार और जिला स्वास्थ्य अधिकारी का ऑनलाइन सत्यापन अनिवार्य कर दिया गया है। इसके कारण हिम्मतनगर, ईडर, प्रांतिज, तलोद, खेडब्रह्मा और वडाली समेत जिले की 6 नगर पालिकाओं और 8 तालुका पंचायतों और 521 पंचायतों के सभी आवेदकों के आवेदन सत्यापन के लिए एक ही कार्यालय, जिला स्वास्थ्य शाखा में जमा होते हैं।

खेड़ा बॉर्डर से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस के साथ 3 शातिर तस्कर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। सेवलिया पुलिस ने गैर-कानूनी हथियारों की तस्करी कर राज्य में डर का माहौल बनाने की बड़ी साज़िश को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने खेड़ा ज़िले के बॉर्डर पर महाराजना मुवाड़ा चेक पोस्ट से फ़िल्मी स्टाइल में रेड मारी और सौराष्ट्र के तीन आरोपियों को भारी मात्रा में गैर-कानूनी हथियार और ज़िंदा कारतूस के साथ सड़क पर पकड़ा। मिली

सटीक जानकारी के मुताबिक, जब पुलिस सेवलिया पुलिस चेक पोस्ट पर गाड़ियों की चेकिंग कर रही थी, तभी एक संदिग्ध स्विफ्ट कार (नंबर: GJ-03-PR-5063) पूरी स्पीड से आई। पुलिस ने कार को रोका और सख्ती से पूछताछ करते हुए उसकी तलाशी ली। खुद पुलिस अधिकारी भी हैरान रह गए। कार के अंदर बड़ी मात्रा में जानलेवा हथियार मिले, जो आमतौर पर किसी बड़े अंडरवर्ल्ड या क्रिमिनल नेटवर्क के पास मिलते हैं। पुलिस ने मौके से जूनागढ़ के जोशीपुरा इलाके से आशीष पटडिया, जूनागढ़ से शशांक राजपूत और राजकोट से प्रवीण वाला को गिरफ्तार किया था। इन आरोपियों के पास से 4 देसी पिस्तौल, 1 रिवॉल्वर, 2 एक्स्ट्रा मैगज़ीन, 40 ज़िंदा कारतूस, और एक स्विफ्ट कार, कुल 6.60 लाख रुपये ज़ब्त किए गए हैं। 40 ज़िंदा कारतूस और 5 हथियार दिखाते हैं कि ये आरोपी कोई आम अपराधी नहीं हैं, बल्कि एक बहुत बड़े नेटवर्क का हिस्सा हैं। सौराष्ट्र (जूनागढ़ और राजकोट) के इन आरोपियों ने इतनी बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार कहाँ से खरीदे? ये 40 ज़िंदा कारतूस लेकर गुजरात में किसे मारने या खून-खराबा करने का सपना देख रहे थे? सेवलिया पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके उन्हें सलाखों के पीछे भेज दिया है। लेकिन यह मामला सिर्फ़ इन तीन आरोपियों तक ही सीमित नहीं है।

दैनिक राशिफल

21 जुलाई 2026, मंगलवार

1. मेष — कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए कार्य पूरे होंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

2. वृषभ — आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। निवेश से लाभ मिलने के संकेत हैं। नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती हैं।

3. मिथुन — दिन भागदौड़ भरा रहेगा, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। छात्रों के लिए समय अनुकूल है। वाणी पर संयम रखें।

4. कर्क — परिवार में सुखद माहौल रहेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारीयों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

5. सिंह — मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार में लाभ और नौकरी में नई उपलब्धि मिल सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। शुभ समाचार मिलने के योग हैं।

6. कन्या — सोच-समझकर लिए गए निर्णय लाभ देंगे। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मानसिक तनाव कम होगा।

7. तुला — नए कार्य की शुरुआत के लिए दिन शुभ है। आर्थिक लाभ के अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ अच्छा समय बिताएँगे। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

8. वृश्चिक — कार्यस्थल पर आपकी मेहनत की सराहना होगी। व्यापार में नए सौदे लाभदायक रहेंगे। किसी पुराने विवाद का समाधान हो सकता है।

9. धनु — भाग्य का साथ मिलेगा। धार्मिक कार्य में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में पदोनति या नई जिम्मेदारी मिलने के संकेत हैं। सेहत अच्छी रहेगी।

10. मकर — आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। अनावश्यक खर्च से बचें। परिवार का सहयोग मिलेगा। धैर्य और समझदारी से लिए गए निर्णय सफलता दिलाएँगे।

11. कुंभ — सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। नए संपर्क भविष्य में लाभदायक साबित होंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी।

12. मीन — दिन सकारात्मक रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे और आय के नए स्रोत बन सकते हैं। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

शुभ मुहूर्त
अभिजीत मुहूर्त : 11:57 AM – 12:48 PM
विजय मुहूर्त : 02:36 PM – 03:24 PM
गोधूलि मुहूर्त : 07:12 PM – 07:35 PM

चंद्र राशि
मेष राशि (पुनर्वसु नक्षत्र)

सूर्योदय - सूर्यास्त
सूर्योदय : 05:36 AM
सूर्यास्त : 07:21 PM

आज का मंत्र
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय। सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके शुभें।।

कर्म करें अच्छे, फल की चिंता न करें – समय सबका साथ देता है।

विक्रम-1 की सफलता के साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ा भारत का दबदबा

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है।

निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 की सफलता के पश्चात भारत अमेरिका और चीन के बाद निजी क्षेत्र में आर्बिटल स्थापित करने वाला विश्व का तीसरा देश बन चुका है।18 जुलाई को श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण के पांचवें चरण में 450 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी के निचली कक्षा में उपग्रह उपकरण को स्थापित कर विक्रम-1 ने विजयी लक्ष्य हासिल कर लिया। इस सफलता के साथ भारत दुनिया में लघु उपग्रह के प्रक्षेपण को पूर्ण करने में नये विकल्प के रूप में उभरा है।

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास इस बात का साक्षी है कि जिसने विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर प्रभुत्व स्थापित किया, उसी ने विश्व मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभाई। इक्कीसवीं सदी में यह प्रतिस्पर्धा धरती की सीमाओं से निकलकर अंतरिक्ष तक पहुँच चुकी है। अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल वैज्ञानिक जिज्ञासा का विषय नहीं रह गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संचार, मौसम पूवार्नुमान, कृषि, आपदा प्रबंधन, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और वैश्विक कूटनीति का भी महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे समय में भारत ने अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, स्वदेशी तकनीक और दूरदर्शी नीतियों के बल पर जिस प्रकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निरंतर सफलता अर्जित की है, वह न केवल प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रक्षेपण कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित विक्रम-1 प्रक्षेपण यान की सफलता इस यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव है। पूर्णतः स्वदेशी डिजाइन और आधुनिक तकनीक से निर्मित इस प्रक्षेपण यान ने यह सिद्ध कर दिया कि भारत की निजी कंपनियाँ भी अब वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकसित करने में सक्षम हैं। विक्रम-1 ने पृथ्वी की निचली कक्षा में सफलतापूर्वक उपग्रह उपकरण स्थापित कर न केवल अपनी तकनीकी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि भारत अब लघु उपग्रह प्रक्षेपण के वैश्विक बाजार में एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प बनकर उभर रहा है।

यह उपलब्धि केवल एक रॉकेट की सफलता भर नहीं है, बल्कि भारत की बदलती अंतरिक्ष नीति और वैज्ञानिक आत्मविश्वास का प्रतीक भी है। वर्षों तक अंतरिक्ष गतिविधियाँ मुख्यतः सरकारी संस्थानों तक सीमित थीं, किंतु

अब निजी क्षेत्र के लिए दरवाजे खुलने के बाद भारतीय स्टार्टअप नई ऊर्जा और नवाचार के साथ इस क्षेत्र में उतर रहे हैं। इससे अनुसंधान, रोजगार, निवेश और तकनीकी विकास के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अधिक सक्षम बना रही है।

वर्ष 2014 के आसपास जहाँ भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़ी निजी कंपनियाँ उँगलियों पर गिनी जा सकती थीं, वहीं आज उनकी संख्या सैकड़ों तक पहुँच चुकी है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि सोच का भी है। आज भारतीय युवा अंतरिक्ष विज्ञान को केवल सरकारी नौकरी के रूप में नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के विशाल अवसर के रूप में देख रहे हैं। यही कारण है कि भारत वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी लगातार बढ़ाने की दिशा में अग्रसर है। आने वाले वर्षों में लघु उपग्रह प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष संचार, पृथ्वी अवलोकन सेवाओं तथा अंतरिक्ष-आधारित डिजिटल तकनीकों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने की संभावना है।

हालाँकि भारत की अंतरिक्ष यात्रा केवल निजी क्षेत्र की उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रम्फ्ड) ने पिछले छह दशकों में जो विश्वास अर्जित किया है, वही आज इस सफलता की सबसे मजबूत नींव है। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो ने विश्व को बार-बार यह दिखाया है कि इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर तकनीक के बल पर असंभव लगने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

वर्ष 2013 में प्रक्षेपित मंगलयान (मार्स ऑर्बिटर मिशन) ने भारत को पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचने वाला विश्व का पहला देश बना दिया। यह उपलब्धि वैज्ञानिक दृष्टि से जितनी महत्वपूर्ण थी, उतनी ही आर्थिक दृष्टि से भी, क्योंकि अत्यंत कम लागत में इस मिशन की सफलता ने भारत की दक्षता का विश्वभर में लोहा मनवाया। इसी प्रकार ढरछ्श-उ37 द्वारा एक ही मिशन में 104 उपग्रहों का सफल प्रक्षेपण विश्व रिकॉर्ड बना। इस उपलब्धि ने भारतीय प्रक्षेपण प्रणाली की विश्वसनीयता और क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। इसके बाद चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रच दिया। भारत ऐसा करने वाला विश्व का पहला देश बना। इस उपलब्धि ने न केवल भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को विश्व के सामने स्थापित किया, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि भारत जटिलतम अंतरिक्ष अभियानों को सफलतापूर्वक पूरा करने में सक्षम है।

इसी क्रम में आदित्य-एल1 मिशन भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान को नई दिशा प्रदान कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए समर्पित यह भारत का पहला मिशन है, जो सौर गतिविधियों, अंतरिक्ष मौसम और पृथ्वी पर उनके प्रभावों को समझने में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करा रहा है। भविष्य में गगनयान, शुक्रयान तथा अन्य महत्त्वाकांक्षी मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता को और अधिक विस्तार देंगे।

अंतरिक्ष विज्ञान की ये उपलब्धियाँ केवल वैज्ञानिक गौरव तक सीमित नहीं हैं। आज भारत के उपग्रह करोड़ों लोगों के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की सटीक जानकारी किसानों को खेती में सहायता देती है। चक्रवात और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी लाखों लोगों की जान बचाने में सहायक होती है। दूरदराज क्षेत्रों तक संचार और इंटरनेट सेवाएँ पहुँचाने, शिक्षा और टेलीमेडिसिन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

आर्थिक दृष्टि से भी अंतरिक्ष उद्योग भविष्य का सबसे तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर के इस बाजार में भारत की भागीदारी निरंतर बढ़ रही है। निजी कंपनियों, स्टार्टअप, अनुसंधान संस्थानों और इसरो के बीच बढ़ता सहयोग भारत को अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बना सकता है। इससे निवेश, रोजगार, तकनीकी नवाचार और निर्यात के नए अवसर पैदा होंगे तथा भारत की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी।

आज भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को वास्तविक स्वरूप प्रदान कर रहा है। स्वदेशी तकनीक, युवा वैज्ञानिकों की प्रतिभा, निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी और इसरो का दशकों का अनुभव—ये सभी मिलकर भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के एक नए स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं। विक्रम-1 की सफलता इस परिवर्तन की सशक्त घोषणा है कि भारत अब केवल अंतरिक्ष अभियानों में भाग लेने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक अंतरिक्ष उद्योग की दिशा निर्धारित करने वाले देशों की पंक्ति में खड़ा है।

निस्संदेह, अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की निरंतर सफलताएँ यह संदेश देती हैं कि विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता के पंखों पर सवार यह राष्ट्र आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में विश्व मंच पर और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभाएगा। विक्रम-1 की सफलता केवल एक प्रक्षेपण की विजय नहीं, बल्कि नए भारत की वैज्ञानिक चेतना, तकनीकी आत्मविश्वास और वैश्विक नेतृत्व की उड़ान का प्रतीक है। यही उड़ान आने वाले समय में भारत को अंतरिक्ष के अनंत आकाश में नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगी। (लेखक स्वतंत्र व्यंग्यकार-सह-टिप्पणीकार हैं)

संपादकीय

विश्वसनीय हो स्क्रैपिंग

हरियाणा में पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के लिये सरकार ने जिन प्रोत्साहन स्कीमों की घोषणआ की है, वह समय की जरूरत है। हरियाणा सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिये पांच प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। जो पुरानी गाड़ियों को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। दरअसल, पुरानी हो चुकी गाड़ियों को सिर्फ कबाड़ नहीं माना जाना चाहिए, यदि उनका कायदे से निस्तारण हो तो आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण की रक्षा भी की जा सकती है। कुछ लोग अपने वाहन की देखभाल इतने कायदे से करते हैं कि उसे कबाड़ कहना, उनकी भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। दरअसल, अब राज्य सरकार की नई पॉलिसी इन वाहनों को कबाड़ मानने के बजाय, उन्हें रीसाइकिल होने वाले मेटीरियल, ग्रीन जॉब्स प्रदाता और साफ हवा के स्त्रोत के रूप में दशार्ती है। निस्संदेह,यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार-पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है। दरअसल, हरियाणा सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं - कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी की वापसी,एसजीएसटी रिफंड, ब्याज में मदद और स्किल डेवलपमेंट- अधिकृत स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग सुविधाओं में निवेश को आकर्षित करने के लिये बनायी गई है। लेकिन इस पॉलिसी की सफलता सिर्फ इंडस्ट्री की भागीदारी पर ही निर्भर नहीं करेगी। गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी-रोटी का जरिया भी होती है। जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविधाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में गैर-कानूनी तौर पर गाड़ियों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। वहीं लोगों को जागरूक बनाने और स्वेच्छा से स्क्रैपिंग के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सिर्फ नियम बनाने से हवा को साफ नहीं किया जा सकता।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

विजय चौक पर खाकी का काला कानून: युवाओं और किसानों के खून से कब तक सत्ता का रंग बरकरार रखोगे

क्या पेपर लीक के खिलाफ आवाज उठाना जुर्म है? विजय चौक से लेकर देश के कोने-कोने तक आंसू गैस, लाठीचार्ज और गिरफ्तारियां: क्या यह डेमोक्रेसी है या मॉडर्न हिटलरशाही?

अहमदाबाद/नई दिल्ली। देश की सत्ता के सेंटर दिल्ली के विजय चौक पर प्रोटेस्ट कर रहे देश का भविष्य युवाओं पर पुलिस द्वारा दागे गए आंसू गैस के गोले और लाठीचार्ज के नजारों ने पूरे देश को हैरान कर दिया है। जिस तरह से अपने हक, रोजगार और करप्ट सिस्टम के खिलाफ आवाज उठाने वाले बेकसूर युवाओं और प्रोटेस्ट में शामिल समाजवादी पार्टी की MP डिंपल यादव समेत नेताओं को हिरासत में लिया गया, उसे देखकर सवाल उठता है कि क्या इस देश में शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट अब देशद्रोह या जुर्म बन गया है? आज 'पाको गुजरात न्यूज़' सत्ता में बैठे हुक्मरानों से सीधा सवाल पूछता है: देश को आगे बढ़ाने की बात करने वाली सरकार अपने ही युवाओं और किसानों की आवाज़ से इतना डरती क्यों है?

पेपर लीक और 'खाकी' के जुल्म के सिलसिले से बर्बाद हो रहा भविष्य!

देश के युवा दिन-रात कॉम्पिटिटिव एग्ज़ाम की तैयारी करते हैं। लेकिन सिस्टम में बैठे भ्रष्ट बॉस और दलाल लगातार पेपर लीक कर रहे हैं और युवाओं के सपने छीन रहे हैं। जब युवा इस नाइंसाफ़ी के ख़िलाफ़ अपने भविष्य को बचाने के लिए सड़कों पर उतरते हैं, तो उनकी बात सुनने या उन्हें दिलासा देने के बजाय, अधिकारी उन पर पुलिस बल का इस्तेमाल करके लाठीचार्ज करते हैं।

क्या अपने हक़ की मांग करना गुनाह है?

क्या सरकार की गलत नीतियों के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाना गुनाह है?

क्या पेपर लीक करने वालों को जेल भेजने के बजाय बेगुनाह छात्रों का खून बहाना इंसाफ़ है?

सत्ता का ऐसा घमंड और इसका विरोध करने वालों को कुचलने की यह सोच हमें पुराने तानाशाहों की याद दिलाती है। आज पूरा देश ऐसी हिटलरशाही नीतियों के खिलाफ गुस्से से उबल रहा है। सोनम वांगचुक से लेकर किसानों तक, देश के अन्नदाताओं की चीखें और सोनम वांगचुक जैसे देशभक्त, जो पर्यावरण और भविष्य के बारे में चिंतित हैं, अपनी वाजिब मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर भी हैं। लेकिन अफसोस की बात यह है कि देश के कोने-कोने में आंदोलन की आग जलने के बावजूद सरकार के पेट में पानी नहीं जा रहा है। किसान अपनी मेहनत के सही दाम के लिए, अपने वजूद के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन अधिकारी उनकी बात सुनने के बजाय, आंदोलन को रोकने की साजिश कर रहे हैं। अपने हक की मांग कर रहे युवाओं पर लाठीचार्ज करके और किसानों की मांगों को अनदेखा करके सरकार क्या संदेश देना चाहती है? लोकतंत्र में 'जनता' मालिक होती है, अधिकारी नहीं! सरकार को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र में आखिरी ताकत जनता के पास होती है। शासक जनता के सेवक होते हैं, मालिक नहीं। जब बहरी सत्ता जनता की चीखें सुनने से मना कर देती है, तभी क्रांति का जन्म होता है। चाहे समाजवादी पार्टी की MP डिंपल यादव को हिरासत में लेना हो या विजय चौक पर खून से सने नौजवानों के कपड़े—यह दमन चक्र इस बात का सबूत है कि सरकार के पास लोगों के सवालों का कोई जवाब नहीं है, और उसके पास सिर्फ़ पुलिस की लाठियों का सहारा है।

'महानगर मेट्रो न्यूज़' की अधिकारियों को तीखी चेतावनी!

'महानगर मेट्रो न्यूज़' आज देश के करोड़ों युवाओं और किसानों की आवाज़ दिल्ली की गद्दी पर बैठे हुक्मरानों तक पहुँचाता है और साफ़ शब्दों में कहता है 'लाठी और आंसू गैस के गोलों से सिर्फ़ विरोध को रोका जा सकता है, विचारों और गुस्से को नहीं! अगर आज भी देश के किसानों, सोनम वांगचुक जैसे पर्यावरणविदों और युवाओं के दिलों में जल रही गुस्से की आग को नहीं बुझाया गया, तो आने वाले समय में यही जनता का गुस्सा सत्ता के घमंड को जड़ से उखाड़ फेंकेगा! 'लाठीचार्ज बंद करो, पेपर लीक माफ़िया को जेल में डालो और किसानों और युवाओं के साथ टेबल पर बैठकर इंसाफ़ दो। यह देश डेमोक्रेसी से चलेगा, डिक्टेटरशिप से नहीं!

(जनता की आवाज़, सच का सवाल - 'महानगर मेट्रो न्यूज़')

अल्टीमेट टाइम मैनेजमेंट: समय की गणना और जीवन के अंतिम ओवर में छक्का मारने की कला

मृत्यु जीवन का अंत नहीं, बल्कि यात्रा का एक पड़ाव (विराम) है। आपकी पूरी जिंदगी का अभ्यास (प्रैक्टिस) कैसा था, इसका असली टेस्ट जीवन के अंतिम क्षण में ही होता है। पिछले अध्याय (अध्याय 7) में कृष्ण ने हमें पूरी सृष्टि का हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर (अपरा और परा प्रकृति) समझाया था। लेकिन अर्जुन तो एक प्रोफेशनल आर्चर (तीरंदाज) थे, उनका दिमाग बहुत प्रैक्टिकल था। उन्होंने कृष्ण से 7 बहुत ही कठिन तकनीकी सवाल पूछे: 'ब्रह्म क्या है? अध्यात्म क्या है? कर्म क्या है? और सबसे महत्वपूर्ण... जब इंसान इस दुनिया को छोड़कर जा रहा हो (अंतकाल में), तब वह आपको कैसे याद रख सकता है? यह सुनकर श्री कृष्ण एक बेहतरीन 'लाइफ कोच' और 'टाइम मैनेजर' बनकर अर्जुन को जो गूढ़ ज्ञान देते हैं, उसे गीता में 'अक्षरब्रह्म योग' कहा जाता है। 'अक्षर' का अर्थ है जिसका कभी नाश नहीं होता।अर्थ:मनुष्य अंत समय में (मृत्यु के वक्त) जिस वस्तु, व्यक्ति या विचार का चिंतन करते हुए शरीर छोड़ता है, वह अगले जन्म में उसी योनि या स्थिति को प्राप्त होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि पूरी जिंदगी हम जिसमें डूबे रहे होते हैं, आखिरी क्षण में हमारा सबकॉन्शियस माइंड (अवचेतन मन) उसी विचार को बाहर लाता है।कोई क्रिकेटर पूरी मैच में चाहे कितना भी अच्छा खेला हो, लेकिन अगर आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का मारने की जरूरत हो और वहां वह नर्वस होकर आउट हो जाए, तो मैच हाथ से निकल जाता है। जीवन का आखिरी क्षण भी वैसा ही 'अंतिम ओवर' है। उस आखिरी ओवर में आपका माइंडसेट कैसा है, इसी पर आपकी आगे की पूरी यात्रा (मैच) टिकी है।

'अंतिम ओवर' की बेस्ट प्रैक्टिस कैसे करें?

अब अर्जुन को चिंता हुई 'कृष्णा, अगर आखिरी क्षण में कोई दुर्घटना हो जाए, या किसी बीमारी में मन ठिकाने न हो, तो तुम्हें कैसे याद किया जाए? वह तो बहुत कठिन है! '

कृष्ण मुस्कुराए और इसका एक बहुत ही सुंदर और असरदार उपाय बताया:

इसलिए तुम हर समय मेरा स्मरण करो और युद्ध भी करो! कृष्ण यह नहीं कह रहे हैं कि तुम अपना धनुष-बाण फेंककर हिमालय पर चले जाओ और 24 घंटे माला जपते रहो। वे कहते हैं कि युद्ध भी करो और मुझे याद भी रखो। जब आप अपने स्मार्टफोन में गूगल मैप्स या म्यूजिक प्लेयर चालू करते हैं, तब स्क्रीन पर भले ही आप कोई दूसरा काम (जैसे व्हाट्सएप या गेम) कर रहे हों, लेकिन वह म्यूजिक या मैप Background App के रूप में पीछे लगातार चलता ही रहता है। कृष्ण ने भी हमसे बस यही करने को कहा है। हमारा शरीर मैदान पर खेले, ऑफिस में काम करे, या घर की जिम्मेदारियां निभाए (यह हमारी Foreground App है), लेकिन मन के अंदर ईश्वर के प्रति सच्चा भाव 'बैकग्राउंड ऐप' की तरह 24 घंटे एक्टिव रहना चाहिए। अगर पूरी जिंदगी यह बैकग्राउंड ऐप चालू रहेगा, तो अंतिम समय में यह ऑटोमैटिक सामने आ ही जाएगा! इस अध्याय में कृष्ण स्पेस (अंतरिक्ष) और टाइम (समय) की जो गणना देते हैं, उसे सुनकर आज के आधुनिक वैज्ञानिक भी चकित रह जाते हैं। कृष्ण ब्रह्मा जी के एक दिन की गणना समझाते हैं जब ब्रह्मा जी का दिन उगता है तब सारी सृष्टि दृश्यमान (प्रकट) होती है, और रात होने पर सब कुछ वापस लीन हो जाता है। कृष्ण समझाते हैं कि समय का यह चक्र निरंतर चलता रहता है। इन अरबों वर्षों के सामने हमारा 70-80 साल का यह मनुष्य जीवन कितना छोटा है! जब हम ब्रह्मांड के इस विशाल टाइम स्केल (समय चक्र) को समझते हैं, तब हमारी छोटी-छोटी चिंताएं, अहंकार और परेशानियां बिल्कुल मामूली लगने लगती हैं। अध्याय के अंत में कृष्ण शरीर छोड़ने के दो मार्गों के बारे में बात करते हैं.

1. शुक्ल गति (प्रकाश का मार्ग):जो योगी अग्नि, प्रकाश, दिन और उत्तरायण के 6 महीनों के दौरान शरीर छोड़ते हैं, वे ब्रह्म को

प्राप्त करते हैं और फिर जन्म-मरण के चक्र में वापस नहीं आते।

2. कृष्ण गति (अंधकार का मार्ग):जो धुएं, रात्रि और दक्षिणायन के 6 महीनों में मृत्यु को प्राप्त होते हैं, वे चंद्रलोक के सुखों को भोगकर वापस पृथ्वी पर जन्म लेते हैं।

यह केवल किसी कैलेंडर की तारीखें नहीं हैं! 'उत्तरायण और प्रकाश' का अर्थ है जागरूकता, ज्ञान और विवेक से भरी अवस्था। जबकि 'दक्षिणायन और अंधकार' का अर्थ है मोह, माया और अज्ञानता की अवस्था। हमें ज्ञान के प्रकाश में जीना है। रोजाना नेट प्रैक्टिस जरूरी है:जैसे स्पोर्ट्स में फाइनल मैच के दिन सीधा परफॉर्म नहीं किया जा सकता, उसके लिए रोज नेट प्रैक्टिस करनी पड़ती है। वैसे ही, अगर जीवन के अंतिम क्षण को सुधारना है, तो आज के एक-एक मिनट को सही विचारों और सत्कर्मों से सजाना होगा। काम ही पूजा है: कृष्ण का मंत्र बहुत साफ है—काम छोड़ना नहीं है, बल्कि काम करते समय ईश्वर को साथ रखना है। ईमानदारी से खेला गया प्रत्येक खेल और किया गया प्रत्येक कार्य ही सच्ची भक्ति है। समय की कीमत समझें: यह ब्रह्मांड बहुत बड़ा है और हमारे पास समय बहुत सीमित है। बेकार की चिंताओं या नकारात्मकता में समय बर्बाद करने के बजाय प्रोडक्टिव और आध्यात्मिक ग्रोथ पर फोकस करें। क्षण-क्षण का सदुपयोग:समय को जीतने का एक ही रास्ता है हर पल को अर्थपूर्ण बनाना। अंतिम क्षण में भगवान याद आएं, इसके लिए पूरे जीवन भगवान को भूलना नहीं है। डर का सही ठिकाना:मृत्यु से डरने की जरूरत नहीं है, बल्कि गलत जीवन जीने से डरने की जरूरत है। पहले बॉल से सजगता:जिंदगी का आखिरी ओवर सफल बनाने के लिए पहली गेंद से ही सजग (अवेयर) हो जाइए। हर दिन को ऐसे जिएं कि अगर आज जीवन का आखिरी दिन हो, तो भी कोई मलाल (अफसोस) न रहे। सफल जीवन वह नहीं है जिसमें केवल संपत्ति इकट्ठी की जाए। सफल जीवन वह है जिसमें अंतिम क्षण में मन शांत हो, हृदय निर्मल हो और भगवान के प्रति अटूट विश्वास हो। आइए, आज से ही हर दिन को प्रार्थना, सेवा, सत्य और प्रेम के साथ जिएं। क्योंकि अंतिम क्षण कब आएगा यह हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उस क्षण तक कैसे जीना है, यह पूरी तरह से हमारे हाथ में है।

-दर्शना पटेल (नेशनल मेडलिस्ट)
स्पोर्ट्स टीचर।

'दहेज दो तब ले जाऊंगा बारात': कन्नौज में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में फेरे लेने के बाद मुकरा दूल्हा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कन्नौज। एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शादी रचाने के चार दिन बाद दूल्हा दुल्हन को मायके छोड़ गया. आरोपी दूल्हे ने शादी से असंतोष जताते हुए एक लाख रुपये नकद और मोटरसाइकिल की मांग रख दी. कन्नौज के सदर कोतवाली क्षेत्र स्थित पंचम पुरवा गांव निवासी शीतला देवी का विवाह अधिकारियों की मौजूदगी में ठठिया थाना क्षेत्र के मुचुआपुर उमरन निवासी देवेंद्र से हुआ था. गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाली शीतला देवी की शादी दोनों परिवारों की सहमति से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में कराई गई थी. लेकिन शादी के महज चार दिन बाद आरोपी देवेंद्र यह कहकर उसे मायके छोड़ आया कि वह इस शादी से संतुष्ट नहीं है और दोबारा बारात लेकर आएगा. मायके छोड़ने के दौरान आरोपी देवेंद्र ने एक लाख रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल की मांग रख दी. उसने कहा कि जब दहेज मिलेगा तभी वह बारात लाकर विदाई कराएगा और घर ले जाएगा. पीड़िता शीतला देवी ने अपनी आर्थिक स्थिति और गरीबी का हवाला देकर मिन्नतें कीं, लेकिन देवेंद्र अपनी मांग पर अड़ा रहा और मानने को तैयार नहीं हुआ. पीड़िता शीतला देवी ने न्याय के लिए पहले पुलिस से गुहार लगाई, लेकिन वहां कोई सुनवाई नहीं हुई. इसके बाद पीड़िता ने अदालत की शरण ली. कोर्ट के कड़े आदेश के बाद सदर कोतवाली पुलिस ने शीतला देवी की तहरीर के आधार पर आरोपी देवेंद्र के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.

कानपुर देहात में डिवाइडर से टकराकर फोक्सवैगन कार में लगी आग

कानपुर देहात के डेरापुर इलाके में रविवार आधी रात को हुए सड़क हादसे में दो कार सवारों की जलकर मौत हो गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। कानपुर देहात में नैशनल हाइवे-2 पर रविवार देर रात मुंगीसापुर के पास तेज रफ्तार फॉक्सवैगन कार डिवाइडर से टकराने के बाद आग का गोला बन गई। कार के सीएनजी टैंक में जोरदार धमाके के बाद अंदर बैठे दो लोग जिंदा जल गए। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक अंदर बैठे दोनों लोग दम तोड़ चुके थे। डेरापुर के सीओ धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शवों की पहचान ओम शुक्ला और गुरप्रीत सिंह ढिल्लो के तौर पर हुई है। दोनों कानपुर के निवासी हैं। कानपुर देहात में डेरापुर क्षेत्र में हाइवे पर बाढ़ापुर मोड़ के पास रविवार आधी रात के बाद इटावा की तरफ एक कार बेहद तेज रफ्तार में जा रही थी। मोड़ के पास अचानक ड्राइवर का गाड़ी से नियंत्रण खत्म हुआ और कार डिवाइडर से टकरा गई। कुछ पलों में कार के इंजन में आग भड़क उठी। इसके बाद एक धमाका हुआ। इससे पूरी कार में लपटें उठने लगीं। अंदर बैठे लोगों को गेट खोलकर बाहर आने का मौका भी नहीं मिला।

दिल्ली के कार मालिक तक पहुंची पुलिस

सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचीं, लेकिन तब तक अंदर बैठे दोनों लोग झुलसकर दम तोड़ चुके थे। पुलिस ने बताया कि फॉक्सवैगन कार के सीएनजी सिलेंडर में धमाका होने के बाद आग लगी। जानकारों का कहना है कि फॉक्सवैगन सिर्फ पेट्रोल और डीजल पर चलने वाले इंजनों पर आधारित है।

बाहर से सीएनजी किट लगवाने की आशंका

आशंका जताई जा रही है कि सीएनजी किट बाहर किसी वेंडर से लगवाई गई होगी। कार का रजिस्ट्रेशन दिल्ली का है। नंबर के आधार पर पुलिस ने दिल्ली में कार मालिक से संपर्क किया तो उन्होंने बताया कि कार काफी पहले वह बिहार के एक व्यक्ति को बेच चुके हैं।

गोल्ड के लिए चुराई गई नरवर किले से सिंधियाकालीन तोप ?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से एक टन वजन वाली ऐतिहासिक तोप की चोरी हुई है। चोरों को लगा कि इसमें कई किलो सोना छिपा है। एक पौराणिक खजाने की तलाश में कुछ समय पहले ऐतिहासिक नरवर किले के अंदर चोरों ने चुपके से 20 फीट गहरी सुरंग भी खोदी थी। इसके ठीक तीन महीने बाद राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित इस स्मारक से एक विशाल तोप की दुस्साहसी चोरी हुई है।

अष्टधातू के लालच में हुई चोरी

जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह चोरी भी अष्टधातु के लालच में की गई थी। नरवर किले में घटित दोनों घटनाओं ने जांच एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। ऐसा लगता है कि दोनों की घटनाएं मध्ययुगीन किले से जुड़ी छिपी हुई दौलत के बारे में स्थानीय लोक-कथाओं से प्रेरित थीं।

पुलिस के पास कोई सुराग नहीं

वहीं, सुरक्षा में लगातार हुई इन चूक के बावजूद, पुलिस किसी भी मामले में कोई ठोस सुराग नहीं ढूंढ पाई है। शिवपुरी एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने कहा कि हम उस गिरोह की पहचान करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं लेकिन अभी तक कोई खास जानकारी नहीं मिली है। हम चौकीदार के बयान की भी पुष्टि कर रहे हैं।

छोटे-मोटे चोरों का नहीं है यह काम

इसके साथ ही जांचकर्ताओं का कहना है कि एक टन वजन वाली तोप की चोरी छोटे-मोटे चोरों का काम नहीं हो सकता है। इस काम के लिए पहले से रेकी की गई होगी। भारी सामान उठाने वाले उपकरण, ट्रांसपोर्ट गाड़ियां और किले के कमजोर एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स की जानकारी की जरूरत रही होगी।

नहीं है कोई सीसीटीवी कैमरे

इसमें सबसे बड़ी चूक यह है कि किले के आसपास कहीं भी सीसीटीवी कैमरे न होने और अलग-अलग दिशाओं में जाने वाली तीन सड़कों की वजह से जांच का काम बहुत मुश्किल हो गया है। वहीं, जांच की सबसे मजबूत थ्योरी यह है कि चोरों को लगा था कि तोप अष्टधातु

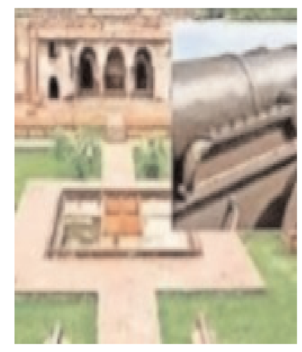

से बनी हुई है। गौरतलब है कि नरवर किला करीब 1100 साल पुराना है। किला अपनी भव्यता के साथ-साथ राजा नल और विदर्भ देश की राजकुमारी दमयंती की प्रेम कथा की वजह से भी चर्चित है। पौराणिक कहानियां हैं कि इस किले में राजा नल का खजाना दबा हुआ है। ऐसे में यह भी अटकलें हैं कि चोर उसी खजाने की खोज में थे।

एमपी सरकार ने यूसीसी ड्राफ्ट को दी मंजूरी, लिव-इन रिलेशन में रहना है तो ये 5 नियम जान लीजिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में तेजी से बढ़ते लिव-इन रिलेशनशिप के कल्चर को लेकर मोहन सरकार कड़े प्रावधान लागू करने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में समान नागरिक संहिता के ड्राफ्ट को मंजूरी मिल गई है। अब मध्य प्रदेश में लिव-इन में रहने वाले जोड़ों के लिए रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। ऐसा न करने पर तीन महीने की जेल और जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है।

20 जुलाई से शुरू हो रहे सत्र में पेश होगा बिल

रविवार 19 जुलाई को जगदीशपुर किले में आयोजित विशेष कैबिनेट बैठक में इस यूसीसी विधेयक के प्रारूप पर मुहर लगाई गई। इस ऐतिहासिक विधेयक को सोमवार 20 जुलाई से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र में पटल पर रखा जाएगा।

लिव-इन रिलेशनशिप के लिए 5 मुख्य नियम

अनिवार्य रजिस्ट्रेशन: साथ रहने की शुरुआत के 1 महीने के भीतर रजिस्ट्रार के पास रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

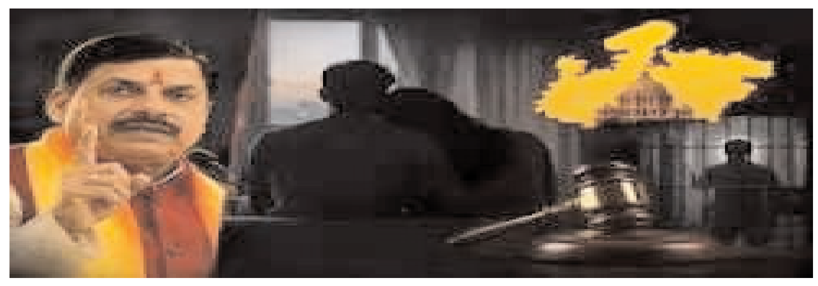

उम्र और पात्रता: न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए; दोनों पहले से विवाहित न हों और न ही प्रतिबंधित श्रेणी में आते हों।

अभिभावकों को सूचना: यदि कोई पार्टनर 21 साल से कम उम्र का है, तो शुरुआत और अंत की जानकारी माता-पिता को भेजी जाएगी।

थाने में रिकॉर्ड: रजिस्ट्रार द्वारा लिव-इन पार्टनर का रिकॉर्ड स्थानीय पुलिस स्टेशन को साझा किया जाएगा।

बच्चों को अधिकार: लिव-इन के दौरान पैदा हुए बच्चों को पूरी तरह से वैध माना जाएगा और उन्हें पूरा उत्तराधिकार मिलेगा।

बिना रजिस्ट्रेशन 1 महीने से ज्यादा रहना 3 महीने तक जेल 10,000 गलत जानकारी देना 3 महीने जेल 25,000 नोटिस के बाद भी बयान न देना 6 महीने तक जेल 25,000

वो बातें जो जानना जरूरी हैं

गुजारा भत्ता: पुरुष साथी के छोड़ने पर महिला पार्टनर अदालत के जरिए कानूनी पत्नी की तरह भरण-पोषण का दावा कर सकती है।

बिना रजिस्ट्रेशन पर सजा: 1 महीने से ज्यादा बिना रजिस्ट्रेशन साथ रहने पर 3 महीने तक की जेल या 10,000 जुर्माना हो सकता है। गलत जानकारी पर कार्रवाई: गलत जानकारी देने पर 3 महीने की जेल व 25,000 जुर्माना और समन के बाद बयान न देने पर 6 महीने की जेल व 25,000 का जुर्माना लगेगा।

मां का जबड़ा तोड़कर मार डाला और खुद ट्रेन से कट गया पिता...उर्मिला सैनी हत्याकांड में अकेले रह गए दो मासूम

मध्यप्रदेश के इंदौर में पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की हत्या के आरोपी पति अखिलेश सैनी का शव गंजबासौदा के पास रेलवे ट्रैक पर मिला. पुलिस उसकी तलाश कर रही थी और उस पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित था.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। चर्चित उर्मिला सैनी हत्याकांड में आरोपी पति के सुसाइड ने मामले को और भी सनसनीखेज बना दिया है. पत्नी की हत्या के आरोपी अखिलेश सैनी का शव गंजबासौदा के पास रेलवे ट्रैक पर मिला. इस घटना के बाद दो छोटे बच्चों के सिर से मां और पिता दोनों का साया उठ गया है. आज इन बच्चों के पास न मां है न पिता बल्कि उम्र भर के लिए इस वारदात का ट्रॉमा है जो शायद उन्हें कभी सुकून से जीने न दे.

चरित्र पर शक करता था अखिलेश

जानकारी के मुताबिक, संयोगितागंज थाना क्षेत्र की डाक कुंज कॉलोनी में 11 जुलाई को पोस्टल असिस्टेंट उर्मिला सैनी की घर में हत्या कर दी गई

थी. पुलिस जांच में सामने आया था कि आरोपी पति अखिलेश सैनी अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था. इसी शक के चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया और भाग निकला. जांच के दौरान यह भी सामने आया कि अखिलेश ने पहले उर्मिला के सिर पर हमला किया. इसके बाद उसके जबड़े तोड़ दिए और फिर उसकी हत्या कर दी. वारदात के समय किसी को आवाज सुनाई न दे, इसलिए उसने घर का टीवी तेज आवाज में चला दिया था. इस घटना का पता तब चला, जब स्कूल से लौटे बच्चों ने अपनी मां को खून से लथपथ देखा. घटना के बाद से आरोपी अखिलेश सैनी फरार था. उसकी तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें लगी थीं और उस पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था. इसी बीच गंजबासौदा और पवई के बीच रेलवे ट्रैक पर एक शव मिलने की सूचना मिली. परिजनों ने उसकी पहचान अखिलेश सैनी के रूप में की. पुलिस के अनुसार, शव का सिर गायब था और आसपास कई किलोमीटर तक उसकी तलाश की गई. इस घटना ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया. मां की हत्या के बाद अब पिता की भी मौत हो गई. उआरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही थी. इसी बीच अखिलेश का शव मिल गया और सारा केस ही बदल गया.

कचरे में चला गया था 2 किलो का पुश्तैनी चांदी का कलश, 24 घंटे सैकड़ों टन कचरा छानकर सफाईकर्मियों ने लौटाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। नगर निगम के सफाईकर्मियों ने अपनी मुस्तैदी और ईमानदारी से एक बार फिर मिसाल पेश की है। राजेंद्र नगर इलाके के रावेरकर परिवार का गलती से कचरे में चला गया 2 किलो वजनी पुश्तैनी चांदी का कलश सफाईकर्मियों ने सैकड़ों टन कचरे के बीच से ढूंढकर लौटा दिया। कचरा वाहन से लालबाग ट्रांसफर स्टेशन और फिर देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचे इस कलश को खोजने में निगम कर्मचारियों को 24 घंटे से ज्यादा का समय लगा।

फटे झोले में रखा था दो किलो का चांदी का कलश

शुक्रवार सुबह रावेरकर परिवार ने रोज की तरह घर का कचरा नगर निगम की गाड़ी में डाला था। इसी दौरान घर में रखा एक पुराना और फटा हुआ झोला भी कचरे में चला गया। परिवार को अंदाजा नहीं था कि उसी झोले में उनका सालों पुराना 2 किलो का चांदी का कलश रखा हुआ था। शाम को जब कलश की याद आई और घर में नहीं मिला, तो परिजनों के होश उड़ गए। परिजनों ने तुरंत वार्ड क्रमांक 80 के पार्षद प्रशांत बड़वे से मदद मांगी। पार्षद ने कचरा गाड़ी के ड्राइवर से संपर्क किया,

जिसने बताया कि कचरा लालबाग ट्रांसफर स्टेशन से देवगुराड़िया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा जा चुका है। ट्रेंचिंग ग्राउंड के नेप्रा प्लांट में सूखे कचरे का विशाल ढेर लग चुका था, लेकिन कर्मचारियों ने हिम्मत नहीं हारी।

नेप्रा प्लांट में कचरे के नीचे दबा मिला कलश

शनिवार सुबह से ही सफाईकर्मियों की टीम ने सैकड़ों टन कचरे की छंटाई करते हुए कलश की तलाश शुरू की। करीब 24 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद कचरे के ढेर में दबा हुआ चांदी का कलश मिल गया, जिसे पार्षद की मौजूदगी में रावेरकर परिवार को सुरक्षित सौंप दिया गया। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में सफाई व्यवस्था के साथ-साथ निगमकर्मियों का यह व्यवहार नई मिसाल नहीं है। इससे पहले भी कई मौकों पर सफाईकर्मियों ने कचरे में गिरे सोने-चांदी के गहने और जरूरी दस्तावेज लोगों को लौटाए हैं। रविवार को राजेंद्र नगर के रहवासियों ने कार्यक्रम आयोजित कर इन ईमानदार सफाईकर्मियों का भव्य सम्मान किया।

राह चलते शख्स के सिर पर अचानक दे मारा डंडा, CCTV में कैद हुई घटना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। नूरपुर कस्बे के शिव मंदिर चौक पर शनिवार दोपहर एक युवक के सिर पर पीछे से डंडे से हमला किए जाने की घटना सामने आई है. दिनदहाड़े हुए इस हमले का पूरा घटनाक्रम पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया और राहगीरों की सुरक्षा को लेकर स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है. वायरल सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि एक युवक सामान्य रूप से सड़क पर पैदल जा रहा होता है. इसी दौरान पीछे से एक व्यक्ति आता है और उसके सिर पर डंडे जैसी किसी वस्तु से जोरदार वार कर देता है. अचानक हुए हमले से युवक अपना सिर पकड़कर सड़क पर गिर पड़ता है. घटना को देखकर आसपास मौजूद लोग मौके की ओर दौड़ पड़ते हैं और कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन जाती है. घटना के बाद स्थानीय लोगों ने आरोपी के व्यवहार को लेकर भी कई दावे किए हैं. लोगों का कहना है कि संबंधित व्यक्ति मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रतीत हो रहा था. हालांकि, इस संबंध में पुलिस या किसी सक्षम प्राधिकारी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. स्थानीय नागरिकों का यह भी दावा है कि संबंधित व्यक्ति पहले भी कई बार लोगों के घरों में घुस चुका है. उनके अनुसार, चार दिन पहले वह एक सिख परिवार के घर में घुस गया था, जहां उसने एक महिला से जबरन मोबाइल छीनने का प्रयास किया था. लोगों का यह भी आरोप है कि वह कई बार घरों के बाहर सूख रहे कपड़े भी उठा ले जाता है. हालांकि, इन सभी दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही पुलिस ने अभी तक इन आरोपों की पुष्टि की है. इलाके के लोगों का कहना है कि यदि समय रहते ऐसे मामलों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो राह चलते लोगों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है.

'घर के झगड़े घर में ही बड़े-बुजुर्गों के साथ सुलझाइए लोगों को CM योगी ने दी यह खास सलाह

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फरियादियों की समस्याएं सुनने के साथ पारिवारिक विवाद लेकर पहुंचे लोगों की काउंसिलिंग भी की. उन्होंने कहा कि घर के झगड़े बड़े-बुजुर्गों के साथ बैठकर सुलझाने चाहिए और निजी मामलों में बाहरी लोगों को शामिल नहीं करना चाहिए. मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को पदक जीतने पर सरकारी नौकरी में प्राथमिकता का भरोसा दिलाया और बच्चों को चॉकलेट देकर मन लगाकर पढ़ाई करने की सीख दी. लखनऊ में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक-एक फरियादी से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए. इस दौरान पारिवारिक विवाद लेकर पहुंचे लोगों की उन्होंने काउंसिलिंग भी की. मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि घर के झगड़े घर के बड़े-बुजुर्गों के साथ बैठकर सुलझाने चाहिए, क्योंकि ऐसे विवादों का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ता है. जनता दर्शन में कई ऐसे मामले भी पहुंचे, जिनका संबंध पारिवारिक विवाद से था. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन मामलों को गंभीरता से सुना और शिकायत लेकर पहुंचे लोगों से विस्तार से बातचीत की. उन्होंने कहा कि परिवार के भीतर होने वाले विवादों को बाहर तक ले जाना कई बार स्थिति को और जटिल बना देता है. मुख्यमंत्री ने लोगों को सलाह दी कि ऐसे मामलों में परिवार के बड़े-बुजुर्गों को साथ बैठाकर समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि निजी मामलों में बाहरी लोगों की दखलंदाजी से बचना चाहिए, क्योंकि इससे रिश्तों में दूरियां बढ़ सकती हैं. मुख्यमंत्री ने बातचीत के दौरान यह भी कहा कि पारिवारिक विवाद केवल पति-पत्नी या परिजनों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनका सबसे गहरा असर घर के बच्चों पर पड़ता है. ऐसे माहौल में बच्चों का मानसिक विकास और पढ़ाई भी प्रभावित हो सकती है. इसलिए परिवार के लोगों को धैर्य और संवाद के जरिए समाधान तलाशना चाहिए. जनता दर्शन में बड़ी संख्या में राजस्व और पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतें भी पहुंचीं. मुख्यमंत्री ने शिकायतकर्ताओं से पूछा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कब शिकायत दी थी और अब तक क्या कार्रवाई हुई. जहां मामलों में अनावश्यक देरी की बात सामने आई, वहां मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई. उन्होंने स्पष्ट कहा कि समयसीमा के भीतर शिकायतों का निस्तारण होना चाहिए.

मथुरा में द्वारकाधीश मंदिर की दान गुल्लक का ताला तोड़कर चोरी, भक्तों में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। मथुरा में द्वारकाधीश मंदिर के मुख्य द्वार पर दानपात्र का ताला तोड़कर चोरी हो गया। घटना देर रात की बताई जा रही है। सुबह मंदिर खुलने के बाद घटना की जानकारी मिली। जिसके बाद मंदिर प्रशासन में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस अब आसपास के सीसीटीवी फुटेज चेक कर रही है। घटना के बाद से भक्तों और व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर खासा चिंता है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की तैयारी कर रही है। इस चोरी की घटना ने एक बार फिर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। व्यापारियों ने मंदिर परिसर और बाजार क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को और प्रभावी बनाने तथा रात्रि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। धर्मनगरी मथुरा के विश्व प्रसिद्ध श्री द्वारकाधीश मंदिर में देर रात अज्ञात चोरों ने मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर रखी दान गुल्लक का ताला तोड़कर चोरी कर लिया। घटना की जानकारी सोमवार सुबह मंदिर खुलने के दौरान हुई, जिसके बाद मंदिर प्रशासन और स्थानीय व्यापारियों में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार, सुबह करीब पांच बजे ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड ने मुख्य द्वार पर लगी गुल्लक का ताला टूटा देखा। इसके बाद तत्काल मंदिर प्रशासन को सूचना दी गई। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मामले की सूचना पुलिस को दी जा रही है और लिखित शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस जल्द ही घटना का खुलासा करेगी। घटना के बाद मंदिर के आसपास के दुकानदारों और व्यापारियों में नाराजगी है।उनका कहना है कि विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल होने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में लगातार लापरवाही बरती जा रही है। व्यापारियों ने मंदिर परिसर और बाजार क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को और प्रभावी बनाने तथा रात्रि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की तैयारी कर रही है।

हर्ष मल्होत्रा को मिली नई 'टीम दिल्ली', जानिए किसे-किसे मिला प्रदेश में काम करने का मौका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को अपनी नयी टीम के पदाधिकारियों और अग्रिम संगठनों के प्रमुखों के नामों की घोषणा की। मल्होत्रा ने एक बयान में कहा कि ये नियुक्तियां राष्ट्रीय नेतृत्व से उचित सलाह-मशविरे और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मंजूरी के बाद की गई हैं। मल्होत्रा को इस साल मई में भाजपा की दिल्ली इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। नई टीम में 10 उपाध्यक्ष, तीन महासचिव और नौ सचिव शामिल हैं। पार्टी के नए उपाध्यक्षों में वरिष्ठ नेता राजेश भाटिया, सुनील यादव, ऋचा पांडे मिश्रा, कौशल मिश्रा, विक्रम बिधूड़ी और सारिका जैन शामिल हैं।

दिल्ली भाजपा ने नई टीम का किया ऐलान

विष्णु मित्तल, योगिता सिंह और मोहन लाल गिहारा महासचिव हैं। प्रवीण शंकर कपूर मीडिया टीम के प्रमुख के तौर पर अपने पद पर बने हुए हैं। अनिल गुप्ता को मुख्य प्रवक्ता नियुक्त किया गया है, जबकि रोहित उपाध्याय सोशल मीडिया टीम का नेतृत्व करेंगे। रजत चौधरी को दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि अर्चना गुप्ता महिला मोर्चा टीम की प्रमुख होंगी। अन्य नियुक्त लोगों में संतोष पाल (ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष), लाजपत राय (एससी मोर्चा अध्यक्ष), सी एल मीणा (एसटी मोर्चा अध्यक्ष), संतोष ओझा (पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष), देवेंद्र सोलंकी (किसान मोर्चा अध्यक्ष) और अनीस अब्बास (अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष) शामिल हैं।

'दलबदल विरोधी कानून' पर चर्चा की मांग, दिग्गज कांग्रेस सांसद ने लोकसभा महासचिव को लिखा पत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का हंगामेदार आगाज हो गया है। अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर घमासान जारी है। इसकी उम्मीद सत्र शुरू होने से पहले ही लगाई जा रही है। विपक्षी सांसद इस मुद्दे पर अलग-अलग डिमांड रख रहे थे। सत्र शुरू होने से पहले ही कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा महासचिव को एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने 'दल-बदल विरोधी कानून' के स्वरूप पर चर्चा करने की मांग की है। मनीष तिवारी ने पत्र में लिखा कि मैं तत्काल महत्व के एक निश्चित विषय पर चर्चा करने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही स्थगित करने का प्रस्ताव पेश करने की अनुमति मांगने के अपने इरादे की सूचना देता हूं। मेरा प्रस्ताव है कि यह सदन प्रश्नकाल, शून्यकाल और दिन के अन्य सभी निर्धारित कार्यों को स्थगित करे, ताकि एक नए दल-बदल विरोधी कानून के स्वरूप पर चर्चा की जा सके। मनीष तिवारी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि यह कानून अवसरवाद से प्रेरित और बिना किसी वास्तविक वैचारिक या नीतिगत मतभेद के बड़े पैमाने पर होने वाले राजनीतिक दल-बदल को रोके। इसके साथ ही संसद और विधानसभाओं के भीतर और बाहर ईमानदार और आलोचनात्मक असहमति के लिए भी गुंजाइश रखे। इसलिए, मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि आज की कार्यवाही स्थगित की जाए और तत्काल महत्व के इस विषय पर पूरी चर्चा की अनुमति दी जाए। कांग्रेस के लोकसभा सांसद विपक्ष के फ्लोर लीडर्स की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी के लिए सुबह 10:30 बजे एक बैठक की। वहीं, तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा सांसद मणिकम टैगोर की ओर से भी स्थगन प्रस्ताव पेश करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में नीट पेपर लीक मामले को उठाया गया। पत्र में उन्होंने लिखा कि रिपोर्टों से पता चलता है कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं हुई हैं, लेकिन इसके खिलाफ कोई ठोस या सामूहिक कार्रवाई नहीं की गई है।

बाथरूम में खुले नल के नीचे सड़ती लाश गर्लफ्रेंड के वॉयस मैसेज से खुला प्रेमी के कत्ल का राज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। कल्याण के मलंग रोड स्थित नीलकंठ सोसाइटी में एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है. यहां एक युवक की हत्या के बाद उसका शव बोरे में भरकर बाथरूम में छिपा दिया गया. पुलिस को आशंका है कि आरोपी महिला ने शव को जल्दी सड़ाने और सबूत मिटाने के लिए बाथरूम का नल लगातार खुला छोड़ दिया था. मामले का खुलासा तब हुआ, जब फ्लैट से तेज दुर्गंध आने लगी और बाद में मकान मालिक को आरोपी महिला का एक वॉइस मैसेज मिला.

बदबू से सोसाइटी के लोग भी हो गए थे हैरान

मामले में मानपाड़ा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी महिला की तलाश तेज कर दी है. पुलिस की एक टीम कोलकाता रवाना हो चुकी है. दरअसल मलंग रोड स्थित नीलकंठ सोसाइटी के एक फ्लैट से पिछले दो-तीन दिनों से तेज बदबू आ रही थी. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना मानपाड़ा पुलिस को दी. पुलिस जब मौके पर पहुंची तो फ्लैट बाहर से बंद था. दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश करने पर बाथरूम में एक बोरा मिला. बोरा खोलने पर उसके अंदर एक युवक का सड़ा-गला शव बरामद हुआ. सूचना मिलते ही फॉरेंसिक टीम और क्राइम ब्रांच के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया. प्राथमिक जांच में सामने आया है कि महिला का नाम हसीबा है और मृतक का नाम हमीदुल्ला इस्लाम (37) हैं. युवक की हत्या धारदार हथियार से की गई. इसके बाद शव को बोरे में भरकर बाथरूम में रखा गया. पुलिस को शक है कि आरोपी महिला ने बाथरूम का नल जानबूझकर खुला छोड़ दिया था, ताकि रोज आने वाले पानी से शव जल्दी सड़ जाए और खून समेत अन्य अहम सबूत नष्ट हो जाएं. पुलिस इस पूरे घटनाक्रम की फॉरेंसिक जांच करा रही है. जांच के दौरान एक और चौंकाने वाली जानकारी भी सामने आई है. पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद आरोपी महिला कोलकाता फरार हो गई, जाने से पहले उसने मकान मालिक को एक वॉइस मैसेज भेजा, जिसमें बाथरूम में शव होने और नल चालू होने की जानकारी दी. वॉइस मैसेज मिलने के बाद मकान मालिक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. मानपाड़ा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम कोलकाता रवाना कर दी है.

पोर्शे कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई, फिर दूसरी कार को मारी टक्कर, 8 वर्षीय लड़का घायल

मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह तेज रफ्तार पोर्शे कार बेकाबू होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर दूसरी कार से जा भिड़ी. हादसे में दूसरी कार में सवार 8 वर्षीय लड़का घायल हो गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। कोस्टल रोड पर रविवार सुबह तेज रफ्तार एक बार फिर हादसे की वजह बन गई. एक लग्जरी पोर्शे कार अनियंत्रित होकर पहले डिवाइडर से टकराई और फिर दूसरी कार में जा घुसी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों को नुकसान पहुंचा और दूसरी कार में सवार 8 वर्षीय लड़का घायल हो गया. पुलिस के मुताबिक, हादसा रविवार सुबह करीब 8:30 बजे हुआ. शुरुआती जांच में सामने आया है कि पोर्शे कार काफी तेज रफ्तार में चल रही थी. इसी दौरान चालक विजय पांडे वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर सामने चल रही दूसरी कार से जा भिड़ी. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. राहगीरों और अन्य वाहन चालकों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. घायल बच्चे को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है.

एयरबैग खुलने से चालक और सहयात्री की बची जान

हादसे में पोर्शे कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. हालांकि कार में लगे एयरबैग समय पर खुल गए, जिससे चालक विजय पांडे और उसके साथ बैठे सहयात्री को गंभीर चोट नहीं आई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सामान्य कराया. हादसे के कारण कुछ समय तक कोस्टल रोड पर ट्रैफिक प्रभावित रहा. पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दुर्घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए हैं. शुरुआती जांच में ओवरस्पीडिंग को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है.

चालक पर केस दर्ज, CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस

पुलिस ने पोर्शे चालक विजय पांडे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, धारा 125 और धारा 324(4) के साथ मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत मामला दर्ज किया है. जांच अधिकारी अब आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं, ताकि हादसे के समय कार की वास्तविक रफ्तार और पूरे घटनाक्रम का पता लगाया जा सके. चालक से भी पूछताछ जारी है. गौरतलब है कि 15 जुलाई को भी मुंबई कोस्टल रोड की सुरंग में एक कार में आग लगने की घटना सामने आई थी, जिससे कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ था. लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने कोस्टल रोड पर तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

'पहले राहुल-सोनिया और अखिलेश को भेजें न्योता', उद्धव के 'राम रक्षा' आंदोलन पर शिंदे का तंज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। गुरु तेग बहादुर अस्पताल में एक 42 वर्षीय मरीज पर कथित तौर पर छत का पंखा गिरने के करीब तीन घंटे बाद उसकी मौत हो गई, जिसके बाद परिवार ने अस्पताल प्रशासन पर देखभाल में बड़ी चूक का आरोप लगाते हुए घटना की जांच की मांग की है. हालांकि, अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीज की मौत पंखा गिरने की वजह से नहीं हुई, बल्कि उनकी मौत बीमारी की वजह से हुई है. जीटीबी अस्पताल प्रशासन ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि 42 वर्षीय मरीज अकबर को बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था. वह अनियंत्रित हाइपरटेंशन, स्ट्रोक या एंसिफेलोपैथी और एस्पिरेशन निमोनिया के साथ रेस्पिरेटरी फेलियर (सांस लेने में दिक्कत) से पीड़ित था. अस्पताल के मुताबिक, मरीज की मौत छत के पंखे की घटना के कारण नहीं, बल्कि उसकी पहले से मौजूद बीमारी के कारण हुई और इसका पंखा गिरने की घटना से कोई संबंध नहीं है.

पंखा की रॉड टूटने से हुआ हादसा

अस्पताल ने ये भी कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पंखा उसकी रॉड (शाफ्ट) टूटने के कारण गिरा था. अस्पताल ने बताया कि ये घटना शनिवार रात करीब 9.30 बजे वार्ड 27 के एक क्यूबिकल में हुई. अस्पताल ने बताया कि शुरुआती निरीक्षण में पता चला है कि पंखे का शाफ्ट टूट (फ्रैक्चर) गया था, जिसके कारण वह नीचे गिर गया. प्रशासन के अनुसार, सामान्य परिचालन स्थितियों में इस तरह की खराबी बेहद असामान्य है और मामले की विस्तृत जांच की जाएगी. अस्पताल का दावा है कि पंखा गिरने के तुरंत बाद मरीज की चिकित्सीय जांच की गई थी और उसके शरीर पर किसी भी तरह की बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए थे. घटना को देखने का दावा करने वाले वकील असलम कुरैशी ने कहा, 'मैं अपने भाई से मिलने वार्ड में गया था, तभी मैंने देखा कि छत का पंखा एक मरीज पर गिर गया. मैंने तुरंत घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया. मरीज की उम्र करीब 50 साल लग रही थी और उसे एक दिन पहले ही भर्ती कराया गया था. घटना से पहले वह ठीक था, लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई. डॉक्टर कह रहे हैं कि पंखा एक नर्स पर गिरा था, लेकिन मैं वहां मौजूद था और मैंने उसे मरीज पर गिरते देखा था.' उन्होंने आरोप लगाया, 'डॉक्टर मरीज के पास देर से पहुंचे. अस्पताल प्रशासन ने लापरवाही बरती है. मरीजों के लिए लगे पंखे और एयर-कंडीशनर ठीक से काम नहीं कर रहे हैं, जबकि डॉक्टरों के लिए एयर-कंडीशनिंग की सुविधा है. यहां मरीजों की जान की कोई कीमत नहीं है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छत का पंखा अचानक ढीला होकर सीधे मरीज के बिस्तर पर गिरा और अकबर के पेट पर लगा. अस्पताल के कर्मचारियों ने तुरंत उसे देखा. अस्पताल ने बताया कि मरीज की मौत रविवार दोपहर को हुई. घटना की खबर मिलते ही रविवार सुबह अकबर के परिजन अस्पताल पहुंचे और हंगामा करते हुए जांच की मांग की. वार्ड में मौजूद अन्य तीमारदारों ने आरोप लगाया कि कई एयर कंडीशनर खराब पड़े हैं.

आषाढ़ी से कार्तिक एकादशी तक पंढरपुर वारी के दौरान विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में VIP दर्शन बंद, एकनाथ शिंदे का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पंढरपुर में आषाढ़ी वारी तीर्थयात्रा की तैयारियों का जायजा लिया और कहा कि इस दौरान प्राचीन विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में VIP दर्शन बंद रहेंगे। उन्होंने कहा कि 25 जुलाई को आषाढ़ी एकादशी से पहले मंदिर शहर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए वारी को स्वस्थ, सुरक्षित और स्वच्छ बनाने के लिए सभी विभागों को मिलकर काम करना चाहिए। शिंदे ने कहा कि राज्य का स्वास्थ्य विभाग पहली बार तीर्थयात्रियों को इमरजेंसी मेडिकल मदद देने के लिए दो एयर एम्बुलेंस तैनात करेगा। भगवान विट्ठल के भक्तों, यानी वारकरियों को असली VIP बताते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि तीर्थयात्रा के दौरान VIP दर्शन की व्यवस्था बंद रहेगी ताकि भक्तों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाएं बनाने और उन्हें बढ़ाने के लिए शहरी विकास विभाग, राज्य परिवहन विभाग और स्वास्थ्य विभाग को फंड की कोई कमी नहीं होगी। डिप्टी सीएम ने प्रशासन को निर्देश दिया कि 'वारी' के दौरान साफ-सफाई को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दी जाए और पूरे पंढरपुर में सफाई सुनिश्चित की जाए। शिंदे ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि मुख्य आषाढ़ी एकादशी समारोह से पहले शहर की सड़कों पर बने गड्डें की तुरंत मरम्मत की जाए। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड से कहा कि सोलापुर जिले के पंढरपुर तालुका में तुरंत बिजली कटौती बंद की जाए और पूरी तीर्थयात्रा के दौरान बिना रुकावट बिजली सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

अभिजीत दिपके ने तोड़ा अनशन, CJP का दावा सरकार बातचीत के लिए तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) का संसद मार्च जारी है. प्रदर्शनकारी भारी संख्या में तेजी से संसद भवन की ओर जा रहे हैं. इस बीच CJP ने दावा किया है कि सरकार उनसे बातचीत के लिए तैयार हो गई है. इस बीच पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने जंतर-मंतर पर अपना आमरण अनशन खत्म कर दिया है. दरअसल सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस 18 जुलाई को जंतर-मंतर से उठाकर अस्पताल ले गई थी. तब से ही दिपके भूख हड़ताल पर बैठे थे. हालांकि, अब ढाई दिन बाद उन्होंने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है. दिपके से पहले सोमवार को ही पिछले 23 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे आइसा (AISA) के तीन छात्रों- नेहा, मनीष और आमीन ने भी अपना अनशन खत्म कर दिया. शबाना आजमी, प्रकाश राज, सांसद मनोज झा, राजाराम सिंह, अमरा राम, डॉ. योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण ने मिलकर छात्रों से अनशन खत्म करने की अपील की थी. जूस पिलाकर अनशन खत्म कराते हुए डॉ. योगेंद्र यादव ने कहा, 'ये भूख हड़ताल का टूटना नहीं है, बल्कि संघर्ष के इस रूप का खात्मा है.' वहीं, एक्ट्रेस शबाना आजमी ने युवाओं की तारीफ करते हुए कहा था, 'एक पीढ़ी के रूप में हम आज के युवाओं के लिए अच्छा करने में असफल रहे, लेकिन आप लोगों ने हमें आगे का रास्ता दिखाया है.'

सरकार बातचीत के लिए आगे आई, जेपी नड्डा से मुलाकात

CJP के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि सरकार ने खुद सुबह आंदोलनकारियों से बातचीत के लिए संपर्क किया था. इसके बाद सीजेपी के प्रतिनिधि सौरव दास और आशुतोष रांका केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिलने के लिए रवाना हुए. सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सुबह सरकार ने बातचीत के लिए हाथ बढ़ाया था. आशुतोष रांका और मैं जेपी नड्डा से मिलने जा रहे हैं. हमारी मांगें बिल्कुल साफ हैं. युवाओं की भारी भीड़ जुटी है और जीत हमारी होगी.' एक तरफ बातचीत का दौर शुरू हुआ, तो दूसरी तरफ दिल्ली की सड़कों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच तीखी झड़पें भी देखने को मिलीं. CJP के संसद मार्च में शामिल होने के लिए जंतर-मंतर की तरफ बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने भारी बैरिकेडिंग की थी. शास्त्री भवन के पास जब प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की, तो सुरक्षा बलों ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया. सुरक्षा कारणों से नई दिल्ली इलाके के कई मेट्रो स्टेशनों के गेट बंद कर दिए गए, वहीं, पूरे मध्य दिल्ली क्षेत्र में पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात हैं.

पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर को बताया बिहार का दूसरा नटवरलाल, एकनाथ शिंदे का भी उड़ाया मजाक

भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने 30 जुलाई को होने वाले मतदान से पहले इस सीट को बरकरार रखने का भरोसा जताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव को लेकर सियासत गरमाई है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव, जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर , महाराष्ट्र की राजनीति और सोशल मीडिया की राजनीति को लेकर तीखे बयान दिए। उन्होंने कहा कि बांकीपुर उपचुनाव अब आम जनता के मुद्दों से हटकर पैसे की ताकत और सोशल मीडिया का खेल बन गया है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर के बांकीपुर उपचुनाव लड़ने का विरोध किया। पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि बड़े-बड़े टेंट लगाकर लंबे भाषण देने और धनबल के सहारे राजनीति करने से जनता का भरोसा नहीं जीता जा सकता। उन्होंने दावा किया कि प्रशांत किशोर ने धोखाधड़ी करके करोड़ों-अरबों रुपए कमाए हैं और उन्हें बिहार का दूसरा नटवरलाल बताया। साथ ही कहा कि ऐसे लोगों की राजनीति में कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

धनबल को बताया बड़ी वजह

बांकीपुर उपचुनाव के मुकाबले का जिक्र करते हुए पप्पू यादव ने कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल के बीच सीधा मुकाबला होता है। भाजपा जीतती है तो इसके पीछे सरकार का समर्थन और धनबल बड़ी वजह होगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जो लोग पहले बिहार या बांकीपुर के लोगों के लिए आगे नहीं आए, वे अब चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति पर प्रतिक्रिया देते हुए पप्पू यादव ने उद्धव ठाकरे गुट के छह सांसदों के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने को लेकर कहा कि यदि शिंदे इतने प्रभावशाली नेता बन गए हैं तो भारतीय जनता पार्टी को बिना किसी हिचकिचाहट के उन्हें मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र की जनता भी एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहती है। सोशल मीडिया आधारित राजनीति पर भी पप्पू यादव ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केवल सोशल मीडिया और प्रचार से बदलाव नहीं आता, बल्कि सड़क पर संघर्ष और जनआंदोलन ही राजनीति की असली ताकत होती है। राहुल गांधी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने हजारों किलोमीटर की पदयात्रा कर लगातार जनता के बीच संघर्ष किया है। पप्पू यादव ने कहा कि केवल सोशल मीडिया के भरोसे कोई राजनीतिक दल लंबे समय तक सफल नहीं हो सकता।

पलंग पर लड़की की लाश, पंखे से झूलता लड़का दिल्ली के कैलाश में घर में मिलीं डेडबॉडीज

अंजली का शव बेड पर पड़ा मिला, जबकि युवक का शव पंखे से लटका हुआ था. अंजली पिछले दो साल से किराए पर रह रही थी और नेहरू प्लेस में डिजिटल मार्केटिंग का काम करती थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। पॉश ईस्ट ऑफ कैलाश इलाके में एक फ्लैट से युवक और युवती के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. युवती का शव कमरे में बेड पर पड़ा मिला, जबकि युवक का शव पंखे से लटका हुआ मिला. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. मकान मालिक अभिषेक गुप्ता ने बताया कि उनका घर कालकाजी में है और ईस्ट ऑफ कैलाश में उनकी एक प्रॉपर्टी है, जिसमें अलग-अलग किराएदार रहते हैं. इसी प्रॉपर्टी के फ्लैट नंबर-4 में 26 साल की अंजली किराए पर रहती थी. अंजली पिछले दो साल से ज्यादा समय से यहां रह रही थी. वह नेहरू प्लेस में डिजिटल मार्केटिंग का काम करती थी और नागपुर की रहने वाली थी. मकान मालिक ने बताया कि उन्होंने फ्लैट अंजली को किराए पर दिया था. उसके सभी जरूरी कागजात, एग्रीमेंट और पुलिस वेरिफिकेशन उनके पास मौजूद हैं. लेकिन जिस युवक का शव फ्लैट में मिला है, उसके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है. उन्होंने बताया कि जब घटना की जानकारी मिली तो पुलिस पहले से मौके पर मौजूद थी. पुलिस ने किसी को भी कमरे के अंदर जाने नहीं दिया. इसलिए उन्हें यह नहीं पता कि युवती की मौत कैसे हुई. मकान मालिक का कहना है कि उन्हें लगता है कि यह दोनों का निजी मामला हो सकता है. उन्होंने कहा कि क्या हुआ, इसकी सही जानकारी पुलिस की जांच के बाद ही सामने आएगी.

कश्मीरी थीम पर सजी जैन सोशल ग्रुप जावरा संगिनी की रंगारंग पार्टी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जावरा। जैन सोशल ग्रुप जावरा संगिनी द्वारा होटल साईराज चौपाटी, बस स्टैंड के पास, जावरा में कश्मीरी थीम पर आधारित संगिनी पार्टी का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में सभी संगिनी बहनें आकर्षक कश्मीरी वेशभूषा में शामिल हुईं, जिससे पूरा परिसर कश्मीर की संस्कृति और पारंपरिक रंगों से सराबोर हो उठा। सौहार्द, अपनत्व एवं उल्लास से भरपूर इस आयोजन का समापन मधुर स्मृतियों के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्या कांठेड, राखी धारीवाल, पायल पोखरना, स्नेहा चोरडिया, रश्मि कावड़िया,शिल्पा दुग्गड, आशा कांकरिया, टीना धारीवाल, प्रीति भटेवरा, सारिका पोखरना, संगीता डोसी, ज्योति कांठेड, प्रवीणा चोरडिया, संगीता संचेती, रानी कांठेड, पदमा जैन, श्रुति जैन, जया दसेड़ा, चित्रा मेहता, रूबी मांडोत, प्रियंका जैन,नीलम मूनत, मनीषा पगारिया, प्रियंका डूंगरवाल, नीलम करनावट, वर्षा छाजेड, अंकिता करनावट, मोनिका बरैया,काजल कांठेड,पूजा कोठारी, विनीता कांठेड सहित उपस्थित सभी संगिनी बहनों ने कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए इसे यादगार एवं सफल आयोजन बताया। उक्त जानकारी सचिव मनीषा संदीप रांका ने दी है।

विश्व धरोहरों को भव्य-दिव्य बनाने में जुटी गुजरात सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सहित देश-दुनिया के पर्यटकों एवं माईभक्त श्रद्धालुओं के लिए यात्राधाम 'महाकाली मंदिर-पावागढ़' एक महत्वपूर्ण हॉट फेवरेट हेरिटेज-रिलीजियन टूरिज्म स्पॉट है। पावागढ़ प्राचीन-पुरातन काल से माईभक्तों के लिए श्रद्धा एवं आस्था का केन्द्र रहा है। इतना ही नहीं; पावागढ़-महाकाली मंदिर सहित समग्र चाँपानेर आर्कियोलॉजी पार्क यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व तथा उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में गुजरात सरकार जब राज्य की सभी विश्व धरोहरों के संरक्षण तथा विकास के लिए प्रतिबद्ध है, तब पावागढ़-चाँपानेर में भी विकास तथा सुविधाओं के लगातार विस्तार की धूम है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र के साथ मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार करोड़ों हिन्दुओं व माईभक्तों की आस्था के इस विश्व प्रसिद्ध केन्द्र पर विकास की पताका फहरा रही है। राज्य सरकार ने पावागढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए 359 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले मेगा मास्टर प्लान के साथ यहाँ विकास कार्यों तथा ढाँचागत सुविधाओं की झड़ी लगा दी है। चार चरणों वाले मास्टर प्लान अंतर्गत पावागढ़ में बड़े पैमाने पर यात्री सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास कार्य चल रहे हैं, जिनमें पहले तथा दूसरे चरण के कार्य पूरे हो गए हैं। गुजरात सरकार तथा उसके उपक्रम गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड द्वारा इस मेगा मास्टर प्लान अंतर्गत पावागढ़ में दो चरणों में 121 करोड़ रुपए की लागत से श्रद्धालुओं को सुविधाओं की बड़ी भेंट दी गई है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है मंदिर तथा मंदिर परिसर का नवीनीकरण तथा विस्तारीकरण। पहले मंदिर परिसर 545 वर्ग मीटर का था, जो अब लगभग 6 गुना बढ़कर तीन लेवल में 2980 वर्ग मीटर का विशाल हो गया है।

पीआईसी बैठक में विकास, स्वच्छता एवं जनकल्याण से जुड़े 54 प्रस्तावों पर हुई चर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा । नगर पालिका परिषद नागदा में सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष ओ.पी. गेहलोत की अध्यक्षता में प्रेसीडेंट-इन-काउंसिल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में नगर विकास, आधारभूत अधोसंरचना, स्वच्छता, जलप्रदाय, विद्युत व्यवस्था, प्रधानमंत्री आवास योजना, विभिन्न निर्माण कार्यों तथा आगामी धार्मिक एवं राष्ट्रीय आयोजनों सहित जनहित से जुड़े 54 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा करते हुए कई अहम निर्णय लिए गए। बैठक में कर्मचारियों से संबंधित प्रशासनिक विषयों, पदोन्नति, परीवीक्षा अवधि पूर्ण करने, विभिन्न वार्डों में सड़क, नाली, सीसी रोड, डामरीकरण, बाउंड्रीवॉल, शेड निर्माण, विद्युतीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों के प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही जलप्रदाय व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पाइपलाइन विस्तार, नवीन जल संयोजन, आवश्यक सामग्री क्रय तथा ओएचटी (ओवरहेड टैंक) से जुड़े प्रस्तावों पर भी निर्णय लिए गए। बैठक में आगामी राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस,गणतंत्र दिवस,शिक्षक दिवस, मोहर्रम, गोगा नवमी, तेजाजी दशमी, डोल ग्यारस, गणेशोत्सव, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, यातायात, सम्मान समारोह तथा अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। नागदा से जीवनलाल जैन की रिपोर्ट

भारत ने जारी की एडवाइजरी कहा- तत्काल वापस आएं स्वदेश

ईरान और अमेरिका के बीच भयंकर युध्द की आशंका

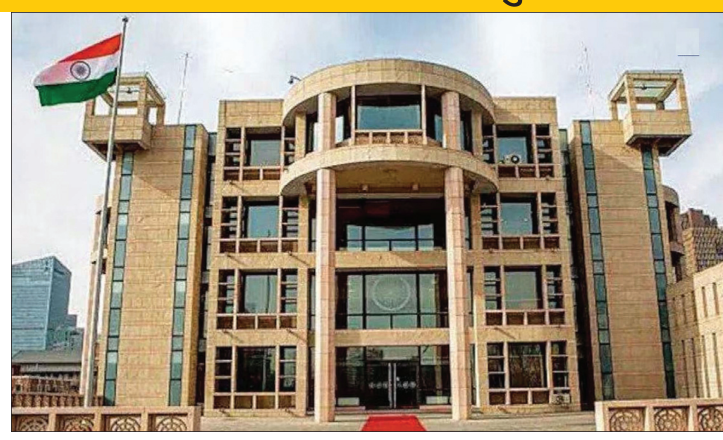

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच एक बार फिर भड़की युद्ध की आग ने पूरे पश्चिम एशिया में सुरक्षा हालात को गंभीर बना दिया है। अमेरिका पिछले सप्ताह से लगातार ईरान पर हमलावर है, और जवाब में ईरान खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है, जिससे तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। इस बिगड़ती स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भारत ने अपने नागरिकों के लिए एक सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी है। इसके साथ ही, फिलहाल ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों से भी जल्द से जल्द वहां से बाहर निकलने की अपील की गई है, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास द्वारा जारी इस ट्रैवल एडवाइजरी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पिछले कुछ दिनों में पूरे ईरान में अस्थिरता और हिंसा की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे माहौल में किसी भी उद्देश्य से यात्रा करना अत्यंत खतरनाक हो सकता है। भारतीय दूतावास ने किसी भी उद्देश्य से ईरान जाने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों को साफ तौर पर हिदायत दी है कि जब तक सुरक्षा माहौल में उल्लेखनीय सुधार नहीं हो जाता, वे अपनी यात्रा स्थगित कर दें। वहीं, जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में मौजूद हैं, उनके लिए दूतावास ने विशेष अपील जारी करते हुए कहा है कि वे उपलब्ध कमर्शियल फ्लाइट्स का इस्तेमाल कर वहां से सुरक्षित बाहर निकलने की कोशिश करें।

इसके अलावा, दूतावास ने ऐसे भारतीय नागरिकों के लिए भी विस्तृत एडवाइजरी जारी की है जो अब भी ईरान में ही रुकने की योजना बना रहे हैं, या जिनके लिए मौजूदा परिस्थितियों में ईरान से निकलना संभव नहीं है। दूतावास ने ऐसे नागरिकों को अत्यधिक सतर्कता बरतने, पल-पल की खबरों पर बारीकी से नजर रखने और युद्ध से प्रभावित क्षेत्रों, खासकर ईरान के दक्षिणी तट से पूरी तरह दूर रहने को कहा है। सभी नागरिकों से यह भी अपील की गई है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी किए जा रहे सभी सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। भारतीय दूतावास ने अपनी एडवाइजरी में यह भी सलाह दी है कि सभी भारतीयों को भारतीय दूतावास के साथ अपना पंजीकरण कराना चाहिए। साथ ही, आगे के अपडेट्स और महत्वपूर्ण जानकारी के लिए दूतावास की आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को नियमित रूप से देखने की सलाह दी गई है, जिससे वे किसी भी आपात स्थिति में दूतावास से संपर्क में रह सकें।

मुंबई में कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर आ गईं। सूचना मिलते ही रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक बरामद नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, हेल्पलाइन नंबर 112 पर बृजेश कुमार नाम के एक व्यक्ति ने फोन कर दावा किया कि उसने तीन लोगों को कल्याण और मुंब्रा रेलवे स्टेशनों को बम से उड़ाने की योजना पर बातचीत करते हुए सुना है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए ठाणे पुलिस ने तत्काल मुंबई सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क किया। अलर्ट जारी होने के बाद जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और बम निरोधक दस्ते की संयुक्त टीमों ने दोनों रेलवे स्टेशनों पर सघन तलाशी अभियान शुरू किया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज और अन्य संवेदनशील स्थानों की गहन जांच की गई। सुरक्षा व्यवस्था भी अस्थायी रूप से बढ़ा दी गई ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। मुंबई जीआरपी ने मीडिया को बताया कि विस्तृत तलाशी के बावजूद किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे फिलहाल यात्रियों ने राहत की सांस ली। इसके बाद रेलवे स्टेशनों पर परिचालन सामान्य रूप से जारी रहा। पुलिस अब धमकी संबंधी कॉल करने वाले व्यक्ति का पता लगाने और उससे पूछताछ करने की प्रक्रिया में जुटी है। अधिकारी यह भी जांच कर रहे हैं कि सूचना वास्तविक थी या किसी ने अफवाह फैलाने के उद्देश्य से कॉल किया था। पुलिस ने कहा कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हाल के समय में सार्वजनिक स्थलों और रेलवे परिसरों को निशाना बनाकर मिल रही धमकियों को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां ऐसे प्रत्येक इनपुट को गंभीरता से ले रही हैं। यात्रियों से भी किसी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की जानकारी तुरंत पुलिस या रेलवे सुरक्षा बल को देने की अपील की गई है।

विजय सरकार का फैसला, सभी सरकारी ऑफिसों में लगेंगे भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड

–बोर्ड पर स्पष्ट लिखा होगा– रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया अभियान शुरू किया है। इसके तहत राज्य के सभी सरकारी विभागों, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सरकारी स्वामित्व वाली कंपनियों को ऐसे भ्रष्टाचार विरोधी सूचना बोर्ड प्रमुख स्थानों पर लगाने का निर्देश दिया है, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि रिश्वत देना और रिश्वत लेना दंडनीय अपराध है। यह निर्देश मुख्य सचिव द्वारा हस्ताक्षरित आदेश के जरिए जारी किया गया।

आदेश के मुताबिक प्रत्येक सरकारी कार्यालय में तमिल और अंग्रेजी भाषा में द्विभाषी सूचना बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे, जहां आम जनता उन्हें आसानी से देख सके। विजय सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे यही भ्रष्टाचार विरोधी संदेश अपनी आधिकारिक वेबसाइटों पर भी प्रकाशित करें। इसके साथ ही वेबसाइट पर सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय के पोर्टल का सीधा लिंक भी उपलब्ध कराया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी आदेश में कहा गया है कि 2006 से इस संबंध में कई बार निर्देश जारी किए जाने के बावजूद अनेक कार्यालयों ने इनका पूरी तरह पालन नहीं किया गया। कई जगहों पर भ्रष्टाचार विरोधी बोर्ड लगाए ही नहीं गए, जबकि कुछ कार्यालयों में इन्हें ऐसी जगह लगाया है जहां आने वाले लोगों की नजर नहीं पड़ती थी। सरकार का कहना है कि नया आदेश राज्य के सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में इस व्यवस्था को एक समान तरीके से लागू करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इन सूचना बोर्डों पर रिश्वत देना और रिश्वत लेना अपराध है संदेश के अलावा सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय का पता, टेलीफोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, फैक्स नंबर और आधिकारिक ईमेल आईडी भी प्रदर्शित की जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन जानकारियों तक लोगों की आसान पहुंच होने से वे भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की शिकायत बिना किसी कठिनाई के दर्ज करा सकेंगे। सभी विभागों को अपने प्रशासनिक नियंत्रण में आने वाले वैधानिक बोर्डों, निगमों, स्थानीय निकायों, सरकारी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को भी इसी प्रकार के निर्देश जारी करने को कहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे इन आदेशों को बिना किसी देरी के लागू करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा सरकार ने विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के सभी कार्यालयों में आदेशों के पालन की पुष्टि करने के बाद मानव संसाधन प्रबंधन विभाग को अनुपालन रिपोर्ट पेश करें। यह नई पहल राज्य सरकार द्वारा हाल ही में शुरू की गई सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की समर्पित व्हाट्सएप हेल्पलाइन 9498180936 शुरू किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आई है।

कौशल ही विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति: मुख्यमंत्री योगी

– विश्व युवा कौशल दिवस पर योगी की पाती में आह्वान : हर युवा एक कौशल सीखे, बने नौकरी का प्रदाता

लखनऊ (एजेंसी)। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के युवाओं को एक विशेष संदेश दिया है। अपनी योगी की पाती के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कौशल विकास को विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत बताया और युवाओं से आह्वान किया कि वे कम से कम एक कौशल अवश्य सीखें। उनका मानना है कि यह हुनर केवल नौकरी दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि युवाओं को स्वयं रोजगार के अवसर पैदा करने वाला भी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने लिखा कि अनेक युवा साथियों से मिलने और उनकी सफलता की प्रेरक कहानियों से उनका यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला उत्तर प्रदेश विकसित भारत और ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने इस विश्वास का आधार कर्म और कौशल को सर्वोच्च स्थान देने वाली सनातन संस्कृति को बताया, जहां भगवान श्रीराम के जीवन और भगवान श्रीकृष्ण के गीता उपदेश से लेकर ज्ञान और कार्यकुशलता की परंपरा समाज को आगे बढ़ाती रही है। राज्य सरकार द्वारा कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, वहीं कौशल सखी और कौशल साथी जैसी नई पहलें भी शुरू की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का हब बन रहा है। एक जनपद-एक उत्पाद योजना ने पारंपरिक उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाई है, जबकि टेक युवा-समर्थ युवा पहल नई पीढ़ी को भविष्य की तकनीकों से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, पॉलीटेक्निक संस्थानों में रोजगारपरक शिक्षा और फिनिशिंग स्कूल जैसी योजनाएं युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए तैयार कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ किसी एक कौशल में दक्षता हासिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कौशल उन्हें केवल रोजगार दिलाने वाला ही नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला भी बनाएगा। उन्होंने एमएसएमई क्षेत्र में करोड़ों युवाओं के लिए उपलब्ध रोजगार के अवसरों को प्रदेश की आर्थिक प्रगति का प्रमाण बताया। अपने संदेश के अंत में मुख्यमंत्री ने युवाओं से कौशल विकास योजनाओं का लाभ उठाने और अन्य युवाओं को भी इससे जोड़ने का आग्रह करते हुए कहा, कौशल ही आत्मनिर्भरता का आधार, स्वाभिमान का संबल और विकसित उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति है।

कांग्रेस–सपा ने मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया

–जनसभा में बार–बार माइक बंद होने पर ओवैसी बोले– साउंड वाला भी बीजेपी की बी टीम

सहारनपुर(एजेंसी)। यूपी के सहारनपुर में एआईएमआईएम की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने सीएम योगी आदित्यनाथ, बीजेपी और विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने संभल विवाद, मस्जिदों पर कार्रवाई, अयोध्या में अनियमितताओं और युवाओं की बेरोजगारी के मुद्दे उठाते हुए राजनीतिक नेतृत्व मजबूत करने की अपील की। इस बीच उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ओवैसी ने जनसभा में जुटी भारी भीड़ के बीच कहा कि लोग अब सिर्फ दरी बिछाने का काम नहीं करेंगे, बल्कि अपना राजनीतिक नेतृत्व खुद तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी संविधान के दायरे में रहकर गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ रही है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा और कहा कि मुस्लिम समाज को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया गया है। बीजेपी को हराने के लिए ओवैसी ने चुनाव से पहले अन्य दलों के साथ गठबंधन करने की इच्छा जताई। भाषण में बार–बार माइक बंद होने पर उन्होंने साउंड सिस्टम वाले को बीजेपी की बी टीम और सपा का समर्थक बताया। उन्होंने कहा कि आवाज दबाने की कोशिशों के बावजूद वह पीछे नहीं हटेंगे और जल्द ही दोबारा सहारनपुर की जनता के बीच आएंगे। इस कार्यक्रम में समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ी, जहां लोग पेड़ों, पोलों पर चढ़कर ओवैसी को सुनते नजर आए। रिपोर्ट के मुताबिक सीएम योगी के संभल में दिए गए बयान पर ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में एक ही वर्ग को तवज्जो मिल रही है। उन्होंने अयोध्या में हुए राममंदिर चढ़ावा चोरी और अनियमितताओं को लेकर सरकार को घेरा और सवाल उठाया कि सीएम योगी के नाक के नीचे इतनी बड़ी गड़बड़ी कैसे हो गई। ओवैसी ने आरोप लगाया कि सरकार अपनी विफलताओं और असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नए–नए विवाद खड़े कर रही है। उन्होंने कहा कि सच बोलने की अपनी आदत को वह हमेशा बरकरार रखेंगे। ओवैसी ने सहारनपुर मस्जिद विवाद, संभल और रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि सहारनपुर में सालों पुरानी मस्जिद को भारी जुर्माना और नोटिस दिया जा रहा है। रामपुर में जौहर यूनिवर्सिटी पर हो रही कार्रवाई को उन्होंने शिक्षा के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि यूपी में पहले से ही केवल चार फीसदी मुस्लिम ग्रेजुएट हैं, ऐसे में शैक्षणिक संस्थानों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना गलत है। इसके साथ ही उन्होंने पिछले 12 सालों में लगातार हो रहे पेपर लीक और बढ़ती बेरोजगारी पर भी चिंता जताई।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर लाठीचार्ज क्यों? शशि थरूर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुए पुलिस के लाठीचार्ज को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि यदि प्रदर्शन शांतिपूर्ण था तो लाठीचार्ज की आवश्यकता क्या थी। उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन हुए हंगामे पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में संसद जनता की आवाज उठाने का मंच है और विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए।

शशि थरूर ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन पर बल प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। उनके अनुसार, लाठीचार्ज अहिंसा नहीं बल्कि हिंसा का रूप है और ऐसे कदम के पीछे का तर्क समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार है और सरकार को उनकी बात सुननी चाहिए। संसद की कार्यवाही बार-बार बाधित होने के सवाल पर थरूर ने कहा कि संसद देश के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा का सर्वोच्च मंच है। इस बार विपक्ष शिक्षा व्यवस्था, नीट पेपर लीक, छात्रों की समस्याओं और अन्य जनहित के विषयों पर चर्चा चाहता था। उनका कहना था कि इन मुद्दों पर बहस की अनुमति नहीं मिलने के कारण सदन में गतिरोध की स्थिति बनी।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार के पास बहुमत है और वह अंततः अपने विधेयक पारित करा सकती है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर मिलना भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संसद केवल सरकार द्वारा विधेयक पेश कर उन्हें पारित कराने का मंच नहीं हो सकती, बल्कि यह वह स्थान होना चाहिए जहां विभिन्न विचारों को सुना जाए, उन पर खुली चर्चा हो और फिर निर्णय लिया जाए।

शशि थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अपील का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद के सुचारु संचालन के लिए विपक्ष से सहयोग मांगा था। उन्होंने कहा कि सहयोग दोनों तरफ से होना चाहिए। यदि सरकार विपक्ष की ओर से उठाए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की अनुमति देगी, तो विपक्ष भी सदन के सुचारु संचालन में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि संसद का उद्देश्य संवाद, बहस और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। यदि जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की ही अनुमति नहीं होगी, तो संसद की मूल भूमिका प्रभावित होगी। थरूर ने उम्मीद जताई कि सरकार और विपक्ष के बीच संवाद के जरिए गतिरोध समाप्त होगा और संसद में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सकेगी।

भाजपा से दोबारा चुनाव लड़ने की गलती नहीं करुंगी : किरण बेदी

–कानपुर में किरण बेदी का बड़ा बया

कानपुर (एजेंसी)। भारत की पहली महिला आईपीएस और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी रविवार को कानपुर पहुंचीं, जहां उन्होंने एक महत्वपूर्ण बयान दिया कि वह भाजपा से चुनाव लड़ने की गलती दोबारा नहीं कर सकतीं। कानपुर रोटेरियन के एक कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद बेदी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कई समसामयिक मुद्दों पर अपनी राय रखी। हालांकि, जब उनसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और सोनम वांगचुक के मौजूदा आंदोलन को लेकर सवाल पूछे गए, तो उन्होंने टिप्पणी करने से साफ इनकार कर दिया। बेदी ने कहा कि वह इन लोगों को फॉलो ही नहीं करतीं, और इसलिए इनको लेकर नो कमेंट।

किरण बेदी ने कानपुर की हवाई सेवा की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें लखनऊ तक फ्लाइट से आने के बाद जर्जर सड़कों से कार से कानपुर आना पड़ता था, लेकिन इस बार दिल्ली से कानपुर तक का सफर काफी अच्छा रहा, क्योंकि अब सीधी फ्लाइट उपलब्ध है। साइबर क्राइम जैसे बढ़ते अपराधों पर उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही इनसे बचा जा सकता है। उनका मानना है कि चोर का काम चोरी करना है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी हमारी है। अपनी उम्र के इस पड़ाव पर भी देश के विकास में योगदान देने की अपनी प्रतिबद्धता जाहिर करते हुए किरण बेदी ने बताया कि उन्होंने अपने 77वें जन्मदिन पर भारत स्किल एक्सचेंज नाम का एक स्टार्टअप शुरू किया है। उनका उद्देश्य युवाओं में कौशल विकास की आवश्यकता को पूरा करना है, जिसके लिए उन्होंने यह बीड़ा उठाया है।इससे पहले, किरण बेदी ने दिल्ली जिमखाना क्लब को खाली करने के केंद्र की भाजपा सरकार के फैसले पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने उस आदेश के बारे में सुनकर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ, जैसे उन्हें कोई अपने ही घर से बेदखल कर रहा हो। एक इंटरव्यू में उन्होंने क्लब से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा कीं। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार बेदखली के आदेश के बारे में सुना तो उन्हें लगा जैसे उन्होंने अपना घर खो दिया हो। यह वह जगह थी जहां वह 14 साल की उम्र से टेनिस टूर्नामेंट खेलने अमृतसर से दिल्ली आया करती थीं। इन्हीं दौरों की वजह से उन्हें दिल्ली से प्यार हो गया और उन्होंने यहीं काम करने और रहने का सपना देखा था।

आज हमारे युवा धैर्य, आत्मविश्वास और परिश्रम से सफलता हासिल कर रहे: पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया जिसमें लिखा कि आज हमारे युवा साथी धैर्य, आत्मविश्वास और अथक परिश्रम से ऐतिहासिक सफलता हासिल कर रहे हैं। यही विकसित हो रहे भारत की सबसे बड़ी ताकत है। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्राप्यापदं न व्यथते कदाचिदुद्योगमन्विच्छति चाप्रमत्तः। दुःखं च काले सहते महात्मा धुरन्धरस्तस्य जिताः सपत्नाः॥ भी साझा किया है, जिसका हिंदी में अर्थ है कि जो मनुष्य संकट के समय कभी विचलित नहीं होता, बल्कि धैर्य, कुशलता और सावधानी के साथ उससे बाहर निकलने का प्रयास करता है और समय आने पर दुखों को भी सहजता से सहन करता है, वह अंततः कभी पराजित नहीं होता, बल्कि विपरीत परिस्थितियों पर भी विजय हासिल करता है।

इससे पहले पीएम मोदी ने 17 जुलाई को सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था- आज भारत को पहली हाइड्रोजन ट्रेन मिलने का सपना साकार होने जा रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत और सतत विकास की दिशा में एक बड़ा दिन है। मैं इससे जुड़े सभी लोगों को बहुत बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक, प्रभूतं कार्यमल्पं वा यन्नरः कर्तुमिच्छति। सर्वारम्भेण तत् कार्यं सिंहादेकं प्रचक्षते।। भी साझा किया था। जिसका हिंदी अर्थ है कि चाहे कार्य बहुत बड़ा हो या छोटा- जिसे मनुष्य करना चाहता है, उस पूर्ण समर्थन या नए उत्साह के साथ करना चाहिए, यही एक गुण सिंह से सीखने योग्य है।

पीएम मोदी की ओर से 16 जुलाई को जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर सोशल मीडिया पर सुभाषित साझा किया गया था। उन्होंने लिखा था- महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के पावन अवसर पर मेरी कामना है कि उनका आशीर्वाद हम सभी पर सदैव बना रहे। उनकी दिव्य कृपा से सभी देशवासियों के जीवन में नई ऊर्जा का संचार हो। पीएम ने संस्कृत श्लोक, देवदेव जगन्नाथ सुरासुरनमस्कृत। पुण्यश्लोकाव्ययानन्त परमात्मन्नमोऽस्तु ते॥ शेयर किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि देवताओं के भी देव और संपूर्ण जगत के स्वामी भगवान जगन्नाथ की देवताओं से लेकर समस्त प्राणी श्रद्धापूर्वक उपासना करते हैं। उनका यश पवित्र एवं कल्याणकारी है। वे अविनाशी अनंत तथा समस्त प्राणियों के हृदय में विराजमान परमात्मा हैं। ऐसे भगवान जगन्नाथ को बार-बार नमस्कार है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

पश्चिम एशिया तनाव से ब्रेंट क्रुड 90 डॉलर के पार

अमेरिका-ईरान संघर्ष ने बढ़ाई तेल आपूर्ति चिंताएं

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें उछल गईं। ब्रेंट क्रूड 90.15 डॉलर प्रति बैरल, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 83.52 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार करता दिखा। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष ने तेल आपूर्ति में बाधा की आशंका पैदा की है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीति और आर्थिक नीतियों पर गंभीर असर पड़ने की चिंताएं गहरा गई हैं। कच्चे तेल में यह करीब 2.3 फीसदी (ब्रेंट) और 2.1 फीसदी (डब्लयूटीआई) की तेजी पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर अमेरिका द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तेज करने के कारण आई है। बाजार को डर है कि अगर तनाव और बढ़ा तो वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित होगी, जिससे कीमतें और ऊपर जा सकती हैं। तेल की कीमतें बढ़ने से परिवहन और उत्पादन लागत बढ़ती है, जिसका सीधा असर रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ता है, जिससे दुनिया भर में महंगाई बढ़ सकती है। इसके परिणामस्वरूप, अमेरिकी फेडरल रिजर्व जैसे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए, ऊंची कीमतें आयात बिल बढ़ाएंगी, रुपये पर दबाव डालेंगी और घरेलू पेट्रोल-डीजल समेत अन्य वस्तुओं की महंगाई बढ़ाएंगी।

भारत-स्पेन में डिजिटल भुगतान एकीकरण पर तेजी

निवेश व पेशेवरों की आवाजाही बढ़ाने पर भी जोर

नई दिल्ली ।

भारत और स्पेन ने अपनी डिजिटल भुगतान प्रणालियों, भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) और स्पेन के डिजिटल भुगतान मंच 'बिजुम' को एकीकृत करने की दिशा में बातचीत तेज करने पर सहमति व्यक्त की है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह महत्वपूर्ण निर्णय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की हालिया स्पेन यात्रा के दौरान हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में लिया गया। मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों ने भारत के यूपीआई और स्पेन के बिजुम डिजिटल भुगतान मंचों को जोड़ने के लिए तकनीकी स्तर पर आगे बातचीत बढ़ाने पर सहमति जताई है। इसके अतिरिक्त दोनों देशों ने आपसी निवेश को आसान बनाने, पेशेवरों की आवाजाही में सुधार लाने और लैटिन अमेरिका में संयुक्त निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर भी व्यापक चर्चा की। इस दौरान यूरोप और लैटिन अमेरिका के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में स्पेन की रणनीतिक स्थिति का अधिकतम लाभ उठाने पर विशेष जोर दिया गया। अपनी ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान मंत्री गोयल ने भारतीय जहाज पुनर्चक्रण केंद्रों को सूचीबद्ध करने का मुद्दा भी उठाया। साथ ही, उन्होंने कौशल, शिक्षा और प्रतिभाशाली पेशेवरों की आवाजाही को लेकर भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच एक विशेष संवाद शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ लिस्टिंग को तैयार

निवेशकों को 18 फीसदी तक बंपर मुनाफे की उम्मीद, 21 जुलाई को होगी शेयरों की लिस्टिंग

नई दिल्ली ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के बहुप्रतीक्षित आईपीओ का अलॉटमेंट पूरा हो चुका है, और अब सभी की नजरें 21 जुलाई को होने वाली इसकी लिस्टिंग पर टिकी हैं। लिस्टिंग से पहले ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर जोरदार तेजी दिखा रहे हैं, जिससे निवेशकों को मजबूत लिस्टिंग गेन मिलने की उम्मीद है। 0 जुलाई को आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 103 रुपये रहा, जिसके आधार पर शेयर 574 रुपये के इश्यू प्राइस से करीब 18 फीसदी ऊपर 677 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। इससे एक लॉट पाने वाले निवेशकों को लगभग 2,678 रुपये का लिस्टिंग गेन मिलने का अनुमान है। इस आईपीओ को निवेशकों का शानदार समर्थन मिला था और यह कुल 41.73 गुना सब्सक्राइब हुआ। मजबूत सब्सक्रिप्शन ने लिस्टिंग को लेकर बाजार में सकारात्मक उम्मीदें बढ़ा दी हैं। करीब 11,693 करोड़ रुपये का यह इश्यू पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 6.3 फीसदी और एमंडी इं डिया हो ल्डिंग ने 3.7 फीसदी हिस्सेदारी बेची। भारत की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, जिसका एसेट अंडर मैनेजमेंट लगभग 16.32 लाख करोड़ रुपये है, को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। जिन निवेशकों ने आवेदन किया था, वे एनएसई की वेबसाइट पर पेन नंबर या आवेदन संख्या दर्ज करके अपना अलॉटमेंट स्टेटस चेक कर सकते हैं।

डेंगू से मिलेगी राहत, भारत को मिला पहला टीका क्यूडेंगा

नई दिल्ली।

देश में डेंगू की रोकथाम को बड़ी मजबूती मिली है। टाकेडा बायोफार्मास्यूटिकल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) से डेंगू के टीके 'क्यूडेंगा' के विपणन की मंजूरी मिल गई है। यह भारत में स्वीकृत होने वाला पहला डेंगू-रोधी टीका है। जापान की प्रमुख जैव-औषधि कंपनी टाकेडा की भारतीय इकाई को यह ऐतिहासिक मंजूरी मिली है।

यह टीका 4 से 60 वर्ष आयु वर्ग के लोगों में डेंगू के संक्रमण को रोकने के लिए उपयोग किया जाएगा। इसकी एक प्रमुख विशेषता यह है कि इसे उन लोगों को भी लगाया जा सकता है जिन्हें पहले कभी डेंगू हुआ हो या न हुआ हो, और टीकाकरण से पहले किसी जांच की आवश्यकता नहीं होगी। टाकेडा के अंतरमहाद्वीपीय बाजार के एक अ धिकारी ने इस मंजूरी को भारत में डेंगू की रोकथाम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने जानकारी दी कि 2022 में बाजार में आने के बाद से क्यूडेंगा को विश्व भर में 43 देशों में स्वीकृति मिल चुकी है और दुनिया भर में इसकी 3.2 करोड़ से अधिक खुराकें वितरित की जा चुकी हैं।

यह भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक सकारात्मक विकास है।

वीआई को कर्ज पर बैंकों की शर्त, प्रमोटर दें गारंटी

मुंबई । वोडाफोन आइडिया (वीआई) को 35,000 करोड़ रुपये के नए कर्ज की अंतिम मंजूरी मिलने में बाधा आ रही है। सूत्रों के मुताबिक ऋणदाता कंपनी के वित्तीय अनुमानों पर मोटे तौर पर सहमत हैं, लेकिन 5जी नेटवर्क विस्तार और पूंजीगत व्यय के लिए इस बड़ी वित्तीय मदद को हरी झंडी देने से पहले प्रवर्तकों से अतिरिक्त आश्वासन या स्पष्ट प्रतिबद्धता की मांग कर रहे हैं। बैंक चाहते हैं कि प्रवर्तक (या समूह की कंपनियां) गारंटी दें, अतिरिक्त पूंजी डालें या भुगतान में चूक होने पर सहायता करने की स्पष्ट प्रतिबद्धता दें। एक सरकारी बैंक के वरिष्ठ बैंकर ने पुष्टि की, कंपनी की आय और कर्ज भुगतान के अनुमानों पर हम सहमत हैं, लेकिन जोखिम के प्रति अतिरिक्त आश्वासन जरूरी है। उन्होंने दूरसंचार उद्योग में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण राजस्व की अनिश्चितता को भी रेखांकित किया, जिससे अतिरिक्त सहूलियत की मांग बढ़ जाती है। वोडाफोन आइडिया को यह 35,000 करोड़ रुपए का कर्ज अपने 5जी नेटवर्क के विस्तार सहित अन्य पूंजीगत योजनाओं के लिए चाहिए। कंपनी में प्रवर्तकों की कुल 25.64 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसमें वोडाफोन समूह (19 फीसदी) और आदित्य बिड़ला समूह (6.63 फीसदी) शामिल हैं। भारत सरकार की लगभग 49 फीसदी हिस्सेदारी है, पर उसे सार्वजनिक शेयरधारक के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 442.93, निफ्टी 95.80 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों में मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण पश्चिम एशिया में संकट गहराने से भी बाजार नीचे आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 442.93 अंक फिसलकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 95.80 अंक टूटकर 24,238.50 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 11 शेयर गिरे। इस दौरान बैंकिंग शेयर सबसे अधिक टूटे। एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये। वहीं दिग्गज कंपनी मारुति, कोटक बैंक, इन्फोसिस और टीसीएस के शेयर भी गिरे। वहीं दूसरी ओर ट्रेंट के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.02 फीसदी तेजी आई। इसके अलावा पावरग्रिड, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में बढ़त रही।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज गिरावट के साथ शुरुआत हुई। सेंसेक्स 532 अंक से अधिक टूटकर 77,619 के स्तर पर आ गया, वहीं निफ्टी 142 अंकों की गिरावट के साथ 24,191 पर कारोबार कर रहा था। बाजार में यह गिरावट वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आई है, जहां निवेशकों ने सुरक्षित निवेश की ओर रुख किया। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करते दिखे, जो बाजार में समग्र दबाव को दर्शाता है। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो, निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई, जिससे वित्तीय सेवाओं और बैंकिंग क्षेत्र पर व्यापक दबाव बना।

संरचनात्मक सुधारों से भारत 9 फीसदी वृद्धि दर हासिल कर सकता हैः सुब्रमण्यम

पूर्व सीईए ने कारोबार व वित्तपोषण लागत घटाने भूमि, पूंजी, न्यायिक व नौकरशाही सुधारों पर दिया जोर

नई दिल्ली ।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार कृष्णमूर्ति वी. सुब्रमण्यम ने कहा है कि भारत कारोबार करने और वित्तपोषण की लागत कम करने के लिए संरचनात्मक सुधारों में तेजी लाकर आठ से नौ प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उनके अनुसार, वृहद आर्थिक स्थिरता ने 7 फीसदी वृद्धि तक पहुंचाया है, जबकि संस्थागत सुधार 9 फीसदी तक ले जा सकते हैं। सुब्रमण्यम ने भूमि, श्रम और पूंजी जैसे कारक बाजारों के साथ-साथ न्यायिक और नौकरशाही सुधारों को लागू करने की वकालत की। उनका मानना हैकि 8 फीसदी से अधिक वृद्धि के लिए निजी निवेश का जीडीपी में हिस्सा 30 फीसदी से अधिक होना चाहिए, जो वर्तमान में लगभग 22-23 फीसदी है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों के सार्वजनिक पूंजीगत व्यय ने आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया है और बैंकिंग प्रणाली भी एनपीए के निचले स्तर पर होने के कारण मजबूत स्थिति में है। उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से अर्थव्यवस्था को सहारा मिलने की बात कही। कृत्रिम मेधा (एआई) पर, सुब्रमण्यम ने सुझाव दिया कि भारत को अगला चैटजीपीटी बनाने के बजाय स्वास्थ्य, शिक्षा, विनिर्माण और सार्वजनिक प्रशासन में एआई का दुनिया का सबसे प्रभावी उपयोगकर्ता बनना चाहिए, ताकि उत्पादकता वृद्धि सुनिश्चित हो सके। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक सख्ती को एक कारण बताते हुए, उन्होंने जोर दिया कि घरेलू कारक अधिक महत्वपूर्ण हैं। गौरतलब है कि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने हाल ही में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है।

बॉन्ड बाजार की नरमी का लाभ उठाने से चूके बैंक, पहली आय पर दबाव

मजबूत ऋण मांग और उच्च आधार प्रभाव ने ट्रेजरी मुनाफे को किया प्रभावित

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में बॉन्ड यील्ड में नरमी के बावजूद, भारतीय बैंकों की ट्रेजरी आय में उम्मीद के मुताबिक बढ़ोतरी नहीं हुई, बल्कि कई बैंकों ने सालाना आधार पर गिरावट दर्ज की। बैंकरों के मुताबिक, उच्च आधार प्रभाव और ऋण वृद्धि हेतु सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री ने मुनाफे को सीमित किया। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में दर्ज अप्रत्याशित ट्रेजरी लाभ के कारण इस बार आय कम दिखी। इसके अलावा ऋणदाताओं ने तिमाही के दौरान ऋण वृद्धि को गति देने के लिए अपनी अतिरिक्त सांविधिक तरलता अनुपात (एसएलआर) होल्डिंग्स को कम कर दिया।

इससे नरम यील्ड से लाभ उठाने की उनकी क्षमता सीमित हो गई, क्योंकि यील्ड में बड़ी गिरावट आने से पहले ही उन्होंने अपनी प्रतिभूतियां बेच दी थीं। एक ट्रेजरी प्रमुख ने बताया, मजबूत ऋण वृद्धि के लिए सरकारी प्रतिभूतियों की भारी बिक्री के कारण अधिकांश बैंक इसका लाभ उठाने में असमर्थ रहे। अप्रैल-जून तिमाही में 10-वर्षीय बेंचमार्क सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में लगभग 32 आधार अंकों की गिरावट आई। हालांकि, बैंकों की ऋण वृद्धि जून के अंत तक दो साल के उच्चतम स्तर 19.6 प्रतिशत पर पहुंच गई । बकि जमा वृद्धि 13.3 प्रतिशत रही। परिणामस्वरूप, आईसीआईसीआई बैंक और ऐक्सिस बैंक जैसे प्रमुख निजी बैंकों की ट्रेजरी आय में क्रमशः 87.8 और 62 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज हुई।

प्री-आईपीओ बाजार में रिटेल निवेशकों की बढ़ती रुचि

लिस्टिंग से पहले निवेश कर कमाई का नया जरिया

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की तलाश में रिटेल निवेशकों का रुझान अब तेजी से उन कंपनियों की ओर बढ़ रहा है जो अभी सूचीबद्ध नहीं हुई हैं। अच्छे आईपीओ में सीमित आवंटन मिलने के कारण निवेशक अब प्री-आईपीओ निवेश को एक आकर्षक विकल्प मान रहे हैं, जो पहले केवल संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। प्री-आईपीओ निवेश का अर्थ है किसी कंपनी के शेयर उसके शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले खरीदना। अधिकृत प्लेटफॉर्म, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) जैसे नियामकीय माध्यमों से अब रिटेल निवेशकों के लिए भी यह विकल्प खुल गया है। यह निवेशकों को कंपनी की शुरुआती विकास यात्रा का हिस्सा बनने और लिस्टिंग के बाद वैल्यूएशन में बढ़ोतरी के जरिए बेहतर रिटर्न पाने का मौका देता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की संभावना बनती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रदर्शन, प्रबंधन की गुणवत्ता, उद्योग की संभावनाओं और वैल्यूएशन की गहन जांच-पड़ताल बेहद जरूरी है। यह निवेश कम तरल होता है और इसमें आईपीओ में देरी या रद्द होने, वैल्यूएशन में अस्थिरता जैसे जोखिम भी शामिल हैं। जोखिमों को देखते हुए विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए, केवल विश्वसनीय और नियामक मानकों का पालन करने वाले प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

डेवलपर्स के लिए नए मापदंड, अगले 5-7 सालों में 2 लाख करोड़ तक निवेश का अनुमान

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्विरस कैपिटल के एक अ धिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

भारतीय कंपनियों के लिए उत्साहजनक रही वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही

मुनाफा और आय में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली ।

भारतीय कंपनी जगत के लिए वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के नतीजों का मौसम बेहद उत्साहजनक रहा है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों ने शुद्ध मुनाफे और आय दोनों में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि मुख्य रूप से बैंक, तेल एवं गैस, खनन तथा धातु क्षेत्रों के दमदार प्रदर्शन के कारण हुई, जबकि रुपये की नरमी से आईटी कंपनियों के मुनाफे को भी बल मिला है। अभी तक नतीजे जारी करने वाली 156 कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 19.4 प्रतिशत बढ़ा है, जो पिछले 11 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 11 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही के 6.8 प्रतिशत की वृद्धि से कहीं अधिक है। इन कंपनियों का कुल शुद्ध मुनाफा 1.09 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी अवधि में इन कंपनियों की कुल शुद्ध बिक्री या आय 17.6 प्रतिशत बढ़ी, जो पिछली 14 तिमाहियों में सबसे तेज वृद्धि है। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के 4.9 प्रतिशत और चौथी तिमाही के 9.1 प्रतिशत की वृद्धि से काफी बेहतर है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 96.40 पर बंद हुआ। रुपया शुरुआत कारोबार में 12 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। पश्चिम एशिया संकट गहराने के मद्देनजर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों से विदेशी पूंजी की निकासी का भी भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया कमजोर रुख के साथ 96.53 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 96.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे की गिरावट है। वहीं रुपया शुक्रवार को 12 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.30 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 100.54 पर रहा।

एआई और डेटा सेंटर से भारतीय रियल एस्टेट को संरचनात्मक अवसर

डेवलपर्स के लिए नए मापदंड, अगले 5-7 सालों में 2 लाख करोड़ तक निवेश का अनुमान

नई दिल्ली ।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और हाइपरस्केल डेटा सेंटरों के तीव्र विस्तार से भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए एक मजबूत संरचनात्मक अवसर उभर रहा है। हालांकि, विश्लेषकों का मानना है कि इससे लंबी अवधि में आय में क्रमिक वृद्धि ही देखने को मिलेगी, क्योंकि फिलहाल अधिकांश परियोजनाएं नियोजन या शुरुआती चरण में हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, पारंपरिक वाणिज्यिक रियल एस्टेट के विपरीत, अब डेवलपरों की सफलता केवल भूमि स्वामित्व पर निर्भर नहीं करेगी। बिजली की अबाध आपूर्ति, फाइबर कनेक्टिविटी, त्वरित सरकारी मंजूरी, वैश्विक हाइपरस्केलरों के साथ साझेदारी और पूंजी-बहुल परियोजनाओं के लिए वित्त जुटाने की क्षमता जैसे कारक निर्णायक होंगे। इक्विरस कैपिटल के एक अ धिकारी ने कहा कि यह क्षेत्र एक वैकल्पिक अवसर से रणनीतिक दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग की ओर बढ़ रहा है। उद्योग के अनुमान बताते हैं कि अगले पांच से सात वर्षों में इस क्षेत्र में 1.6 से 2 लाख करोड़ रुपये का भारी निवेश हो सकता है। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार देश का डेटा सेंटर आईटी लोड वित्त वर्ष 26 के 1.6 गीगावॉट से बढ़कर वित्त वर्ष 35 तक 14-15 गीगावॉट होने की उम्मीद है। इसके लिए लगभग 16 लाख वर्ग फुट निर्मित स्थान की आवश्यकता होगी। लोढ़ा, डीएलएफ, माइंडस्पेस रीट और अनंत राज जैसे डेवलपर अपनी रणनीतिक भूमि उपलब्धता और वैश्विक साझेदारियों के कारण बेहतर स्थिति में हैं। लोढ़ा मुंबई के पास पालावा में 1 गीगावॉट क्षमता विकसित कर रही है और महाराष्ट्र में 2.5 गीगावॉट डेटा सेंटर पार्क में 1 लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। अनंत राज ने हरियाणा में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है, जबकि माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट नवी मुंबई में प्रिंसटन डिजिटल ग्रुप के साथ 10 लाख वर्ग फुट से अधिक का डेटा सेंटर विकसित कर रही है।

चीन के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

धीमी अर्थव्यवस्था का दबाव बरकरार

नई दिल्ली ।

चीन के केंद्रीय बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना (पीबीओसी) ने जुलाई 2026 में अपनी प्रमुख लोन ब्याज दरों (एलपीआर) को लगातार 14वीं बार अपरिवर्तित रखा है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब देश की अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिसमें धीमी वृद्धि और रियल एस्टेट सेक्टर पर गहरा दबाव शामिल है। बैंक ने एक साल की लोन प्राइम रेट (एलपीआर) को 3.0 फीसदी और पांच साल की एलपीआर को 3.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। चीन की अर्थव्यवस्था दूसरी तिमाही (अप्रैल से जून) में 2022 की चौथी तिमाही के बाद सबसे कमजोर वृद्धि दर दर्ज कर चुकी है, वहीं पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का असर भी वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर दिखाई दे रहा है। कमजोर घरेलू मांग के बावजूद, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े उत्पादों की मजबूत निर्यात मांग ने अर्थव्यवस्था को कुछ हद तक सहारा दिया है। हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं उपभोक्ता और थोक महंगाई पर दबाव बनाए हुए हैं, जिससे केंद्रीय बैंक के लिए ब्याज दरों में कटौती करना मुश्किल हो गया है।

प्री-आईपीओ बाजार में रिटेल निवेशकों की बढ़ती रुचि

लिस्टिंग से पहले निवेश कर कमाई का नया जरिया

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की तलाश में रिटेल निवेशकों का रुझान अब तेजी से उन कंपनियों की ओर बढ़ रहा है जो अभी सूचीबद्ध नहीं हुई हैं। अच्छे आईपीओ में सीमित आवंटन मिलने के कारण निवेशक अब प्री-आईपीओ निवेश को एक आकर्षक विकल्प मान रहे हैं, जो पहले केवल संस्थागत निवेशकों तक सीमित था। प्री-आईपीओ निवेश का अर्थ है किसी कंपनी के शेयर उसके शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने से पहले खरीदना। अधिकृत प्लेटफॉर्म, पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) और वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) जैसे नियामकीय माध्यमों से अब रिटेल निवेशकों के लिए भी यह विकल्प खुल गया है। यह निवेशकों को कंपनी की शुरुआती विकास यात्रा का हिस्सा बनने और लिस्टिंग के बाद वैल्यूएशन में बढ़ोतरी के जरिए बेहतर रिटर्न पाने का मौका देता है, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण की संभावना बनती है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश से पहले कंपनी के बिजनेस मॉडल, वित्तीय प्रदर्शन, प्रबंधन की गुणवत्ता, उद्योग की संभावनाओं और वैल्यूएशन की गहन जांच-पड़ताल बेहद जरूरी है।

यह निवेश कम तरल होता है और इसमें आईपीओ में देरी या रद्द होने, वैल्यूएशन में अस्थिरता जैसे जोखिम भी शामिल हैं। जोखिमों को देखते हुए विशेषज्ञों की सलाह है कि निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए, केवल विश्वसनीय और नियामक मानकों का पालन करने वाले प्लेटफॉर्म का उपयोग करना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि का दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

बदलते मौसम में बच्चे होने लगे हैं बीमार तो ट्राई करें ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

भारत के कई राज्यों में मानसून ने दस्तक दे दी है। मानसूम शुरू होने के साथ ही सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी और ठंड लगने जैसी मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं इस मौसम में बच्चे और बुजुर्ग थोड़ा जल्दी प्रभावित होते हैं। इसलिए इस मौसम में बच्चों और बुजुर्ग को स्वस्थ रखना कई बार एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाने से मामूली सर्दी-जुकाम या बुखार आसानी से इलाज किया जा सकता है। वहीं अगर यह लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

हल्दी वाला दूध

एक्सपर्ट के मुताबिक सर्दी-जुकाम या बुखार से राहत पाने के लिए बच्चों को हल्दी वाला दूध का सेवन बड़ा असरदार माना जाता है। हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जोकि इंफेक्शन से लड़ने और गले की खराश में राहत देने का काम करते हैं। इसलिए सोने से पहले गुनगुने दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर बच्चे को पिला दें।

गुनगुना पानी

सर्दी-जुकाम या बुखार होने पर बच्चों को ठंडी चीजें नहीं देनी चाहिए। बल्कि बच्चे को पीने के लिए गुनगुना या हल्का गर्म पानी देना चाहिए। इससे गले की खराश और सूजन की समस्या कम हो सकती है।

अदरक, तुलसी और शहद का काढ़ा

गले की खराश, खांसी या बुखार आदि में आप बच्चे को तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च और शहद का काढ़ा बनाकर दे सकते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है। हालांकि एक साल से छोटे बच्चे को यह काढ़ा नहीं देना चाहिए।

तुलसी और अदरक का रस

तुलसी के पत्तों और अदरक का रस और थोड़े से शहद में मिलाकर देने से सर्दी-जुकाम और बुखार से राहत मिल सकती है।

तरल पदार्थ

अगर बच्चे को बुखार हो गया है, तो उसको पानी पिलाएं, नारियल पानी, सूप या ताजे फलों का रस भी दे सकते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी भी पूरी होगी और एनर्जी भी बनी रहेगी।

बारिश के पानी से भी करें बच्चे का बचाव

बच्चे को बारिश में भीगने या गंदे पानी में खेलने से रोकें।

अगर बच्चा गीला हो गया है तो तुरंत उसके कपड़े बदल दें।

बच्चों की साफ-सफाई का खास ख्याल रखें।

पौष्टिक आहार दें, जिससे बच्चों की इम्यूनिटी मजबूत हो।

नींद पूरी करने और आराम करने के लिए पर्याप्त समय दें।

समय-समय पर टीकाकरण जरूर कराएं।

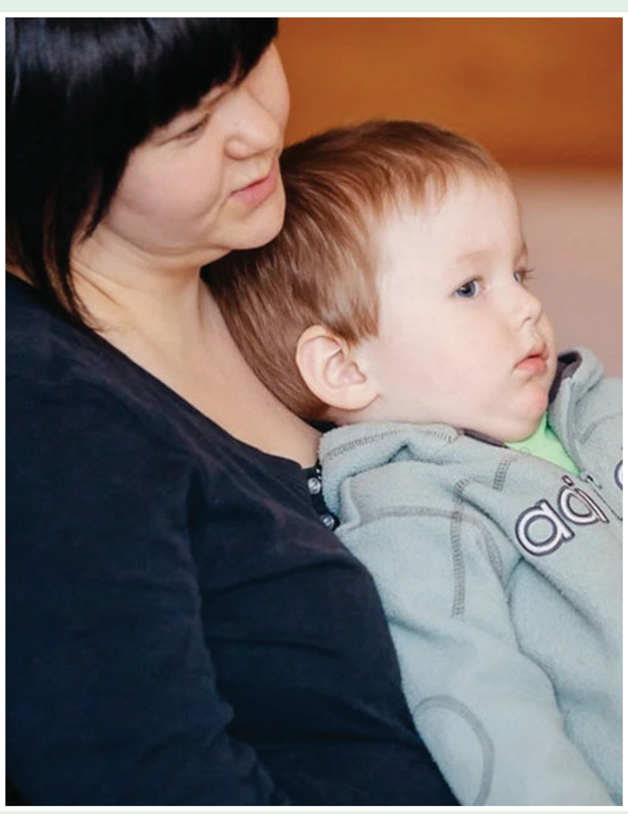

एल्युमीनियम के बर्तन में भूलकर भी नहीं गर्म करनी चाहिए ये चीजें, स्वास्थ्य को हो सकता है नुकसान

हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है।

हम सभी के घरों में स्टील, लोहे और एल्युमीनियम के बर्तन मिल जाते हैं। हर बर्तन की अपनी अलग खासियत होती है। वहीं हर मेटल में बने खाने का स्वाद अलग-अलग होता है। जहां पर कुछ बर्तन बल्कि होते हैं, तो कुछ बर्तन भारी होते हैं। हल्के बर्तनों में एल्युमीनियम के भी बर्तन आते हैं, जिनकी खासियत यह होती है कि यह जल्दी गर्म होते हैं और बजट में भी आते हैं। लेकिन कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं, जिनको इन बर्तनों में गर्म करना गलत माना जाता है। कई महिलाएं एल्युमीनियम के बर्तन में चटनी बनाने से लेकर दूध तक गर्म करती हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि एल्युमीनियम के बर्तनों में कौन-सी चीजें गर्म नहीं करनी चाहिए और क्यों।

दूध न गर्म करें

दरअसल, एल्युमीनियम के बर्तन हल्के और जल्दी गर्म हो जाते हैं। हालांकि कई लोग दूध उबालने के लिए इन बर्तनों का उपयोग करते हैं। लेकिन इन बर्तनों में दूध नहीं गर्म करना चाहिए। क्योंकि दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जोकि एल्युमीनियम के साथ रिएक्ट कर सकता है। जिससे दूध का स्वाद बिगड़ सकता है और दूध से मेटल की गंध भी आ सकती है। वहीं इस बर्तन में दूध उबालने से बर्तन की सतह पर दाग पड़ सकते हैं या फिर यह धीरे-धीरे घिस सकता है।

क्या करें

आप स्टेनलेस स्टील या बोरोसिलिकेट ग्लास के बर्तन में दूध गर्म कर सकते हैं।

इसके अलावा आप इंडक्शन या इलेक्ट्रिकल केटल का इस्तेमाल करते हैं, तो इसमें भी सेफ कोटिंग या स्टील वाले बर्तन का इस्तेमाल करना चाहिए।

नमक या नमक वाला पानी

नमक सोडियम क्लोराइड मौजूद होता है। जोकि एल्युमीनियम के साथ मिलकर एक रासायनिक प्रक्रिया शुरू करता है। इससे धीरे-धीरे बर्तन की सतह खराब हो सकती है।

अगर आप नमकीन खाना एल्युमीनियम बर्तन में पकाते हैं, तो इसको धोने में देर नहीं करनी चाहिए। क्योंकि धोने में देर करने से बर्तन की सतह पर काले या सफेद धब्बे आ सकते हैं। इससे एल्युमीनियम के पार्टिकल्स भी आपके खाने में मिल सकते हैं, जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

क्या करें

खाने या नमक वाले पानी के लिए स्टेनलेस स्टील, नॉन स्टिक या कास्ट आयरन बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए।

अगर आपने एल्युमीनियम बर्तन में नमक वाला कुछ पकाया है, तो उसको फौरन धोकर सुखा लेना चाहिए।

एल्युमीनियम बर्तनों को सूखा और साफ रखना चाहिए। जिससे कि जंग लगने की संभावना न हो।

रेडीमेड सॉस या पैकेज्ड फूड

कई बार हम जल्दी खाना बनाने के लिए फ्रोजन फूड को पका लेते हैं या फिर किसी तरह के सॉस को एल्युमीनियम में गर्म करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एसिडिटी रेगुलेटर, प्रिजरवेटिव्स और अन्य केमिकल्स होते हैं। जोकि गर्म एल्युमीनियम से प्रतिक्रिया कर सकते हैं। इससे खाने का स्वाद बिगड़ सकता है। इस तरह का खाना बार-बार एल्युमीनियम में गर्म करने से बॉडी में एल्युमिनियम पार्टिकल्स प्रवेश करते हैं। जोकि सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्या करें

बता दें कि पैकेज्ड फूड या सॉस को गर्म करने के लिए सेरामिक, ग्लास या स्टेनलेस स्टील के बर्तनों का इस्तेमाल करें।

वहीं माइक्रोवेव में गर्म कर रहे हैं, तो बीपीए मुक्त माइक्रोवेव सेफ कंटेनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एल्युमीनियम फॉयल में लपेटे हुए खाने को ओवन या माइक्रोवेव में गर्म करने से पहले हटा लें।

सजावट भी और शुभता भी-इन तरीकों से सजाएं तुलसी, घर का पूरा वातावरण हो जाएगा शुद्ध

तुलसी का पौधा घर में शुद्ध वातावरण, सकारात्मक ऊर्जा और सौंदर्य तीनों लाता है। इसे सजाने का मतलब सिर्फ सुंदरता नहीं, बल्कि श्रद्धा और शुभता से घर को भरना है। वास्तु शास्त्र और आयुर्वेद दोनों में तुलसी को विशेष स्थान दिया गया है। आइए जानें तुलसी के पौधे को सजाने के सुंदर और शुभ तरीके।

तुलसी वृंदावन बनाएं – मिट्टी, पत्थर या संगमरमर से बना पारंपरिक वृंदावन घर के आंगन या बालकनी में गर्व करना गलत माना जाता है। इसके चारों कोनों पर छोटे दीपक या कांच की लाइट लगाकर इसे और सुंदर बना सकते हैं। वृंदावन के आस-पास रंगोली, सफेद रंग से अल्पना या कोलम बनाना शुभ माना जाता है।

तुलसी के पास छोटे पौधे और फूल सजाएं – तुलसी के चारों ओर अपराजिता, मनी प्लांट, एलोवेरा या चमेली जैसे छोटे पौधे लगाएं। इससे तुलसी का स्थान और भी हराभरा और शांतिपूर्ण लगेगा।

दीपक और घंटी लगाएं – तुलसी के पास रोज सुबह और शाम दीपक जलाएं। एक छोटी पीतल या कांसे की घंटी भी टांग सकते हैं जिसे पूजा करते समय बजाया जाए।

गमले को सजाएं – अगर तुलसी को गमले में लगा रहे हैं, तो उस गमले को रंगीन पेंटिंग, वॉरली आर्ट या मंत्रों से सजाएं। इसमें ॐ? नमो भगवते वासुदेवाय ॐ या ॐहरि ?ॐ जैसे मंत्र लिखे जा सकते हैं।

तुलसी की माला –तुलसी के पौधे के चारों ओर लकड़ी की माला, रिबन या फूलों की माला लगाकर सजाएं। त्योहारों पर बंदनवार या तोरण से तुलसी का स्थान सजाएं।

हैंगिंग तुलसी प्लांटर – यदि घर में जगह कम है, तो तुलसी को हैंगिंग पॉट्स में बालकनी या रसोई की खिड़की में रखें।

इन बातों का रखें ख्याल –

तुलसी को सूखने न दें, रोज पानी दें।

–उसके पास कभी जूते-चप्पल न रखें।

–तुलसी के पत्ते बिना हाथ धोए और बिना मंत्र बोले न तोड़ें।

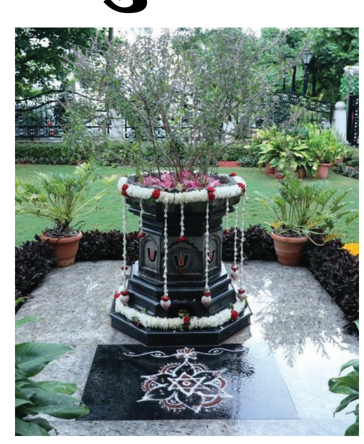

कम बजट में किचन को दोबारा डेकोरेट करने के लिए फॉलो करें ये शानदार टिप्स, हर कोई करेगा तारीफ

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

किसी भी चीज को लंबे समय तक एक जैसा देखने या फिर इस्तेमाल करने से मन भर जाता है। इसलिए समय के साथ चीजों को अपडेट करना जरूरी होता है। फिर चाहे वह आउटफिट हो, कमरा हो या फिर किचन हो। अगर आप एक हाउसवाइफ हैं, तो आप रसोईघर का काम भी करती होंगी। लेकिन जिस किचन को आप सालों से यूज कर रही हैं, उसको देखकर अब आप भी बोर हो गई होंगी। अगर आपको भी लगता है कि आपके किचन को एक न्यू लुक की जरूरत है, तो आप आसानी से और कम पैसे में इसको न्यू लुक दे सकती हैं।

अगर आपकी किचन भी पुरानी और फीकी सी लगने लगी है, तो आप कुछ चीजों की मदद से किचन को अपडेट करके न्यू और फ्रेश लुक दे सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके किचन में जान डाल देंगी।

प्लांट्स लगाएं

अगर आपने किचन को बेहद खूबसूरत और शुद्ध बनाना चाहती हैं, तो किचन में प्लांट्स जरूर लगवाना चाहिए। प्लांट्स लगाने से किचन न सिर्फ अच्छा लगेगा और फ्रेश फील भी देने का काम करेगा। आप प्लांट्स को इनडोर में लगाने के साथ किचन की खिड़की पर रखने साथ हैंग भी कर सकती हैं। प्लांट्स लगाने से किचन में पॉजिटिव बदलाव नजर आएगा। वहीं हरियाली के बीच खाना बनाते हुए भी अच्छा लगेगा।

वॉलपेपर लगवाएं

किचन में खाना बनाने के दौरान निकलने वाला धुआं और मसाले आदि की छींटे के निशान टाइल्स पर लग जाते हैं और चिकनाई भी जम जाती है। आप इनकी कितनी ही सफाई कर लें, लेकिन कई बार यह निशान हटने का नाम नहीं लेते हैं। आजकल मार्केट आयल फ्री वॉलपेपर खूब मिलते हैं। ऐसे में आप इन वॉलपेपर को मगांवाकर खुद किचन में चिपका सकती हैं। इन वॉलपेपर पर दाग और चिकनाई के निशान भी नहीं लगते और यह जल्दी साफ भी हो जाते हैं। वहीं अगर यह ज्यादा गंदे हो जाते हैं, तो आप इनको बदलकर नए लगवा सकती हैं।

हैंगिंग लाइट्स

वहीं मार्केट और ऑनलाइन दोनों ही जगह पर यूनिक हैंगिंग लाइट्स भी मिल जाएंगी। ऐसे में आप भी इनसे अपने किचन को डेकोरेट कर सकती हैं। आप किचन के सेंटर में एक लाइन में छोटी-बड़ी के हिसाब से हैंगिंग लाइटस लगा सकती हैं। डिम लाइट्स जलते ही आपके किचन की रौनक बढ़ जाएगी।

किचन ऑर्गनाइजर

ऑनलाइन में बहुत कम पैसे में सामान रखने के लिए ऑर्गनाइजर मिल जाएगा। आप इनको किचन में लगवाकर बिखरे रखने वाले डिब्बे-डिब्बियों को एक जगह लाइन से ऑर्गनाइज कर सकती हैं। इससे आपकी रसोई में स्पेस भी ज्यादा लगेगा और सामान भी बिखरा हुआ नहीं रहेगा। आपको किचन ऑर्गनाइजर में कई डिजाइन और साइज मिल जाएंगे। जिनको आप किचन के साइज के हिसाब से ले सकती हैं।

कलरफुल एक्सेसरीज

आप मार्केट में मिलने वाली कलरफुल एक्सेसरीज लेकर किचन की वॉल और कैबिनेट पर हैंग कर सकती हैं। इससे किचन साफ-सुथरा और सुंदर दिखने लगेगा।

रोहित का शतक, मगर भारत ने 27 रन से गंवाया मैच

इंग्लैंड ने 2-1 से जीती वनडे सीरीज

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए 'हाई स्कोरिंग' मुकाबले को 27 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने 3 विकेट गंवाकर 387 रन जड़े।

बेन डकेट ने जैकब बेथेल के साथ पहले विकेट के लिए 181 गेंदों में 192 रन की साझेदारी करते हुए मेजबान टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। बेथेल 93 गेंदों में 2 छक्कों और 11 चौकों के साथ 91 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद डकेट ने जो रूट के साथ दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 101 रन जुटाकर टीम को 293 के स्कोर तक पहुंचा दिया। डकेट 135 गेंदों में 19 बाउंड्री के साथ 141 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

यहां से जो रूट ने मोर्चा संभाला, उन्होंने कप्तान हैरी ब्रूक (14) के साथ तीसरे विकेट के लिए 31 रन, जबकि जोस बटलर के साथ चौथे विकेट के लिए 19 गेंदों में 63 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाया। रूट 48 गेंदों में 9 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि बटलर ने 13 गेंदों में 3 छक्कों और 4 चौकों के साथ 41 रन की ताबड़तोड़ नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट हासिल किए और प्रिंस यादव ने 1 विकेट निकाला। इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 24.2 ओवरों में 147 रन की साझेदारी की। गिल 84 गेंदों में 11 बाउंड्री के साथ 77 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 86 गेंदों में 113 रन जोड़कर टीम को 260 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रोहित शर्मा के भविष्य पर शुभमन गिल ने तोड़ी चुप्पी

कुलदीप यादव को न खिलाने पर पिच का बनाया बहाना

नई दिल्ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे 27 रनो से गंवाकर 1-2 से सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल से प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा के भविष्य और कुलदीप यादव को न खिलाने को लेकर सवाल पर जवाब दिया। गिल ने कहा कि रोहित शर्मा से इस बारे में कोई बात नहीं हुई है कि लॉर्ड्स वनडे उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। कुलदीप न खिलाने के लिए पिच का बहाना बनाया। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 वर्ल्ड कप को ध्यान मे रखते हुए चयनकर्ताओं ने 39 साल के रोहित को बताया है कि इंग्लैंड सीरीज उनकी आखिरी सीरीज होगी। हालांकि, रोहित या चयनकर्ताओ की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पहले दो वनडे में दो खराब पारियां खेलने के बाद रविवार को रोहित ने 138 रन बनाए, लेकिन टीम हार गई।

संग्राम सिंह ने जीता लगातार चौथा मुकाबला

- पाकिस्तानी फाइटर का घमंड तोड़ा; एक मिनट 20 सेकंड में कर दिया चित

नई दिल्ली। भारत के स्टार एमएमए फाइटर संग्राम सिंह ने पाकिस्तानी फाइटर मोहम्मद आबिद अली का घमंड तोड़ दिया और उन्हें सिर्फ एक मिनट 20 सेकंड में ही चित कर दिया। एमएमए में ये संग्राम सिंह की लगातार चौथी जीत भी रही साथ ही पाकिस्तानी फाइटर पर उनकी ये दूसरी जीत रही। संग्राम सिंह का एमएमए के मंच पर अपराजित रहने का सिलसिला जारी है और वो एशियाई चैम्पियन टाइटिल जीतने वाले पहले भारतीय भी बन गए हैं।

संग्राम सिंह ने देश को समर्पित की जीत

इस फाइट का आयोजन मलयेशिया में किया गया था और इसे लेकर मलयेशियाई दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। संग्राम सिंह के जीतने के बाद भारतीय फैंस रिंग के बेहद करीब आकर भारत माता की जय के नारे लगाने लगे। वहीं संग्राम सिंह ने जहां इस जीत को 140 करोड़ भारतीयों को समर्पित किया तो वहीं मोहम्मद बूटा के नाम से मशहूर मोहम्मद आबिद अली ने फेस ऑफ वाले दिन की तरह ही विवादास्पद बयान दिए। उसकी हार की खीझ लगातार बाहर आती रही। आबिद ने कहा कि मलयेशिया में जितने भी मुसलमान हैं, वह उन सबसे बहुत प्यार करते हैं। उनके इस बयान पर भी वहां काफी हूटिंग हुई। वहीं संग्राम सिंह ने कहा कि उनका किसी भी फाइट में एक ही उद्देश्य रहता है कि देश का तिरंगा ऊंचा हो और उन्हें खुशी है कि उन्हें एक बार फिर इसे ऊंचा करने का सौभाग्य मिला। इससे पहले संग्राम सिंह पाकिस्तान के अली रजा नासिर, ट्यूनीशिया के हाकिम तराबेसी और फ्रांस के फ्लोरियन काउडियर को हरा चुके हैं।

संग्राम सिंह ने डटकर किया मुकाबला– फाइनल से पहले वजन और मोहम्मद आबिद अली के बड़बोले बयान के बाद यह मुकाबला प्रतिष्ठा की लड़ाई बन चुका था, लेकिन दोहरे हैवीवेट कॉमनवेल्थ चैम्पियन ने अपने देशवासियों को निराश नहीं होने दिया। संग्राम सिंह के कोच भूपेश कुमार ने बताया कि मोहम्मद आबिद अली की पंचिंग काफी अच्छी थी। उसने पंचिंग से अटैक किया जिस पर संग्राम लगातार बचते रहे। उसकी ऊंची कदकाठी होने से उसके पंच की पहुंच भी अच्छी थी जिससे उसका एक पंच संग्राम की आंख पर लगा। उसकी इस खूबी को देखकर संग्राम ने कोई जल्दबाजी या हड़बड़ाहट नहीं दिखाई। हालांकि आबिद भी कुश्ती से एमएमए में आए हैं लेकिन कुश्ती के दांव-पेंचों में संग्राम ने उन्हें बुरी तरह असहाय कर दिया।

30वें सेकंड में संग्राम ने शानदार तरीके से लेग अटैक किया और पलक झपकते ही उन्होंने आबिद पर एंकल होल्ड करके अपनी जीत की आधारशिला रख दी। इसके लिए वह पहले तो आबिद को रिंग के किनारे पर एंकल होल्ड करके उसे खींचकर अंदर लाए और फिर उसी पोजीशन पर उन्होंने आबिद को चोक कर दिया और इसका कोई जवाब आबिद के पास नहीं था।

आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा थी

टूट गए लियोन मेसी

• स्पेन के खिलाड़ियों ने बंधाया ढांढस

नई दिल्ली (एजेंसी) मेटलाइफ स्टेडियम में बैठे समर्थकों के अलावा दुनिया के कोने कोने में देर रात टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे करोड़ों प्रशंसकों की जुबां पर एक ही नाम था ..लियोनेल मेसी, लेकिन विश्व कप में सुनहरे सफर के आखिरी पड़ाव पर उनका चहेता यह सितारा बेनूर हो गया। खेल के 106वें मिनट में फेरान टोरेस के गोल के दम पर स्पेन ने अर्जेंटीना को हराकर खिताब जीता। दक्षिण अमेरिकी धुरंधर से छिनकर यूरोपीय दिग्गज ने विश्व फुटबॉल की बादशाहत पर कब्जा कर लिया। ब्राजील (1958 और 1962) के बाद अर्जेंटीना लगातार दो खिताब जीतने वाली पहली टीम बनने का सपना लेकर फाइनल में उतरी थी। मेसी लगातार दूसरी बार चैम्पियन नहीं बन सके। आखिरी सीटी बजने पर उनकी आंखों में नमी और चेहरे पर निराशा को सभी ने देखा।

स्पेन का गोल होने के बाद स्तब्ध थे मेसी- एक तरफ स्पेन के खिलाड़ी जश्न मना रहे थे तो दूसरी तरफ मेसी और उनकी टीम स्टेडियम के दक्षिणी छोर पर अर्जेंटीना के समर्थकों को धन्यवाद दे रही थी और शायद माफी भी मांग रही थी। अर्जेंटीना को फ्रांस के खिलाफ 2022 विश्व कप में खिताबी जीत और दो बार कोपा अमेरिका खिताब दिलाने में सूत्रधार रहे मेसी स्पेन का गोल होने के बाद सिर झुकाये और कमर पर हाथ रखकर स्तब्ध खड़े रहे।

अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए मेसी-बार्सीलोना और पेरिस सेंट जर्मेन के साथ 12 लीग और चार चैम्पियंस लीग खिताब जीतने के बाद मेसी ने जब यूरोपीय फुटबॉल से विदा लेकर तीन साल पहले एमएलएस का रूख किया तो लोगों को लगा कि वह रिटायर होकर अमेरिका में बस जायेंगे, लेकिन वह एक बार फिर अर्जेंटीना को विश्व कप फाइनल तक ले गए जिनमें उनके खाते में आठ गोल आये और चार में वह सहायक रहे।

ढांढस बंधाने आये स्पेन के खिलाड़ी

स्पेन के खिलाड़ी आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी को ढांढस बंधाने आये। मेसी मैदान पर बैठ गए और हाथ पीछे रखकर एकटक देखते रहे। उपविजेता का पदक लेने आये तो मुस्कुराने की कोशिश की लेकिन नाकाम रहे। फिर अपने विचारों में खोये हुए, दुख को छिपाने की कोशिश करते मैदान के एक कोने के निकास से चुपचाप बाहर चले गए। विश्व कप से शायद आखिरी बार।

मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं

विश्व कप में उनके 21 गोल हो गए हैं और शनिवार को तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे (22 गोल) के आगे निकलने तक वह शीर्ष पर थे। तीन विश्व कप फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी मेसी के 125 अंतरराष्ट्रीय गोल हैं और वह सिर्फ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146) से पीछे हैं।

मेसी ने संन्यास से की वापसी

पेले और माराडोना की लीग में शामिल मेसी ने 2016 कोपा अमेरिका फाइनल में चिली के खिलाफ शूटआउट में मिली हार के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली थी, लेकिन 47 दिन बाद वापसी की और 2022 में अर्जेंटीना को तीसरी बार विश्व कप दिलाया।

एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्डन बूट

- स्पेन के गोलकीपर के नाम गोल्डन ग्लव्स, ये है FIF वर्ल्ड कप की अवार्ड लिस्ट

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 10 गोल और 8 असिस्ट करके फ्रांस किलियन एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीता। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे नंबर के लिए प्लेऑफ मुकाबले में 2 गोल करके अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को पछाड़ा था। स्पेन के खिलाफ फाइनल में मेसी गोल या असिस्ट नहीं कर पाए। ऐसे में एम्बाप्पे ने लगातार दूसरी बार उन्हें पछाड़कर गोल्डन बूट अपने नाम किया।

एम्बाप्पे ने कतर में भी 7 गोल करके यह इनाम जीता था, जो मेसी से एक ज्यादा था। अर्जेंटीना के हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करने वाली स्पेन टीम के खिलाड़ियों ने कई पुरस्कार जीते। गोलकीपर उनाई साइमन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक बार गोल होने दिया। उन्होंने गोल्डन ग्लव्स जीता, जबकि मिडफील्डर रोड्री को प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया और उन्हें गोल्डन बॉल दी गई। डिफेंडर पाउ ??क्यूबार्सी को बेस्ट यंग प्लेयर चुना गया।

स्पेन बना विश्व विजेता

फेरान टोरेस के गोल ने अर्जेंटीना से छीनी ट्रॉफी

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी का लगातार दूसरा फीफा विश्व कप जीतने और विजेता के तौर पर विदाई लेने का सपना आखिरकार अधूरा रह गया। अमेरिका के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस के 106वें मिनट के गोल की बदौलत अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर 16 साल बाद विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इस विश्व कप का फेरान टोरेस का पहला गोल उनके जीवन का सबसे अनमोल गोल बन गया जिसने स्पेन को ट्रॉफी दी और इस खूबसूरत खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी को आंसुओं के साथ विदाई। लियोनल मेसी का लगातार दूसरा विश्व कप जीतने का सपना आखिरी तिलिस्म पर आकर टूट गया। पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेनिश टीम ने अपने अभेद्य रक्षण से लियोनल मेसी को भी बेअसर कर दिया और इतिहास रचते हुए विश्व कप जीतने वाली सबसे मजबूत रक्षात्मक टीमों में अपनी जगह दर्ज करा ली। फेरान टोरेस ने बॉक्स के भीतर हवा में आई गेंद पर अपने बाएं पैर से कब्जा करके शॉट लगाया और अर्जेंटीना के गोलकीपर उसे बचा नहीं सके। यह 2010 के बाद स्पेन का दूसरा विश्व खिताब है।

स्पेन का सबसे कम गोल गंवाने का रिकॉर्ड

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 8 मैच में सिर्फ एक गोल खाने वाली स्पेन ने टूर्नामेंट में चैंपियन द्वारा सबसे कम गोल गंवाने का विश्व रिकॉर्ड भी बनाया। पूरे टूर्नामेंट में आखिरी मिनटों में चमत्कारिक वापसी करती आई अर्जेंटीना उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सकी। निर्धारित समय तक गोलरहित बराबरी के बाद मैच अतिरिक्त समय में खिंचा था। स्पेन की महिला फुटबॉल टीम ने भी 2023 में विश्व कप जीता था और स्पेन एक ही साथ महिला और पुरुष फुटबॉल विश्व कप जीतने वाला पहला देश बन गया। इसके साथ ही स्पेन के कोच लुईस डे ला फुएंटे 65 वर्ष की उम्र में किसी टीम को खिताब दिलाने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए।

अर्जेंटीना-स्पेन के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई

लिएंड्रो पारेडेस की एरिक गार्सिया और गेवी से भिड़ंत

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल के बाद अर्जेंटीना और स्पेन के खिलाड़ियों के बीच लड़ाई हो गई। अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस को मुकाबला खत्म होने के बाद रेड कार्ड दिखाया गया। अर्जेंटीना को रविवार (19 जुलाई) को स्पेन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद पारेडेस को स्पेन के डिफेंडर एरिक गार्सिया और गेवी के साथ हाथापाई करते देखा गया। पारेडेस ने दोनों का गला पकड़ लिया था। लड़ाई की वजह साफ नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया पर वीडियो में रेफरी के फाइनल व्हिसल बजाने के कुछ सेकंड बाद गार्सिया को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। फिर वह उठे और पारेडेस से उनकी तीखी बहस हुई है। पारेडेस ने गार्सिया की गर्दन पर हाथ रखा और धक्का दे दिया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहुएल मोलिना ने भी फाइनल व्हिसल बजने के ठीक बाद एक स्पैनिश सब्स्टीट्यूट के पेट में घूंसा मारा।

स्पेन ने अर्जेंटीना का सपना तोड़ा

स्पेन ने अर्जेंटीना को 1962 के बाद अपना वर्ल्ड कप खिताब का बचाव करने वाली पहली टीम बनने से रोक दिया। स्पेन पूरे मैच में हावी था। आखिरकार वह अपने 20वें शॉट पर विनिंग गोल करने में कामयाब रहा। अर्जेंटीना गोल के लिए एक भी शॉट नहीं ले पाई। इसके बावजूद मैच फुल टाइम तक 0-0 रहा। बार्सिलोना के फेरान टोरेस ने आखिरकार 106वें मिनट में गोल किया जो स्पेन के लिए विनिंग गोल साबित हुआ।

कपिल शर्मा शो में स्क्रिप्टिंग को लेकर कीकू शारदा का बड़ा खुलासा

कॉमेडियन कीकू शारदा पिछले 10 साल से कपिल शर्मा के साथ काम कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने शो के क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने खुलासा किया कि शो में कितना हिस्सा स्क्रिप्टेड होता है और कितना हिस्सा मौके पर बनाया जाता है। हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं बातचीत में कीकू ने कहा कि वे जानबूझकर गेस्ट्स से जोक्स और पंचलाइन छुपाते हैं, ताकि उनका रिएक्शन नैचुरल रहे। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो हमें असली रिएक्शन चाहिए होते हैं। हम नहीं चाहते कि गेस्ट्स को पहले से जोक्स, पंचलाइन या कैरेक्टर्स के बारे में पता हो। हम चाहते हैं कि वे पहली बार स्टेज पर इन्हें देखें, क्योंकि तभी सबसे असली रिएक्शन मिलता है। इसलिए अब सब लोग बस फ्लो के साथ चलते हैं।' कीकू ने बताया कि शो में स्क्रिप्ट तो होती है, लेकिन उसे कितना फॉलो करना है और कितना इम्प्रोवाइज करना है, ये शूटिंग के दौरान तय होता है। उन्होंने कहा, 'कुल मिलाकर स्क्रिप्ट होती है और हम उसे एक लिमिट तक फॉलो भी करते हैं। कई बार इसे पूरी तरह फॉलो करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि कभी-कभी कोई सेलिब्रिटी बातचीत को एकदम अलग दिशा में ले जाता है। कभी-कभी उसी वक्त नया आइडिया आ जाता है और हम इम्प्रोवाइज कर लेते हैं। सच कहूं तो करीब 70% स्क्रिप्ट होती है और 30% पूरी तरह मौके पर होता है।' बता दें कि हाल ही में कीकू शारदा समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में पहुंचे थे, जहां उनके साथ चंदन प्रभाकर भी मौजूद रहे। इस एपिसोड को फैंस ने काफी पसंद किया।

कुब्रा सैत ने अपने करियर में जोड़ा एक रोमांचक अध्याय, स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में रखा कदम

अभिनेत्री, लेखिका और परफॉर्मर कुब्रा सैत ने स्टैंड-अप कॉमेडी के साथ अपने करियर में एक नया और रोमांचक अध्याय जोड़ लिया है। जी हाँ, लाइव कॉमेडी के साथ उन्होंने स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में न सिर्फ कदम रखा है, बल्कि अपनी पहली परफॉर्मेंस भी दी है, जिसे दर्शकों से शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। गौरतलब है कि सेक्रेड गेम्स, जवानी जानेमन, फाउंडेशन और कई अन्य फिल्मों व सीरीज में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत हमेशा से ही कहानी कहने के नए और अलग तरीकों को अपनाती रही हैं। अपनी बेस्टसेलिंग किताब ओपन बुक: नॉट क्वाइट अ मेमोयर की सफलता के बाद अब उन्होंने लाइव स्टैंड-अप कॉमेडी की दुनिया में कदम रखा है, जिसने उनकी क्रिएटिव जर्नी को एक नया आयाम दिया है।

कुब्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस की कुछ झलकियां साझा करते हुए कॉमेडी स्टेज पर उतरने की खुशी जाहिर करते हुए इस नई कोशिश के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया है और उन सभी लोगों को धन्यवाद दिया है, जो नए प्रयोग करने वाले कलाकारों को अपना समर्थन देने वहां पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर अपनी परफॉर्मेंस के अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने लिखा है, लाइव कॉमेडी की खास बात यह है कि अगर आप मजा नहीं ले रहे हैं, तो हम भी नहीं ले रहे हैं। इसलिए धन्यवाद कि आपने इस जगह को इतना शानदार और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। इसी के साथ स्टैंड-अप कॉमेडी की अनोखी दुनिया में हर परफॉर्मेंस सीखने और खुद को बेहतर बनाने का एक नया मौका होती है, को लेकर कुब्रा ने आगे लिखा है, धन्यवाद बैकस्पेस बांद्रा, जो कॉमेडियन्स को गिरने, उड़ने, असफल होने, शानदार प्रदर्शन करने और अगले दिन फिर से उसी जुनून के साथ लौटने के लिए एक मंच देता है। स्टैंड-अप कॉमेडी एक्टिंग से बिल्कुल अलग तरह की क्रिएटिव चुनौती पेश करती है, जहां कलाकार को तुरंत सोचने, अपनी बात ईमानदारी से रखने और दर्शकों से सीधा जुड़ने की जरूरत होती है।

कुब्रा का इस क्षेत्र में कदम रखना उनके नए प्रयोगों और अलग-अलग माध्यमों से कहानी कहने के जुनून को दर्शाता है। फिलहाल अपनी पहली परफॉर्मेंस को मिले प्यार और प्रोत्साहन के बाद कुब्रा ने अपनी अगली स्टैंड-अप परफॉर्मेंस का ऐलान भी कर दिया है, जिससे साफ है कि यह उनके नए सफर की सिर्फ शुरुआत है। एक अभिनेत्री, लेखिका और वक्ता के तौर पर अपनी पहचान बना चुकीं कुब्रा सैत एक बार फिर साबित कर रही हैं कि उनका सफर हमेशा जिज्ञासा, साहस और नई चुनौतियों को अपनाने की सोच से आगे बढ़ता रहा है।

हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर बोली अंजना सुखानी

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर किया है। अब वह अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को लेकर चर्चा में हैं। बातचीत में अंजना ने फिल्म, इम्तियाज अली के साथ काम करने के अनुभव, फिल्म इंडस्ट्री में बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर कई बातें साझा कीं। अंजना सुखानी ने कहा, ' 'मेरे लिए 'मैं वापस आऊंगा' बेहद खास फिल्म है, क्योंकि इस फिल्म से इम्तियाज अली का नाम जुड़ा हुआ है। उनके साथ काम करना अपने आप में एक बड़ी बात है। ' फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी के साथ काम करने के अनुभव पर अंजना ने कहा, ' 'मेरी कहानी फिल्म में अलग समय से जुड़ी हुई है, इसलिए उनके साथ ज्यादा सीन नहीं थे। वेदांग और शरवरी दोनों ही बहुत प्रतिभाशाली कलाकार हैं। आज के समय में मॉडल, अभिनेता और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स के बीच की दूरी कम हो रही है। इस बदलाव पर अंजना ने कहा कि अब चीजें काफी बदल गई हैं। पहले भी मॉडल फिल्मों में आते थे और अभिनेता मॉडलिंग करते थे, लेकिन अब सोशल मीडिया से जुड़े लोग भी अभिनय की दुनिया में आ रहे हैं। किसी व्यक्ति में टैलेंट है और वह सच में अभिनेता बनना चाहता है तो उसे मौका मिलना चाहिए। आखिर में सबसे जरूरी चीज यह है कि कलाकार अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित कर पाता है या नहीं। मल्टीस्टारर फिल्मों के बढ़ते चलन पर अंजना ने कहा, ' 'सबसे जरूरी बात फिल्म की सफलता है। फिल्म छोटी हो या बड़ी और उसमें कितने कलाकार हों, इससे ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक उसे पसंद करते हैं या नहीं। जब कोई फिल्म सफल होती है तो इसका फायदा सिर्फ कलाकारों को नहीं बल्कि पूरी टीम को मिलता है। हिंदी और साउथ सिनेमा के अंतर पर अंजना ने कहा कि दोनों जगहों की कहानी कहने का तरीका अलग है। हिंदी फिल्में अक्सर पूरे देश के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, जबकि क्षेत्रीय सिनेमा अपनी भाषा और संस्कृति से ज्यादा जुड़ा होता है। भारत की यही विविधता उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती है और कलाकारों को अलग-अलग भाषाओं में काम करने का मौका मिलना एक अच्छी बात है।

प्रेग्नेंसी को लेकर सामंथा ने कही दिल की बात

एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और फिल्ममेकर राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने दिसंबर 2025 में शादी की थी और जून में अपनी प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की थी। अब हाल ही में सामंथा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर दिल की बात कही है।

मां बनने को लेकर बोलीं सामंथा?

इंटरव्यू में सामंथा ने कहा कि उनके लिए ये समय बिल्कुल नया और बहुत खास है। उन्होंने कहा, 'ये सब मेरे लिए नया और एक्साइटिंग है। लेकिन मैं इस पल का काफी समय से इंतजार कर रही थी। मैं हमेशा से मां बनना चाहती थी, और अब मैं इसमें अपना पूरा दिल लगा दूंगी।' सामंथा ने बताया कि प्रेग्नेंसी के दौरान उन्हें अपने अंदर एक अलग तरह की ताकत और उद्देश्य महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से अपनी जिंदगी को लेकर पैशनेट रही हूं, लेकिन अब मुझे एक नई ताकत और मकसद महसूस होता है। मैं इस सफर को लेकर बहुत एक्साइटेड हूं और हर दिन कुछ नया सीख रही हूं।'

अक्षय की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल

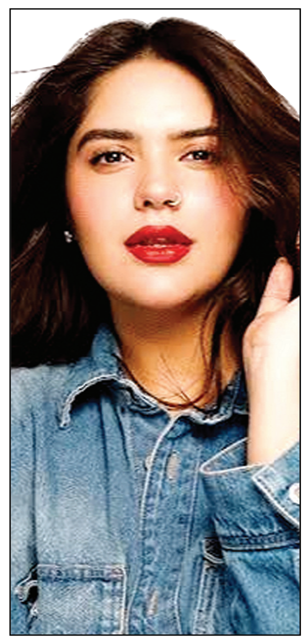

अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। उनके हिसाब से मैं तय मानकों पर खरी नहीं उतरती, लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं। शाहरुख खान और अमिताभ बच्चन को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

23 जुलाई को रिलीज होगी 'जन नायकन' थलापति विजय ने शेयर किया पोस्टर

साउथ अभिनेता थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं। पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनोमाघरों में रिलीज होगी ।फिल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। 'जन नायकन' में थलपाति विजय, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलपाति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

वीर को एक्टर बनने से मना किया था

राजकुमार हिरानी हिंदी सिनेमा जगत में सबसे मंझे हुए, सबसे दिलचस्प और दमदार फिल्ममेकर्स में से हैं। बॉलीवुड को 'मुन्ना भाई एमबीबीएस', 'लगे रहो मुन्ना भाई', '3 इडियट्स' और 'संजू' जैसी यादगार ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले राजू हिरानी भी अब वक्त के साथ कदमताल कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार बतौर प्रोड्यूसर ओटीटी का रुख किया है और वेब सीरीज 'प्रीतम और पेड्रो' लेकर आए हैं। अरशद वारसी के साथ इस सीरीज में राजू के उनके बेटे वीर हिरानी ने भी एक्टिंग में कदम रखा है। हालांकि, राजू हिरानी दो टूक शब्दों में कहते हैं कि उन्होंने बेटे वीर को एक्टर बनने से मना किया था।

वीर के एक्टिंग की ओर रुझान का वाकया याद करते हुए राजू हिरानी बताते हैं, 'मुझे जब पता चला कि वीर एक्टिंग करना चाहते हैं तो मैंने कहा कि मत करो। मुझे लगता था कि उसे फिल्म बनाना अच्छे से आता है। वो बचपन से शॉर्ट फिल्म बनाता था, तो मैंने कहा कि तुम अच्छी फिल्म बनाते हो, ये क्यों करना चाहते हो? इस पर उसने कहा कि आपने '3 इडियट्स' बनाई थी। उसमें कहा था कि 'जो दिल को अच्छा लगे वो करो', तब मैं फंस गया और मैंने कहा कि ठीक है तुम्हें करना है तो पहले एक्टिंग सीखो।'

हिरानी आगे बताते हैं कि बेटे वीर हिरानी ने उनकी बात पर अमल किया। तीन साल ड्रामा स्कूल में पढ़ाई की। फिर फिरोज खान के साथ नाटक किया, उसके बाद ही यह सीरीज की। अपने शो का 'प्रीतम' घर में ही मिलने की बात पर डायरेक्टर ने कहा, 'प्रीतम घर में ही थे, मगर हमें नजर नहीं आ रहे थे। हम ये सीरीज बना रहे थे, मगर वीर दिमाग में नहीं थे। कास्टिंग चल रही थी तो वीर ने मेरे ऑफिस में जो साहिल हैं, उनको बोला कि मैं यहां बैठा हूं, मेरी तरफ किसी का ध्यान नहीं है। मेरे दिमाग में था कि वो फिल्म करना चाहता है। फिल्मों के लिए उसकी बातचीत भी चल रही थी। मैं भी कोई स्क्रिप्ट ढूंढ़ रहा था। मुझे नहीं लगा था कि वो वेब सीरीज करेगा पर उसने कहा कि मुझे कोई हिचक नहीं है।

कॉमेडी में हद पता होनी चाहिए

राजू हिरानी की फिल्मों में ह्यूमर की एक खास जगह रही है। साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करती 'प्रीतम एंड पेड्रो' भी इसी कड़ी में शामिल है। लेकिन आज कॉमेडी को लेकर काफी आपत्तियां सामने आ रही हैं। बकौल राजू हिरानी, 'कॉमेडी कई तरह की होती है। दूसरे के दुर्भाग्य पर हंसना भी एक तरह की कॉमेडी है, लेकिन आपको एक हद पता होनी चाहिए। अगर आपको लगता है कि ऐसा करके आप किसी को बहुत ज्यादा ठेस पहुंचा रहे हैं तो आप क्यों कर रहे हैं? मत करो न, क्योंकि आप स्वार्थी होकर किसी का फायदा उठा रहे हैं। अगर आप अपने फायदे के लिए किसी का बहुत ज्यादा मजाक उड़ाओगे तो उसे ठेस पहुंचेगी ही। मेरा मानना है कि आप बिना किसी को ठेस पहुंचाए भी कॉमेडी कर सकते हैं।'

बच्चे को एक्टिंग का जुनून है तो उसे क्यों रोकें?

बीते कुछ साल में इंडस्ट्री के बच्चों को उनके घर से ही लॉन्च किए जाने पर काफी सवाल खड़े हुए हैं। क्या वीर को लॉन्च करते वक्त राजू हिरानी के दिमाग में यह ख्याल आया था? वह जवाब देते हैं, 'ख्याल तो आता है, लेकिन अगर बच्चा एक्टिंग करना चाहे, वह उसका जुनून है तो उसको क्यों रोके? इसलिए, मैंने इसे ज्यादा अहमियत नहीं दी। अब जैसे मैं था। मेरे पिता जी कुछ और करते थे। मैं नागपुर में एक सामान्य मिडिल क्लास परिवार में जन्मा। मेरे पिता जी ऑफिस इक्विपमेंट बेचते थे, पर मेरा फिल्मों में आने का मन था तो मैंने यह किया। जैसे, मेरे फादर ने मुझे कहा कि तुम्हारा यह करने का मन है तो जाओ भाई करो। वैसे ही मैंने भी वीर को कहा।'

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

संक्षिप्त समाचार

फिल्टर प्लांट के मेंटेनेंस कार्य के चलते 21 जुलाई की शाम जल प्रदाय रहेगा बंद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा । नगर पालिका परिषद नागदा द्वारा नगरवासियों को सूचित किया गया है कि फिल्टर प्लांट पर आवश्यक मेंटेनेंस एवं तकनीकी कार्य किए जाने के कारण मंगलवार, 21 जुलाई 2026 की शाम नगर में जल प्रदाय बंद रहेगा। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संतोष ओ.पी. गेहलोत ने बताया कि नगरवासियों को भविष्य में बेहतर, सुचारु एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फिल्टर प्लांट पर आवश्यक रखरखाव एवं तकनीकी सुधार कार्य किया जा रहा है। इस कारण एक समय के लिए जल प्रदाय प्रभावित रहेगा।ठ्ठ उन्होंने नगर के समस्त जल उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपनी आवश्यकता के अनुसार पहले से पर्याप्त पानी का संग्रह कर लें तथा नगर पालिका के इस आवश्यक मेंटेनेंस कार्य में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कार्य पूर्ण होते ही जल प्रदाय पुनः नियमित रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा। नगर पालिका परिषद के सभापति प्रकाश जैन, गौरव यादव, रामकुँवर सिसोदिया, बबिता रघुवंशी,भावना रावल, देवकुंवर जी पटेल, कौशल्या ठाकुर एवं समस्त पार्षद ने भी नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि इस अस्थायी असुविधा के लिए नगर पालिका परिषद को खेद है, लेकिन नगर के हित में बेहतर एवं निर्बाध पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए यह कार्य अत्यंत आवश्यक है। नागदा से जीवनलाल जैन नागदा की रिपोर्ट।

तेहरान, एजेंसी। ईरान की संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को एक नई चेतावनी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट लिखी। पोस्ट में अजीजी ने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के हालिया बयान का असली मतलब समझ लें, तो वे भागने में एक सेकंड भी बर्बाद नहीं करेंगे। खामेनेई ने हाल ही में अमेरिका को कभी न भूलने वाले सबक (अविस्मरणीय सबक) सिखाने की बात कही थी। अजीजी का यह बयान तेहरान और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया है। इससे पहले ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने देश के नाम अपने संदेश में अमेरिका पर कड़ा प्रहार किया था। उन्होंने अमेरिका को 'महान शैतान' (ग्रेट सैटन) कहा। खामेनेई ने घोषणा की कि 14 सूत्रीय सहमति पत्र पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर पूरी तरह से बेकार और खोखले हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वाशिंगटन ने ईरान पर सैन्य हमले जारी रखे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) उसे ऐसे सबक सिखाएंगे जिन्हें वह कभी नहीं भूल पाएगा। खामेनेई ने अमेरिका पर ईरान के साथ समझौतों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इन उल्लंघनों ने एक बार फिर वाशिंगटन की बेईमानी, अतार्किकता, अविश्वसनीयता और दुर्भावनापूर्ण व्यवहार को उजागर कर दिया है। खामेनेई के अनुसार, दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच हुए समझौते को अमेरिका ने बार-बार तोड़ा है। इससे यह बुनियादी सच सामने आ गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती, तानाशाही और क्रूरता अमेरिकी नीतियों के मुख्य हिस्से हैं। अमेरिकी हरकतों ने उसका असली और बेनकाब चेहरा सबके सामने ला दिया है।

पश्चिम एशिया संघर्ष: अमेरिका ने दुनियाभर में अपने नागरिकों को किया सतर्क; क्या और बिगड़ेंगे हालात?

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दुनियाभर में यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण सुरक्षा की स्थिति जटिल बनी हुई है। अमेरिका और ईरान की ओर से क्षेत्र में बढ़ी सैन्य गतिविधियों के बीच अचानक हालात बिगड़ सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में दुनियाभर में रहने वाले अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में मौजूद लोगों से अधिक सतर्क रहने और तेजी से बदल रहे सुरक्षा हालात की जानकारी लेते रहने की सलाह दी। बयान में कहा गया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण जटिल सुरक्षा माहौल बना हुआ है और अचानक हालात बिगड़ने की आशंका है। मंत्रालय ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से कहा कि वे लगातार समाचार देखते रहें, ताकि नई जानकारी मिलती रहे। साथ ही, अपने सबसे नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास की ओर से जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करें। बयान में आगे कहा गया, हम क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नागरिकों को लगातार सावधानी बरतने की याद दिलाते हैं और उन्हें सलाह देते हैं कि वे ताजा घटनाक्रम की जानकारी के लिए समाचार देखते रहें। विदेश मंत्रालय दुनियाभर के अमेरिकी नागरिकों, खासकर पश्चिम एशिया में रहने वालों को अधिक सतर्क रहने की सलाह देता है।

जुलाई महीने में अमेरिकी हमलों में 50 मौतें; मोजतबा बोले- ट्रंप के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य'

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ जारी जंग के बीच कभी न भूलने वाले सबक सिखाने की चेतावनी दी है। शनिवार को खामेनेई ने कहा, अगर अमेरिकी सेना इस्लामी गणराज्य पर हमला करना जारी रखता है तो उसे 'अविस्मरणीय अंजाम' भुगतने को तैयार रहना चाहिए। खामेनेई ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को भी 'बेकार और अमान्य' करार दिया। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब कुछ घंटे पहले शांति समझौते से जुड़े एक वार्ताकार ने कहा कि तेहरान लगभग एक महीने पहले हुई डील को खत्म कर रहा है। करीब 112 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है। मोजतबा खामेनेई युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक सामने नहीं आए हैं। उनके नाम से जारी बयान सरकारी टेलीविजन पर तब पढ़ा गया। इस बयान से पहले अमेरिका ने ईरान के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए।

जॉर्डन में ईरानी सेना की कार्रवाई, दो सैनिकों की मौत : अमेरिकी सेना ने बताया कि शुक्रवार को जॉर्डन में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमले में दो सैनिक मारे गए और एक लापता है। युद्ध की शुरुआत के बाद यह सीधे ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिकों की पहली मौत है। मारे गए सैनिकों की पहचान नहीं बताई गई है।

मोजतबा की अमेरिका को 'कभी न भूलने वाले सबक' सिखाने की चेतावनी : ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक नए बयान में चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका हमले जारी रखता है, तो उसे 'कभी न भूलने वाले सबक' सिखाए जाएंगे। खामेनेई का यह बयान सरकारी टेलीविजन पर पढ़कर सुनाया गया; युद्ध शुरू होने के बाद से उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को 'बेकार और अमान्य' भी बताया। इससे पहले शनिवार को ईरान के एक वार्ताकार ने कहा था कि तेहरान उस अंतरिम समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को रोक रहा है, जिस पर दोनों देशों ने लगभग एक महीने पहले हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते का मकसद युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना था।

दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला लड़ाकों पर इस्राइल का हमला : इस्राइली सेना ने कहा है कि उसकी फोर्स ने आज लेबनान के तेबनित इलाके में हिजबुल्ला लड़ाकों पर हमला किया। एक बयान में, इस्राइली सेना ने दावा किया कि हिजबुल्ला के सदस्य उस इलाके के पास 'ड्रोन उड़ा रहे थे और छिपकर कार्रवाई कर रहे थे' जहां इस्राइली सैनिक तैनात थे; सेना के मुताबिक, यह सीजफायर समझौते का उल्लंघन था। 'सीजफायर के दौरान भी इस्राइल ने लेबनान में लगातार घातक हमले किए हैं। सऊदी ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन के खिलाफ ईरान के 'आक्रामकता' की निंदा की सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह कुवैत, बहरीन और जॉर्डन के खिलाफ ईरान की लगातार बेरहम आक्रामकता की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह ईरान के हमलों के खिलाफ उन देशों द्वारा उठाए गए कदमों का पूरा समर्थन करता है; ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और अच्छे पड़ोसी संबंधों के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं। सऊदी अरब का यह बयान कतर और तष्ह्ट प्रमुख जसीम अल-बुदैवी द्वारा खाड़ी क्षेत्र के पड़ोसी देशों पर ईरान के हालिया हमलों की निंदा किए जाने के बाद आया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य'- मोजतबा : ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक लिखित बयान जारी कर कहा है कि ईरान के साथ हुए समझौतों का अमेरिका द्वारा बार-बार उल्लंघन यह दिखाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर 'बेकार और अमान्य' हैं। यह बयान ईरान के प्रसारक ने जारी किया।

ईरान के होर्मोजगन प्रांत में अमेरिका के तीन हमले- ईरानी मीडिया : ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'मेहर' की रिपोर्ट के अनुसार, आज अमेरिका ने ईरान के होर्मोजगन प्रांत में सिरिक के पास के इलाकों को निशाना बनाते हुए तीन हवाई हमले किए। मेहर की रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे हालिया हमला 16:40 बजे हुआ। होर्मोजगन के गवर्नर ने बताया कि किसी भी नागरिक के हताहत होने की खबर नहीं है।

पाकिस्तान-इस्राइल में होने वाली थीं डील': इमरान खान की बहन का दावा, क्या मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने की साजिश?

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी ने एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई जंग को भारत ने केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने की तैयारी कर रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। नोरीन ने इस बयान के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार पर चौतरफा हमले शुरू हो गए हैं।

नोरीन नियाजी ने मई 2025 के सैन्य संघर्ष को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान की सेना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि भारत बड़ी आसानी से जवाबी कार्रवाई कर सकता था। लेकिन भारत ने इस्राइल के कहने पर अपनी सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने वाला था। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए यह भी दावा किया कि पाकिस्तान और इस्राइल के बीच पहले से ही गुप्त बातचीत चल रही थी। नोरीन नियाजी ने यह भी दावा किया कि इस पूरे सैन्य टकराव की पटकथा केवल इसलिए रची गई थी ताकि पाकिस्तान की सेना की छवि को जनता के बीच सुधारा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का नाम लिया। इस संघर्ष के बाद ही जनरल आसिम मुनीर को प्रमोट करके 'फील्ड मार्शल' का सर्वोच्च पद दिया गया था। नियाजी ने इसे साल 2020 के 'अब्राहम अकॉर्ड्स' से भी जोड़ा, जिसके तहत कई अरब देशों ने इस्राइल के साथ रिश्ते सामान्य किए थे।

आतंकी हमला: अप्रैल 2025 में पहलगाम में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। भारत का पलटवार: भारत ने सात मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया।

नेपाल के सिक्कों से हटेगा विवादित नक्शा: एक-दो रुपये के कॉइन पर दिखेगा 7वीं सदी का मठ, क्या है तैयारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों पर बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। अब इन सिक्कों से नेपाल का नया राजनीतिक नक्शा हटाकर उसकी जगह सातवीं शताब्दी के ऐतिहासिक 'लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री' (मठ) की तस्वीर अंकित की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने इस ऐतिहासिक फैसले की पुष्टि की है। इस सप्ताह की शुरुआत में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में नेपाल राष्ट्र बैंक को एक और दो रुपये मूल्यवर्ग के नए डिजाइन के सिक्के जारी करने की मंजूरी दे दी गई। गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में सिक्कों के डिजाइन में बदलाव का यह अंतिम फैसला लिया गया, जिसके बाद गृह मंत्रालय और केंद्रीय बैंक को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देश भेज दिए गए हैं। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरुप्रसाद पौडेल ने बताया कि सरकार की मंजूरी मिलने का साफ मतलब है कि सिक्कों का डिजाइन अब बदल चुका है। सूचना एवं संचार मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि नए सिक्कों में सुरक्षा के बेहतर इंतजाम और नए डिजाइन शामिल होंगे, जिससे कम मूल्यवर्ग की मुद्रा का प्रबंधन आसान हो जाएगा। नेपाल राष्ट्र बैंक अब मुस्टंग जिले के मारंग गांव में स्थित 7वीं सदी के लो ग्याकर (घार) मोनेस्ट्री की तस्वीर को सिक्कों के अग्रभाग पर उकेरने की तैयारी कर रहा है। यह मठ नेपाल का सबसे पुराना मठ माना जाता है। मान्यता है कि इस ऐतिहासिक मठ का निर्माण गुरु पद्मसंभव ने करवाया था। सिक्कों पर इस मठ की तस्वीर आने के बाद साल 2020 में जारी किया गया नेपाल का विवादित राजनीतिक नक्शा अपने आप सिक्कों से हट जाएगा। आपको बता दें कि नेपाल के संविधान संशोधन के बाद लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी क्षेत्रों को शामिल कर साल 2078 (विक्रम संवत) में 'चुच्चे' (नकीला) नक्शे वाला सिक्का जारी किया गया था। अब करीब पांच साल बाद इस नक्शे को सिक्कों से पूरी तरह हटा दिया जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी: नेपाल सरकार ने एक और दो रुपये के सिक्कों के नए डिजाइन को आधिकारिक तौर पर हरी झंडी दे दी है। नक्शा हटाने का फैसला: साल 2020 में जारी किए गए नए राजनीतिक नक्शे को अब सिक्कों से हटा दिया जाएगा।

ईरान की दो-टूक, चाबहार पर यूएस का हमला 'युद्ध अपराध'; जंग-टकराव पर जीसीसी और अरब लीग क्या बोले?

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने दो-टूक लहजे में कहा है कि जंग के बीच चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी सेना का हमला स्पष्ट 'युद्ध अपराध' है। इस जंग और टकराव पर और अरब लीग की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। ईरानी सेना की कार्रवाई की निंदा करते हुए अरब और खाड़ी देशों ने बढ़ते तनाव पर चिंता जाहिर की है। भारत में ईरानी दूतावास ने अमेरिकी सेना की कार्रवाई को लेकर कहा, 'शनिवार को चाबहार स्थित ईरान के शाहिद कलांतरी बंदरगाह पर अमेरिकी हमले में निगरानी टावर नष्ट हो गया। नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाए जाने की ये घटना 'युद्ध अपराध' है।

शनिवार को एक्स हैंडल पर जारी एक बयान में भारत में ईरानी दूतावास ने कहा, अमेरिकी सेना ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन करते हुए चाबहार बंदरगाह पर हमले किए।दूतावास ने संपत्तियों की रक्षा और अमेरिका के दायित्वों का जिक्र करते हुए कहा, नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर, अमेरिका ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कानून तोड़ा है। सशस्त्र संघर्ष के दौरान अमेरिका ने संपत्तियों की रक्षा के अपने दायित्वों की भी अवहेलना की है।

बकौल अरब लीग प्रमुख फहमी, कुवैत, कतर, बहरीन, जॉर्डन और इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र पर ईरान के हमलों की बढ़ती गति उसके आक्रामक दृष्टिकोण को दिखाती है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, इसे बर्दाश्त या स्वीकार नहीं किया जा सकता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के विदेश मंत्रालय ने भी ड्रोन और मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की। यूएई ने कहा कि ये शत्रुतापूर्ण कार्रवाई 'भाईचारे वाले देशों की संप्रभुता का घोर उल्लंघन' हैं। बहरीन, कुवैत और जॉर्डन के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए यूएई ने कहा, ये हमले उनकी सुरक्षा और स्थिरता के लिए खतरा हैं। यूएई ने आत्मरक्षा के सभी उपायों का समर्थन करने की बात भी कही।

कुवैत में बिजली और पानी से जुड़े नेटवर्क को सीधे निशाना बनाए जाने का जिक्र करते हुए कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा, हमले सभी स्वीकार्य सीमाओं को पार कर चुके हैं। दोहा ने कहा, ईरान के हमले अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अच्छे पड़ोसी के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन हैं। कतर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 2817 के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए कहा, मौजूदा सैन्य अभियान उकसावा है जो खतरनाक तरीके से आगे बढ़ रहा है। इससे तनाव को नियंत्रित करने के प्रयासों को झटका लगेगा। ईरान और अमेरिका के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर चुके कतर ने एक बार फिर दोनों पक्षों से शत्रुता को तत्काल समाप्त करते हुए राजनयिक वार्ता बहाल करने की अपील भी की। मिस्र ने कुवैत, बहरीन और जॉर्डन को निशाना बनाने वाली ईरानी आक्रामकता की निंदा करते हुए कहा, इससे क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ रही है। कुवैत ने भी तेल संयंत्रों, बिजली स्टेशनों और जल संयंत्रों पर ईरानी सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की। अमेरिका से शांति समझौता खत्म?: ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की धमकी, कहा-सिखाएंगे कभी न भूलने वाला सबक गौरतलब है कि करीब 110 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है।

ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नहीं': शांति समझौता टूटने पर भड़के मोजतबा खामेनेई, दे डाली ये धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में हुए शांति समझौते का उल्लंघन किया है। इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर की कोई कीमत नही है। यह पूरी तरह से बेकार और अमान्य हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, खामेनेई ने देश की जनता के नाम भेजे एक संदेश में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने समझौते को तोड़कर अपना असली और बेनकाब चेहरा दिखा दिया है। यह अमेरिका के झूठ, अतार्किक, अविश्वसनीय और बुरे स्वभाव का एक और ठोस सबूत है। इसके साथ ही खामेनेई ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने युद्ध भड़काने की कोशिशें जारी रखीं, तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिकी हमले जारी रहे, तो ईरान और उसका 'प्रतिरोध मोर्चा' (रेसिस्टेंस फ्रंट) अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएगा जिसे वह कभी नहीं भूल पाएगा। यह तनाव उस शांति समझौते के बावजूद बढ़ा है, जिसके तहत दोनों देशों को 60 दिनों के भीतर अंतिम समझौते के लिए बातचीत करनी थी। इस समझौते पर 18 जून को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे।

ईरान के कानूनी और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने शनिवार को एक बड़ा एलान किया। उन्होंने सरकारी टीवी चैनल आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में कहा कि ईरान ने इस समझौते के तहत अपनी सभी जिम्मेदारियां पूरी करना बंद कर दिया है। उन्होंने अमेरिका पर समझौते के सभी वादों को तोड़ने या निलंबित करने का आरोप लगाया। गरीबाबादी ने साफ किया कि अब बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है और ईरान का पूरा ध्यान अपनी रक्षा करने पर है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी हमलों का करारा जवाब दिया जा चुका है और अमेरिका को समझदारी दिखाते हुए दूसरा रास्ता चुनना चाहिए। बता दें कि, पिछले एक हफ्ते में अमेरिका ने ईरान के दक्षिणी प्रांतों में सैन्य ठिकानों और बुनियादी ढांचों पर कई हवाई हमले किए हैं। अमेरिका का दावा है कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए किए गए हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी खाड़ी देशों और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं। शनिवार को कुवैत और बहरीन ने बताया कि उनके हवाई रक्षा तंत्र ने ईरान के हवाई हमलों को रोका है। इन हमलों में कुवैत के एक मुख्य तेल केंद्र और बिजली उत्पादन व पानी को खारेपन से मुक्त करने वाले संयंत्र को नुकसान पहुंचा है।

सैनिकों की मौत से बौखलाया अमेरिका, ईरान को सजा देने के लिए नए सिरे से हवाई हमले

तेहरान, एजेंसी। ईरान के हमले में अपने सैनिकों की मौत से बौखलाए अमेरिका ने नए सिरे से एयर स्ट्राइक की शुरुआत की है। अमेरिकी सेना के मुताबिक ईरान को दंडित करने के लिए नए सिरे से हवाई हमले किए जा रहे हैं। अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें ईरान और अमेरिका के टकराव से पश्चिम एशिया में उपजे तनाव से जुड़े तमाम अपडेट्स ईरान के एक बड़े नेता इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी सैनिक उनके सुप्रीम लीडर के तेवरों को समझ लें, तो वे एक सेकंड गंवाए बिना वहां से भाग खड़े होंगे। हाल ही में दोनों देशों के बीच हुआ समझौता टूट गया है। इसके बाद से दोनों तरफ से लगातार हमले हो रहे हैं। अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर बमबारी की है, तो ईरान समर्थित गुटों ने भी अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने भी अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने अमेरिका को 'महाशैतान' कहते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दस्तखत को पूरी तरह रद्दी बताया है। खामेनेई का कहना है कि अमेरिका कभी अपनी बात पर नहीं टिकता और हमेशा धोखेबाजी करता है। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने अपने हमले नहीं रोके, तो ईरान और उसके साथी देश अमेरिका को ऐसा सबक सिखाएंगे जिसे वह कभी भूल नहीं पाएगा। अमेरिका ने लगातार आठवीं रात भी ईरान पर हवाई हमले किए। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए उस हमले के जवाब में की जा रही है, जिसमें दो अमेरिकी सैनिक मारे गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सैनिकों की मौत दुखद है, लेकिन ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार नहीं बनाने दिया जाएगा। ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने ट्रंप के बयान को खारिज करते हुए कहा कि उनके हस्ताक्षर की कोई अहमियत नहीं है। उन्होंने अमेरिका पर हाल में हुए समझौते को तोड़ने का आरोप भी लगाया। कुवैत का कहना है कि ईरान के हवाई हमले में उसकी सरकारी तेल कंपनी की एक इकाई को नुकसान पहुंचा है। इससे पहले भी बिजली और पानी के एक संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया गया था। इराक के एरबिल शहर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश हुई। इसके बाद वहां हवाई सुरक्षा प्रणाली तुरंत सक्रिय कर दी गई।

तलवार हमारी और गला आपका होगा': कट्टरपंथी गुट ने पेजेशकियन को दी चेतावनी; क्या ईरान में बढ़ेगा सत्ता संघर्ष?

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद देश में सत्ता संघर्ष तेज हो गया है। लंबे समय तक देश का नेतृत्व करने वाले खामेनेई को अंतिम विदाई देने का कार्यक्रम शांतिपूर्ण होना था। लेकिन इसके बजाय वहां सत्ता की अंदरूनी लड़ाई खुलकर सामने आ गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, कट्टरपंथी गुट राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और उन वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ हो गए हैं, जिन पर अमेरिका के साथ शांति वार्ता करने का आरोप है। खामेनेई के जनाजे में दिखा गुस्सा अब ईरान की राजनीति तक पहुंच गया है। नेताओं पर विश्वासघात, तख्तापलट की साजिश और आत्मसमर्पण जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

जनाजे में ही शुरू हुआ विरोध : जब राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन तेहरान में खामेनेई के ताबूत के साथ चल रहे थे, तब वहां मौजूद कुछ लोगों ने सिर्फ शोक नहीं मनाया, बल्कि राष्ट्रपति के खिलाफ भी नारे लगाए। भीड़ ने 'समझौता करने वालों की मौत हो' जैसे नारे लगाए। विदेश मंत्री अब्बास अराघची को भी जनाने के दौरान विरोध का सामना करना पड़ा, , जिन्होंने अमेरिकी प्रशासन के साथ संघर्ष विराम पर बातचीत की थी और सीमित प्रतिबंधों में राहत दिलाने में भूमिका निभाई थी। प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर फेंके और उन्हें 'देश बेचने वाला गद्दार' कहा। इसके बाद उन्हें वहां से जाना पड़ा। इन घटनाओं से साफ हुआ कि ईरान के कट्टरपंथी गुटों में नाराजगी बढ़ रही है। उनका मानना है कि देश के नेताओं ने खामेनेई की क्रांतिकारी सोच छोड़कर अमेरिका के साथ समझौता किया, जबकि उन्हें उनकी मौत का बदला लेना चाहिए था।

नए सर्वोच्च नेता कहां हैं: सियासी संकट को और बढ़ाने वाली बात यह है कि नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे रहे हैं। उन्होंने अपने पिता के बाद यह जिम्मेदारी संभाली है। लेकिन अब तक बहुत कम सार्वजनिक रूप से सामने आए हैं। उनकी

चुप्पी से कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कट्टरपंथी सवाल उठा रहे हैं कि क्या वह शासन चलाने की स्थिति में नहीं हैं या फिर उनके आसपास के अधिकारी उनकी गैरमौजूदगी में सत्ता संभाल रहे हैं। सख्त रुख रखने वाले गुटों का आरोप है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची नए सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पूरी तरह पालन किए बिना बड़े फैसले ले रहे हैं। अमेरिका में रहने वाले ईरान मामलों के विशेषज्ञ आराश अजीजी ने कहा कि मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी के कारण दूसरे नेता देश का प्रमुख चेहरा बन गए हैं। उन्होंने कहा कि मोजतबा की लगातार गैरमौजूदगी का मतलब है कि लोगों की उन तक पहुंच नहीं है। इसी वजह से गालिबाफ और उनके सहयोगी देश की कमान संभालते दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण कट्टरपंथी गुट गालिबाफ और पेजेशकियन पर मोजतबा के खिलाफ तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगा रहे हैं।

तख्तापलट के आरोप : ये आरोप अब खुलकर लगाए जा रहे हैं। खामेनेई के जनाजे से कुछ दिन पहले सख्त रुख रखने वाले सांसद महमूद नबावियान ने एक्स पर लिखा, ईरान के लोगों को चेतावनी, क्या तख्तापलट होने वाला है? जनाजे के बाद उन्होंने फिर कहा, शहीद इमाम खामेनेई को विदाई देते समय हम उनके खून का बदला लेने का झंडा उठाते हैं और तख्तापलट के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं। कट्टरपंथियों का कहना है कि ईरान के नेता संसद को नजरअंदाज कर रहे हैं, अमेरिका से बातचीत के दौरान सर्वोच्च नेता के निर्देशों का पालन नहीं कर रहे हैं और देश की क्रांतिकारी संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। एक अन्य कट्टरपंथी सांसद कामरान गजनफारी ने आरोप लगाया कि सत्ता को पारंपरिक संस्थाओं से हटाकर दूसरे संस्थानों की ओर ले जाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की भूमिका बढ़ाई जा रही है, जबकि सर्वोच्च नेता और संसद की भूमिका कम की जा रही है। उनके अनुसार, यही सियासी तख्तापलट है, जिसे धीरे-धीरे लागू किया जा रहा है। सियासी आरोपों के साथ-साथ धमकियां भी दी जा रही हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, संघर्ष दोबारा शुरू होने से पहले सुरक्षा तंत्र से जुड़े मजहबी गायक मोहम्मद अली बख्शी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में राष्ट्रपति पेजेशकियन को खुली चेतावनी दी।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.